रांची
बृहस्पतिवार, 1 मई, 2025
वैशाख, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी, संवत् 2082
स्थापित : 1991, संस्थापक : बलबीर दत्त
वर्ष : 34, अंक : 165
पृष्ठ : 12, मूल्य : 3.00

देश प्राण

सच की ताकत

सत्यस्य शक्तिः सर्वोपरि

contact@deshpran.in | Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran | @deshpran | @deshpran | Desh Pran | www.deshpran.com

इतिहास के पन्नों में

1 मई

महत्वपूर्ण दिवस

मजदूर दिवस

मई दिवस या 'मजदूर दिवस' या 'श्रमिक दिवस' 1 मई को सारे विश्व में मनाया जाता है। 'मई दिवस' के विषय में अधिकांश तथ्य उजागर हो चुके हैं, फिर भी कुछ ऐसे पहलू हैं, जो अभी तक अज्ञात हैं। कुछ भ्रांतियों का स्पष्टीकरण और इस विषय पर भारत तथा विश्व के बारे में कम ज्ञात तथ्यों को उजागर करने की आवश्यकता है।

शुभकामनाएं

मजदूर दिवस के शुभ अवसर पर 'देश प्राण' के सभी पाठकों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

सूचना

मजदूर दिवस के अवसर पर 1 मई को दैनिक **देश प्राण** का कार्यालय बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 3 मई को प्रकाशित होगा।

झारखंड में बिजली दर बढ़ी

शहरी बिजली उपभोक्ताओं पर 20 पैसा, ग्रामीण पर 40 पैसे प्रति यूनिट का बोझ, ओवर ऑल 6.34 फीसदी की हुई वृद्धि

मुख्य संवाददाता

रांची, 30 अप्रैल : झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बुधवार को नई बिजली दर जारी कर दिया है। यह बिजली दर एक मई से लागू होगी। आयोग के सदस्य तकनीक अतुल कुमार और सदस्य विधि महेंद्र प्रसाद ने बिजली दर जारी करते हुए बताया है। घरेलू ग्रामीण उपभोक्ताओं के बिजली दर में प्रति यूनिट 40 पैसे की वृद्धि की गई है। अब ग्रामीण उपभोक्ताओं को 6.30 रुपए प्रति यूनिट की जगह 6.70 रुपए प्रति यूनिट देने होंगे। वहीं शहरी क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को 20 पैसे प्रति यूनिट अधिक देने होंगे। अब शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 6.65 की जगह 6.85 रुपए प्रति यूनिट की दर से चुकाने होंगे। ओवर ऑल 6.34 फीसदी की वृद्धि की गई है। नियामक आयोग ने नई बिजली दर में किसी भी कटेगरी में फिक्सड चार्ज में कोई वृद्धि नहीं की है। सिंचाई कटेगरी में भी किसी तरह की वृद्धि नहीं की गई है। कॉमर्शियल ग्रामीण में 10 पैसा, कॉमर्शियल शहरी में 5 पैसा, इंडस्ट्रीयल एलटी में 5 पैसा,इंडस्ट्रीयल एचटी में 5 पैसा, रेलवे में 20 पैसा, एमइएस में 20 पैसा और अन्य डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी में प्रति यूनिट 20 पैसा की वृद्धि की गई है।

कटेगरी	वर्तमान दर	नयी दर
घरेलू ग्रामीण	6.30 रु.	6.70 रु.
घरेलू शहरी	6.65 रु.	6.85 रु.
घरेलू एचटी	6.25 रु.	6.40 रु.
कॉमर्शियल ग्रामीण	6.10 रु.	6.20 रु.
कॉमर्शियल शहरी	6.65 रु.	6.70 रु.
सिंचाई निजी व सरकारी	5.30 रु.	5.30 रु.
इंडस्ट्रीयल एलटी	6.05 रु.	6.10 रु.
इंडस्ट्रीयल एचटी	5.85 रु.	5.90 रु.
स्ट्रीट लाइट	7.00 रु.	7.00 रु.
रेलवे	5.60 रु.	5.80 रु.
एमइएस	5.60 रु.	5.80 रु.
डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी	5.60 रु.	5.80 रु.

कैटेगरी वर्तमान	फिक्स्ड चार्ज	नया फिक्स्ड चार्ज
घरेलू ग्रामीण	75 रु.	75 रु.
घरेलू शहरी	100 रु.	100 रु.
घरेलू एचटी	150 रु.	150 रु.
कॉमर्शियल ग्रामीण	120 रु.	120 रु.
कॉमर्शियल शहरी	200 रु.	200 रु.
सिंचाई निजी व सरकारी	50 रु.	50 रु.
इंडस्ट्रीयल एलटी	150 रु.	150 रु.
इंडस्ट्रीयल एचटी	400 रु.	400 रु.
स्ट्रीट लाइट	250 रु.	250 रु.
रेलवे	400 रु.	400 रु.
एमइएस	400 रु.	400 रु.
डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी	400 रु.	400 रु.

किस कटेगरी में कितनी वृद्धि

कटेगरी	कितने की वृद्धि
घरेलू ग्रामीण	40 पैसा
घरेलू शहरी	20 पैसा
घरेलू एचटी	15 पैसा
कॉमर्शियल ग्रामीण	10 पैसा
कॉमर्शियल शहरी	5 पैसा
सिंचाई निजी व सरकारी	00
इंडस्ट्रीयल एलटी	5 पैसा
इंडस्ट्रीयल एचटी	5 पैसा
स्ट्रीट लाइट	00
रेलवे	20 पैसा
एमइएस	20 पैसा
डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी	20 पैसा

14 दिन बाद सीएम हेमंत लौटे रांची

मुख्य संवाददाता

रांची, 30 अप्रैल : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 17 दिन बाद अपने स्पेन और स्वीडन यात्रा के बाद बुधवार को राजधानी रांची लौट आए हैं. रांची पहुंचने पर उन्होंने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना की जितनी निंदा की जाए कम है, मगर कहीं ना कहीं देश में जो सूचना तंत्र है उसका घोर अभाव दिखा। उम्मीद कर रहे हैं कि आगे ऐसी घटना नहीं हो। मालूम हो कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 15 दिनों तक स्पेन एवं स्वीडन यात्रा पर थे। जहां पर उन्होंने झारखंड में निवेश करने के लिए प्रवासी भारतीय समेत अन्य विदेशी कंपनी को लुभाया। कई तरह के मीटिंग की, वहां के अफसरों एवं संस्थाओं के साथ बैठक की. मालूम हो कि 19 से 29 अप्रैल तक विदेश दौरे पर रहे। सीएम के साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के अलावा नौ अन्य शीर्ष अधिकारियों की भी टीम है. उनमें मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उद्योग सचिव अरवा राजकमल और अन्य अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री स्पेन और स्वीडन में कई औद्योगिक ईकाइयों का दौरा किया. वोल्वो के प्लांट का निरीक्षण करने के अलावा कंपनी को झारखंड में यूनिट लगाने का ऑफर दिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री व उनकी टीम ने कई औद्योगिक समूहों, वहां की सरकार के प्रतिनिधियों व अन्य संगठनों के साथ बैठक की। पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया।

जनगणना में जातिगत गणना भी होगी शामिल, केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी

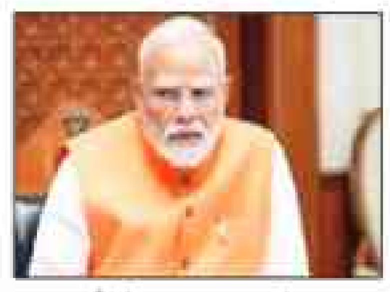

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.) : केन्द्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का अहम फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजनीतिक विषयों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज इसे मंजूरी प्रदान की। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय सामाजिक संतुलन, पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए लिया है। हमारा मानना है कि इस कदम से समाज आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होगा। वैष्णव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल जातिगत जनगणना को राजनीतिक लाभ के लिए मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 246 की केन्द्रीय सूची की क्रम संख्या 69 के तहत जनगणना केंद्र का विषय है। फिर भी कई राज्यों ने जातिगत गणना कराई है। इनमें से कुछ ने पारदर्शिता बरती जबकि अन्य ने इसे राजनीति का माध्यम बना दिया, जिससे समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई। मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक सभी जनगणनाओं में जातिगत आंकड़े शामिल नहीं किए गए। कांग्रेस सरकारों ने बार-बार इसका विरोध किया, 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने लोकसभा में आश्वासन के बावजूद इसे एक सर्वे के रूप में सीमित रखा।

संक्षिप्त समाचार

सीपीआई ने बिजली दर वृद्धि का किया विरोध

रांची, 30 अप्रैलः सीपीआई के अजय सिंह ने कहा है कि बिजली के खुदरा टैरिफ में बढ़ोतरी की सीपीआई पुरजोर विरोध करती है. कमर्शियल टैरिफ से ज्यादा घरेलू टैरिफ महंगा है,जो न्यायोचित नहीं है,जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले न कि व्यापारियों को. इसलिए घरेलू इस्तेमाल की टैरिफ को कम करे झारखंड सरकार.

रिम्स के नव-प्रोन्नत चिकित्सकों ने निदेशक से की शिष्टाचार मुलाकात

रांची, 30 अप्रैलः रिम्स के नव-प्रोन्नत चिकित्सकों ने आज संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राज कुमार, डीन प्रो. डॉ शशि बाला सिंह और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ हिरेंद्र बिरुआ से शिष्टाचार मुलाकात की. इस अवसर पर चिकित्सकों ने संस्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए निदेशक मंडल को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया. उन्होंने रिम्स को चिकित्सा के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई. निदेशक ने सभी नव-प्रोन्नत चिकित्सकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी डॉक्टर अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे.

जातिगत जनगणना का फैसला राहुल गांधी व कांग्रेस की जीतः बंधु

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी और कांग्रेस की महत्वपूर्ण जीत है, जो हमेशा जनता के हित में मुद्दों के साथ चलती है. तिर्की ने कहा कि कांग्रेस का संघर्ष आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाने के लिए जारी रहेगा और सफलता भी मिलेगी.

सरकार डीजीपी को रिटायर कराने पर असहमत

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः राज्य सरकार ने डीजीपी को रिटायर कराने के निर्देश पर असहमति जताने का मन बना चुकी है. राज्य सरकार केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी. इसकी तैयारी की जा रही है. केंद्र को भेजे जाने वाले जवाब में राज्य सरकार द्वारा डीजीपी की नियुक्ति के लिए बनाये गये नियम को सही करार दिया जायेगा. सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार ने डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति प्रकरण में केंद्र द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के मुद्दे पर कानूनी राय लेने के बाद अपना जवाब भेजने की तैयारी की है. पत्र में केंद्र द्वारा उठाये गये हर बिंदु का जवाब जायेगा. राज्य सरकार का तर्क है कि डीजीपी नियुक्ति के लिए बनाया गया नियम सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के अनुरूप है.

सरकार का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट ने प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सरकार के मामले में डीजीपी की नियुक्ति के लिए पैनल बना कर यूपीएससी से अनुमोदित कराने का निर्देश अस्थायी व्यवस्था के तहत दिया है. राज्य सरकार ने पुलिस एक्ट में निहित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए डीजीपी की नियुक्ति नियमावली बनायी है. सरकार द्वारा बनाया गया नियम सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुकूल है. सरकार यह मानती है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में डीजीपी का कार्यकाल दो साल का निर्धारित है. इसलिए इससे पहले राज्य के डीजीपी को पद से हटाना सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का उल्लंघन होगा. सरकार की तरफ से यह भी तर्क है कि डीजीपी की नियुक्ति के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में भी एक मामला विचाराधीन है. न्यायालय द्वारा अभी यह फैसला किया जाना बाकी है कि अनुराग गुप्ता की नियुक्ति नियमानुसार है या नहीं. इसलिए इस मुद्दे पर न्यायालय के फैसले के पहले भी पद से हटाना सही नहीं है.

कोई आदेश जारी नहीं

डीजीपी अनुराग गुप्ता के मुद्दे पर लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी अनिश्चितता की स्थिति बनी रही. राज्य सरकार ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को पद से हटाने का कोई आदेश जारी नहीं किया ना ही उन्होंने पद त्याग किया. ब्यूरोक्रेसी में अलग-अलग तरह की चर्चा है. कुछ यह मान रहे हैं कि अनुराग गुप्ता केंद्र सरकार के निर्देश के विपरीत डीजीपी के पद पर बने हुए हैं. उन्हें डीजीपी के पद से हटाने के लिए सरकार की ओर से आदेश जारी करने की बाध्यता है या नहीं. इस मुद्दे पर भी अधिकारियों की अलग अलग राय है. कुछ अधिकारियों का मानना है कि केंद्र सरकार ने अनुराग गुप्ता को रिटायर कराने के आदेश दिया है. किसी अधिकारी के रिटायरमेंट के समय सरकार के स्तर से कोई आदेश नहीं निकला जाता है.रिटायरमेंट की तिथि पर संबंधित अधिकारी द्वारा अपना पद त्याग कर दिया जाता है. दूसरी तरफ कुछ अधिकारियों का यह मानना है कि सरकार ने अनुराग गुप्ता को दो साल के लिए डीजीपी के पद पर नियुक्त किया है. इसलिए केंद्र सरकार के निर्देश के आलोक में अनुराग गुप्ता को रिटायर कराने के लिए उन्हें डीजीपी के पद से हटाने का आदेश जारी करना जरूरी है.

सीएम के विदेश दौरे पर भाजपा और कांग्रेस आमने -सामने

विदेश यात्रा का श्वेत पत्र जारी करें मुख्यमंत्रीः प्रतुल शाहदेव

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि मुख्यमंत्री को अपनी हालिया स्वीडन और स्पेन यात्रा का श्वेत पत्र शीघ्र जारी करना चाहिए. इस श्वेत पत्र में यात्रा पर हुए संपूर्ण खर्च का विवरण और निवेश संबंधी हुए समझौतों की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए. केवल निवेश की संभावनाओं या मौखिक आश्वासनों की चर्चा करना पर्याप्त नहीं है.

प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री की इस यात्रा कोव्यक्तिगत पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत सफल, लेकिन निवेश के दृष्टिकोण से पूर्णतः असफल बताया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यूरोप के दो सबसे खूबसूरत देशों स्वीडन और स्पेन का भ्रमण कर लौट आए हैं, जहां वे विभिन्न दर्शनीय स्थलों पर अपने कैमरे से तस्वीरें लेते दिखाई दिए. उन्होंने आरोप लगाया कि इस 11 सदस्यीय सरकारी दल की यात्रा पर लगभग 4.30 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई, जिसे एक निजी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किया गया. जबकि रांची के प्रतिष्ठित टूर ऑपरेटरों के अनुसार, प्रति व्यक्ति इस यात्रा की लागत 2.75 लाख के आसपास आती है.

उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री के साथ अधिकारियों की पूरी टीम मौजूद थी, तब एक बाहरी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को नियुक्त करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि इस कंपनी को कुल कितनी राशि का भुगतान किया गया.

प्रतुल शाहदेव ने यह भी कहा कि इस यात्रा में करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन झारखंड में निवेश को लेकर अब तक कोई ठोस, लिखित समझौता सामने नहीं आया है.

आदिवासी नेतृत्व की उड़ान से घबरा गयी है भाजपाः आलोक

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की स्वीडन और स्पेन यात्रा को लेकर भाजपा द्वारा की गयी आलोचना को आदिवासी विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया है. उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री विदेशी दौरों में अरबों रुपये खर्च करते हैं, तो उसे ‘डिप्लोमेसी’ कहा जाता है, लेकिन जब एक आदिवासी मुख्यमंत्री वैश्विक मंच पर राज्य के लिए संभावनाएं तलाशता है, तो उसे ‘फिजूलखर्ची’ बताना दोहरी मानसिकता का परिचायक है. दुबे ने कहा कि भाजपा को यह पच नहीं रहा कि झारखंड की कमान अब एक दूरदर्शी आदिवासी नेतृत्व के हाथों में है. उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा सरकारें वर्षों तक राज्य के युवाओं को प्लेट धोने के लिए और श्रमिक के रूप में अन्य राज्यों में भेजती रही हैं. आज जब मुख्यमंत्री निवेश, तकनीक और स्टार्टअप के लिए विश्व स्तर पर झारखंड की पहचान बना रहे हैं, तो भाजपा को मिर्ची लग रही है.

भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव द्वारा दौरे पर 50 लाख रुपये प्रति व्यक्ति खर्च होने का दावा झूठा और बेबुनियाद है. दुबे ने पूछा कि क्या भाजपा के पास इस आंकड़े का कोई आधिकारिक दस्तावेज है या यह केवल झूठ को बार-बार दोहराने की रणनीति है? फुटबॉल क्लब, जर्सी और वोल्वो इंजन जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा झारखंड के युवाओं के भविष्य से ध्यान भटकाना चाहती है. लेकिन सच यह है कि झारखंड अब झुकेगा नहीं, चमकेगा और भाजपा की ओछी बयानबाजी इसे रोक नहीं सकती.

खबरकोना

राज्य आयोग ने सर्वे रिपोर्ट के अध्ययन के लिए योग्य एजेंसी की तलाश शुरू की

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड के पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग ने एक बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य के सभी नगर निकायों में डोर टू डोर सर्वे के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों और रिपोर्ट का अध्ययन कराने का फैसला किया है। इसके लिए आयोग योग्य एजेंसी की तलाश कर रहा है। आयोग के सदस्य सचिव केके सिंह के मुताबिक, सर्वे रिपोर्ट का उद्देश्य राज्य के पिछड़े वर्गों की स्थिति का विस्तृत अध्ययन करना है। इस अध्ययन के आधार पर आयोग समग्र रिपोर्ट तैयार करेगा, जो हिन्दी भाषा में होगी। रिपोर्ट तैयार करने की समय सीमा 45 दिन होगी। आयोग ने इस कार्य के लिए योग्य एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आइआइएम रांची, एक्सआइएसएस रांची, एक्सएलआरआई रांची, संत जेवियर कॉलेज रांची और झारखंड में स्थित अन्य यूनिवर्सिटीज, शोध संस्थान एवं सरकारी संस्थाएं इस कार्य के लिए आवेदन कर सकती हैं।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 14 मई है। इच्छुक एजेंसियां आयोग की वेबसाइट (लिंक उपलब्ध नहीं है) से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। आयोग के धुर्वा, रांची स्थित कार्यालय से भी इसके लिए मदद ली जा सकती है।

सीसीएल मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन

रांची, 30 अप्रैलः रांची स्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय में विद्युत सुरक्षा, शटडाउन प्रक्रिया एवं लोटो के कार्यान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सीसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्रशेखर तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में खनन क्षेत्रों में विद्युत सुरक्षा, संरचित शटडाउन प्रक्रियाएं एवं लोटो प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर खान सुरक्षा महानिदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों के. एम. रेड्डी, निदेशक (विद्युत), एम. के. जेना, उप निदेशक (विद्युत), तथा अरविंद कुमार, उप निदेशक (विद्युत)–की उपस्थिति रही। उन्होंने तकनीकी सत्रों में भाग लेकर प्रतिभागियों के साथ व्यावहारिक अनुभव साझा किए और विद्युत सुरक्षा उपायों, एनजीआर की भूमिका, फायर फाइटिंग प्रणाली और लोटो के कुशल क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। इस कार्यशाला में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से आए कोलियरी अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) तथा इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑफिसर्स सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विनोद कुमार, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव), आर. के. सिंह, महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिक), तथा आंतरिक सुरक्षा संगठन के अधिकारी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल से कई शिष्टमंडलों ने की मुलाकात

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को झारखंड राज्य ग्राम प्रधान संघ के शिष्टमंडल सहित अन्य लोगों ने राज भवन में भेंट की। साथ ही राज्य में पेशा एक्ट लागू कर ग्राम सभा, ग्राम प्रधानों को सशक्त करने के सम्बन्ध में ज्ञापन समर्पित किया। ज्ञापन के माध्यम से ग्राम प्रधानों को दी जाने वाली सम्मान राशि में वृद्धि कर नियमित रूप से इसे प्रदान करने का आग्रह किया गया।

वहीं राज्यपाल से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की । इस दौरान शिष्टमंडल ने राज्यपाल को विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने कहा कि वे लोग स्वतंत्रता संग्राम के शहीद के परिवार से आते हैं और उनके पूर्वज देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में सन 1857 ई भारतीय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड से मुख्य भूमिका निभाई थी। ये लोग कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। ज्ञापन में स्वतंत्रता सेनानी आयोग का गठन करने, स्वतंत्रता संग्राम के परिवारों को निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने, स्वतंत्रता संग्राम के परिवारों को जीवनयापन के लिए सम्मानजनक पेंशन देने आदि विभिन्न मांगों का उल्लेख किया।

इसी प्रकार राज्यपाल से ग्राम सभा (खुखरा परगणा परंपरागत पाहड़ा), दक्षिणी छोटानागपुर रांची स्थित मांडर का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की। 13 अप्रैल 2025 से झारखण्ड राज्य के भीतर अनुसूचित क्षेत्रों (राज्य) में पांचवीं अनुसूची प्रशासन और नियंत्रण करने के लिए ज्ञापन समर्पित किया। इसके अलावा राज्यपाल से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के ग्रामीण और विकास विभाग के विद्यार्थी अब्दुल जमाल गद्दी ने राज भवन में भेंट की । इस दौरान गद्दी ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में ‘ग्रासरूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम’ आरंभ करने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों की वरीयता सूची हुई जारी

देशप्राण संवाददाता

रांची,30 अप्रैलः कार्मिक विभाग ने वरीय सचिवालय सहायक कोटि (उच्च वर्गीय लिपिक) से सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर प्रोन्नति पाने वाले कर्मियों की अंतिम वरीयता सूची जारी कर दी है। यह प्रोन्नति 1 अक्टूबर 2012 और 27 अगस्त 2015 से भूतलक्षी प्रभाव से लागू होगी।

नियुक्त अधिकारियों की सूची

1. संजय कुमारः प्रशाखा पदाधिकारी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग
2. मनोज कुमार सिंहः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, अभियोजन निदेशालय, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
3. सोमेश्वर सोरेनः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, भवन निर्माण विभाग
4. राजकुमारः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
5. अनिल कुमार दासः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
6. सुग्रीव कुमार सिंहः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग
7. ब्रजेश कुमारः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, मुख्य अभियंता कार्यालय जल संसाधन विभाग
8. राजेश कुमारः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, मुख्य अभियंता कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
9. पप्पु कुमारः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, वित्त विभाग रांची
10. मनोज कुमार सिन्हाः सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, उद्योग निदेशालय रांची

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सम्मानपूर्वक विदाई

रांची, 30 अप्रैलः सीसीएल मुख्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अप्रैल 2025 में सेवानिवृत्त हुए 74 कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई. इनमें मुख्यालय के 7 कर्मचारी भी शामिल थे. समारोह में निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के परिवारजन उपस्थित थे. इस अवसर पर एक वीडियो फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल, योगदान और अनुभवों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया. उपस्थित सभी लोगों ने सीसीएल के साथ बिताए अपने सफर को साझा किया और कंपनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की. निदेशक (कार्मिक) मिश्र ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी हमेशा सीसीएल परिवार का अभिन्न हिस्सा रहेंगे. उनके अनुभव और योगदान से कंपनी को निरंतर प्रगति मिली है. मुख्य सतर्कता अधिकारी कुमार ने भी सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.

आतंकवाद के खिलाफ पैदल मार्च

रांची, 30 अप्रैलः गाड़ीखाना चौक से अल्बर्ट एक्का चौक तक आतंकवाद के खिलाफ पैदल मार्च शुरू हुआ. यह मार्च रौनक राजपूत के नेतृत्व में निकाला गया. इस दौरान सैकड़ों युवाओं के पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारेंगे जैसे नारों से अल्बर्ट एक्का चौक गूंज उठा. इस प्रदर्शन का उद्देश्य हाल ही में पहलगाम में हुई आतंकी घटना के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना था. इस दौरान रोमित नारायण सिंह ने कहा, यह घटना पाकिस्तान की बौखलाहट और कायरता को दर्शाती है. इस मौके पर बालमुकुंद सहाय, रमेश सिंह, बलराम सिंह, रोहित सिंह राणा, धर्मवीर सिंह, सचिन साहू, रूपक मिश्रा, राहुल गुप्ता, आयुष सिंह और रोहित राज पांडे मौजूद थे.

कार्यालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, सिमडेगा।

(धारा 106, सहपठित नियम 85, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अन्तर्गत संचालित जिला बाल संरक्षण कार्यालय, पता सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सिमडेगा।

Email/dcpusimdega@gmail.com

पत्रांक–DCPU/SDG/ ________/________/दिनांक________

आवश्यक सूचना

बाल कल्याण समिति सिमडेगा के पत्रांक 260/CWC/SDG/25-26 दिनांक 26/04/2025 द्वारा बालिका [illegible], पिता–अज्ञात, माता–अज्ञात, उम्र 16 वर्ष (लगभग) के बारे में जानकारी दी गई। इस बालिका को दिनांक–01.12.2024 को कोलेबिरा थाना के एस0 आई0 के द्वारा बाल कल्याण समिति, सिमडेगा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसका मामला संख्या–331/2024 दर्ज है। बाल कल्याण समिति, सिमडेगा के आदेशानुसार बालिका वर्तमान में सहयोग विलेज बालिका गृह सामटोली, सिमडेगा में रह रही है। बालिका के माता–पिता या सगे संबंधियों की जानकारी हेतु अखबार में प्रकाशित किया जा रहा है।

वजन–42 कि0 ग्रा0, लिंग– महिला, ऊँचाई 148 से0 मी0, रंग– सांवली, शारीरिक संरचना–दुबली, लम्बी, आँख का रंग–काला, बाल का रंग–काला, भाषा–हो, मुण्डा की मिश्रित भाषा (टूटी फूटी हिन्दी समझती है।) कपड़ा– हरा कुर्ती, [illegible]–लेगिंस, लाल–दुपट्टा, कत्था–स्वेटर, कान में बाली, पैर में हवाई चप्पल।

अगर किसी को इनकी जानकारी हो तो जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी सिमडेगा के सम्पर्क नं0–[illegible], अध्यक्ष/सदस्य बाल कल्याण समिति सिमडेगा के सम्पर्क नं0–[illegible] एवं चाईल्ड हेल्प लाईन सिमडेगा के मोबाईल नं0–[illegible] पर सम्पर्क कर सकते हैं।

चाईल्ड हेल्प लाईन टॉल फ्री नं0–1098

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सिमडेगा।

PR 351424 Simdega(25-26)D

ब्राह्मण सभा ने धूमधाम से मनायी भगवान परशुराम की जयंती

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः मारवाड़ी ब्राह्मण सभा ने बुधवार को भगवान परशुराम की जयंति धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर ब्राह्मण सभा ने सालासर मंदिर में यजमान महेंद्र शर्मा ने आचार्य श्याम सुंदर भारद्वाज के सानिध्य में हवन पूजन कर विधिवत पूजा अर्चना की। इसके बाद 501 निशान ध्वज के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भजन मंडली, अनुपम झांकी, ढोल नगाड़ा, बैंड बाजा संग नगर भ्रमण किया गया। झांकी ब्राह्मण भवन से शुरू होकर कार्ट सराय रोड, ईस्ट मार्केट रोड, मारवाड़ी टोला, गांधी चौक, शहीद चौक होते हुए पुनः ब्राह्मण भवन पहुंची। इसके बाद महाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ।

शोभायात्रा में भाजपा विधायक सीपी सिंह, यदुनाथ पांडेय, राजकुमार केडिया, विनय सरावगी, बसंत मित्तल, मनोज बजाज, मुनचुन राय, रमेश सिंह, संजीव विजयवर्गीय, भैरव सिंह, ललित ओझा, प्रमोद सारस्वत, सहित अन्य शामिल हुए। शोभायात्रा में श्रद्धालुओंने सांकेतिक रूप से बांह में काला रिबन बांधकर पहलगाम में हिंदुओं की नृशंस हत्या का विरोध जताया। इस दौरान विभिन्न चौक चौराहों पर स्वागत शिविर लगाया गया था। इसमें अग्रवाल सभा, मारवाड़ी सहायक समिति, विप्र फाउंडेशन, श्याम मंडल, श्री जिनमाता प्रचार समिति, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, रांची श्री जिनमाता प्रचार समिति, गौ सेवा समिति सहित अन्य संगठनों श्रद्धालुओं का स्वागत किया। शोभायात्रा के स्वागत में भगवान परशुराम की आरती, सम्मान, पुष्पवृष्टि और पेय पदार्थ बांटा गया। संस्था के अध्यक्ष अशोक पुरोहित एवं मंत्री कृष्ण लाल शर्मा ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि सन 1950 में स्थापित हीरक जयंती वर्ष पर परशुराम जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में आहुत प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया।

इसमें अप्रैल माह में आयोजित संपूर्ण ब्रह्म समाज के पांच वर्ष से लेकर 18 वर्ष के बच्चों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और सामूहिक प्रसाद बांटा गया।

कार्यक्रम के संचालन में संयोजक धर्मचंद शर्मा, कमल शर्मा, सहसंयोजक ममता शर्मा, सुनील शर्मा, राहुल शर्मा, मनोष शर्मा, आकाश शर्मा, पिंकी शर्मा का सक्रिय योगदान रहा। वहीं मौके पर अशोक पुरोहित, किशनलाल शर्मा, गुलाब शर्मा, महेंद्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, अमित सारस्वत, श्याम सुंदर गोयला, कृष्ण शर्मा, दिनेश शर्मा, दीपक शर्मा, नथमल शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

OFFICE OF EXECUTIVE OFFICER
NAGAR PARISHAD RAMGARH

Request for Proposal/E-Procurement Notice

RFPNo:NIT/RGH/NP/03/2024-25of2024-25 (2nd call)Dated:01.04.2025

Request for Proposal are invited on behalf of Nagar Parishad Ramgarh (RGH) Jharkhand for work on DBOT basis from reputed and eligible companies/firm/Consortium/Joint Ventures having sound Technical and Financial capability for the following works

No	Description of Package	Estimated Capital Cost (Rs. In Lac)	Earnest Money (Rs. In Lac)	Tender free (Rs)	Completion Period
1.	Construction of sewage Treatment Plant (STP) 250 KLD at Chhatarmandu Talab in ward No 28	130.00	2% of Tender Value to be paid online INR 260,000/-	INR- 10,000/- to be paid online	120Days
2	Date/ Time of Publication of Tender on Website	02.05.2025 from 02.05.2025 10:00 am to 16.05.2025 02:00 Pm			
3	Last date for receiving queries	10.05.2025 02:00 Pm			
4	Pre bid meeting	08.05.2025 2:00 Pm			
5	Last Date/Time for Receipt of Bid Online	16.05.2025 2:00 Pm			
6	Opening of technical bid	17.05.2025 2:00 Pm			
7	Official Inviting Tender	Executive Officer Nagar Parishad Ramgarh			
8	Mobile Number	9962405690/8130016531			
9	E-mail	nagarparishadramgarh@gmail.com			

Note:- 1. Only e-tenders are acceptable. Further details can be seen on websitehttp://jharkhand tenders.gov.in
2. Contractor Should be registered in appropriate class as per NIT
3. Estimated Cost/Quantity May vary

Executive Officer
Nagar Parishad Ramgarh

PR.NO.351469 District(25-26):D

देशप्राण स्वतंत्र हिन्दी दैनिक
4, तारा टावर, रेडियम रोड, कचहरी चौक, रांची-834001, फोन : 0651-2361181/82
contact@deshpran.in | www.deshpran.com | www.deshpran.in
Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran
@deshpran | @deshpran | Desh Pran

सुनी-सुनाई नहीं केवल प्रामाणिक खबर

मौसम

	अधिकतम	न्यूनतम
तापमान	33.5°	19.6°
	प्रातः	सायं
आर्द्रता	66%	44%

चार मई तक बादल और बारिश की संभावना

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड के विभिन्न जिलों में चार मई तक बादल और बारिश होने की सम्भावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग ने दो मई तक गर्जन, वज्रपात और 40-50 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि राजधानी रांची सहित आसपास के इलाकों में मंगलवार से मौसम साफ है। लोगों को दिन में तेज धूप और रात में ठंड का एहसास हो रहा है। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने मई के दूसरे हफ्ते में पूरे झारखंड में प्रचंड गर्मी पड़ने की आशंका जतायी है। वहीं बुधवार को भी रांची में मौसम साफ रहा। इससे दिन में कड़ी धूप रही।

रक्तदान शिविर चार को, स्वास्थ्य मंत्री होंगे शामिल

रांची, 30 अप्रैलः वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड ट्रस्ट की ओर से चार मई को हेहल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 100 यूनिट रक्त जमा करना और जीवन बचाने के कार्य में योगदान देना है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी होंगे। यह जानकारी ट्रस्ट की ओर से बुधवार को दी गई है।

निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची, 30 अप्रैलः रांची नगर निगम ने डेली मार्केट एरिया में देर शाम अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. इस दौरान सड़क किनारे लगे करीब 10 वाहनों को जब्त किया गया. अभियान के दौरान वहां अफरा तफरी मच गई. निगम के इंफोर्समेंट ऑफिसर शिव कुमार ने सड़क पर लगे ठेले खोमचे को दोबारा नहीं लगाने की चेतावनी दी.

जातीय जनगणना विपक्ष की नैतिक जीतः झामुमो

जातीय गणना के बाद ही हो परिसीमन, नयी आरक्षण नीति बनेः सुप्रियो

मुख्य संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः झामुमो ने केंद्र सरकार के द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ-साथ जातीय जनगणना कराए जाने के निर्णय का स्वागत किया है. पार्टी के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह पूरे देश के विपक्ष की नैतिक जीत है. क्योंकि हमलोग लगातार दस वर्षों से इसकी मांग कर रहे थे, मगर देश में सत्तासीन भाजपा इसका लगातार विरोध करता रहा. मगर अब जनदबाव के आगे सरकार को झुकना पड़ा और यह निर्णय लेना पड़ा.

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही साथ केंद्र सरकार को झारखंड के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण, सरना धर्म कोड और झारखंड के स्थानीय नियोजन नीति पर फैसला करना चाहिए. उन्होंने कहा कि इस देश में कई ऐसे राज्य हैं जहां पर करोड़ों की संख्या में आदि और आदिम जनजातियों के लोग निवास करते हैं. इसलिए अगर इसे आप नहीं लेते हैं तो वह जातीय जनगणना आधा-अधूरा प्रयास होगा. आप हिंदु में भी देखेंगे तो कई जातियां हैं. इस्लाम के अंदर भी कई जातियां हैं. सिख धर्म में कई सेक्टर हैं. ऐसे ही सरना धर्म कोड को लागू हो. पहले जनगणना हो जाए तब ही परिसीमन हो. क्योंकि 2029 में महिला आरक्षण भी लागू होना है. यह निर्णय भी केंद्र सरकार का है. जातीय जनगणना के आधार पर ही अब आपको आरक्षण देना होगा. क्योंकि इसके बाद आरक्षण की सीमा को बांध नहीं सकते हैं. झारखंड सरकार नया जातीय आरक्षण का प्रस्ताव भेज चुकी है. सुप्रियो ने कहा कि जब-जब देश की जनता मुखर होकर सामने आयी है तब-तब केंद्र सरकार को पीछे हटना पड़ा. चाहे वह तीन किसान कानून ही क्यों न हो. अगर यह काम दस साल पहले हो जाता तो अच्छा होता।

जेपीएम का बीजेपी में विलय मामले में मरांडी बने प्रतिवादी

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः भारतीय जनता पार्टी में झारखंड विकास मोर्चा के विलय को स्वीकृति देने के भारतीय निर्वाचन आयोग के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई. हाईकोर्ट ने बाबूलाल मरांडी को प्रतिवादी बनाने का आग्रह स्वीकार कर उन्हें प्रतिवादी बनाया है. अब अदालत इस मामले में गर्मी छुट्टियों के बाद सुनवाई करेगा. दरअसल वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा (खरंट) के तीन प्रत्याशियों बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की को जीत हुई थी. चुनाव में जीत के बाद जेवीएम सुप्रीमो बाबूलाल मरांडी ने पार्टी का विलय बीजेपी में कर लिया था.

बाबूलाल मरांडी के इस फैसले का विरोध करते हुए दो विधायक प्रदीप यादव और बंधु तिर्की कांग्रेस में शामिल हो गए, बीजेपी में जेवीएम के विलय को भारत निर्वाचन आयोग ने सही माना. आयोग के इस फैसले को प्रदीप यादव ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी. उसी याचिका पर हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है.

खबर कोना

राज्यपाल से मिला एफजेसीसीआई शिष्टमंडल, सौंपा ज्ञापन

रांची, 30 अप्रैलः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के शिष्टमंडल ने राजभवन में मुलाकात की। शिष्टमंडल ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध बताया। शिष्टमंडल ने कहा कि यह कायराना हमला न केवल कश्मीर में शांति और पर्यटन को बाधित करने का कुत्सित प्रयास है, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों की आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में ऐतिहासिक रूप से वृद्धि हुई थी। इस हमले से कश्मीर के पर्यटन विकास के साथ-साथ इस सेक्टर से जुड़े लोगों की आजीविका भी प्रभावित हुई है। शिष्टमंडल ने इस सुनियोजित आतंकी घटना में शामिल दोषियों एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की बात कही। शिष्टमंडल ने राज्य की गिरती विधि-व्यवस्था की ओर भी राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया।

आजसू ने नाइजर में फंसे पांच मजदूरों की रिहाई की मांग की

रांची, 30 अप्रैलः नाइजर में आतंकवादियों के शिकार झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर क्षेत्र के पांच मजदूरों की रिहाई को लेकर आजसू पार्टी ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। आजसू पार्टी के नेता संजय मेहता ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और नाइजर में भारत के राजदूत सीताराम मीना को पत्र लिखकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। यह घटना 25 अप्रैल को नाइजर की राजधानी नियामे से लगभग 115 किलोमीटर दूर तिल्लाबेरी में घटी। यहां आतंकवादियों ने एक पावर ट्रांसमिशन साइट पर हमला किया। इस हमले में 12 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई और बगोदर के पांच मजदूरों संजय महतो, चंद्रिका महतो, फलजीत महतो, राजू कुमार और उत्तम महतो का अपहरण कर लिया। ये मजदूर कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) के प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। संजय मेहता ने पत्र में सभी मजदूरों के पासपोर्ट विवरण और संपर्क जानकारी भी मंत्रालय को दी है। साथ ही उनके परिजनों की चिंता और व्यथा को रेखांकित किया है। उन्होंने विदेश मंत्री और भारत के राजदूत से इस गंभीर मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर मजदूरों की सकुशल वतन वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को, तैयारियां जोरों पर

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः झालसा के निर्देश पर वर्ष का दूसरा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को आयोजित होगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए समझौते के पूर्व की बैठक 10 मार्च से शुरू हो चुकी है। इसके मद्देनजर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी न्यायालयों से वादकारियों को नोटिस भेजने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

सभी पीएलवी को प्रचार-प्रसार करने का निर्देश

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के कार्यरत सभी पीएलवी को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। प्राधिकार ने कहा है कि जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के बाद ग्रामीणों और जरूरतमंदों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। ताकी लोग जागरूक हों और राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा उठा सकें। साथ ही अपने वादों का निष्पादन निःशुल्क करा सकें। उल्लेखनीय है कि 10 मई को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद और वैवाहिक से संबंधित मामलों का निष्पादन मध्यस्थों और अधिवक्ताओं के माध्यम से किया जायेगा

आंगनबाडी केंद्रों को घटिया मोबाइल देने की होगी जांच

देशप्राण संवाददाता

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड समाज कल्याण कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय की शिकायत पर आंगनबाड़ी केंद्रों को घटिया मोबाइल देने के मामले की जांच होगी। इस संबंध में कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव राजेश प्रजापति ने बुधवार को आश्वासन दिया है। इसके अलावा सचिव ने आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषाहार में मिलावट, लगभग 10 माह से मानदेय बंद होने और केंद्रों के बकाया मकान किराया सहित अन्य समस्याओं का जल्द समाधान करने की बात कही है। संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ और सभी संगठनों से संयुक्त रूप से शक्तिशाली बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार भी वेतन सुविधाओं को बढ़ाने पर विचार कर रही है। अब देश के किसी भी राज्य में आंगनबाड़ी कर्मियों पर शोषण का हंटर नहीं चलने दिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला आंगनबाड़ी केंद्रों के कर्मियों की सभी समस्याओं के समाधान के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी को भी समस्याओं से अवगत करा दिया है।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाला

चार आरोपित अफसरों की अग्रिम जमानत पर 14 को होगी सुनवाई

रांची, 30 अप्रैलः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) नियुक्ति घोटाला मामले में नामजद चार अधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। आरोपितों में पुलिस अधिकारी विकास पांडेय और अरविंद सिंह, तथा प्रशासनिक अधिकारी कुमुद कुमार और संगीता कुमारी शामिल हैं। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई 14 मई को होगी। उल्लेखनीय है कि सीबीआई कोर्ट इस घोटाले से जुड़े कई आरोपितों को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर चुका है। हालांकि कुछ आरोपितों को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है।

हेराल्ड केस के साथ कांग्रेस की बढ़ रही संविधान को लेकर चिंताः बाबूलाल

रांची, 30 अप्रैलः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संविधान बचाने की बात करने आ रहे हैं, तो क्या सबसे पहले आते ही वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हाफिज़ुल हसन के इस्तीफे की मांग करेंगे? क्योंकि ऐसे संविधान विरोधी व्यक्ति के साथ गठबंधन में बने रहना और उसी समय संविधान बचाओ रैली करना तो दोहरा चरित्र की परिभाषा ही है। उन्होंने कहा कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है कि जैसे-जैसे नेशनल हेराल्ड केस की परतें खुलती जा रही हैं, कांग्रेस पार्टी को संविधान को लेकर चिंता भी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत जनता का ध्यान राहुल गांधी और सोनिया गांधी द्वारा किए गए घोटाले से भटकाने के लिए यह सारा आडंबर रचा जा रहा है। वरना जिस पार्टी में खुद के नियम-कायदे केवल एक ही परिवार के सदस्य तय करते हों, वह पार्टी देश के संविधान की कितनी परवाह करेगी, यह जनता भली-भांति जानती है।

अग्रिम और आर्यन बने बिशप हार्टमैन के 10वीं के टॉपर

रांची, 30 अप्रैलः राजधानी के मेहलौंग स्थित बिशप हार्टमैन पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सीआईएससीई के 10वीं बोर्ड और 12वीं की परीक्षा में शत प्रतिशत प्रदर्शन किया है। 10वीं बोर्ड में स्कूल के दो फर्स्ट टॉपर अग्रिम कुमार और आर्यन पंडित हैं। इन्हें संयुक्त रूप से 93 प्रतिशत अंक मिले हैं। वहीं सेकेंड टॉपर के रूप में तन्मय श्रीवास्तव को 92 प्रतिशत अंक मिले हैं, जबकि और थर्ड टॉपर मान्यता मेहता रही। मान्यता को 90 प्रतिशत अंक हासिल हुए हैं। 12वीं की परीक्षा में फर्स्ट टॉपर सीमा कुमारी रही। सीमा को 92 प्रतिशत अंक मिले हैं। वहीं सेकेंड टॉपर पूर्वज कुमार महतो 91.2 प्रतिशत तथा थर्ड टॉपर रही प्रगति जोशी को 84 प्रतिशत अंक मिले हैं। सभी छात्रों को प्रधानाचार्य फादर ओसवल्ड माड़या और उप प्रधानाचार्य फादर ज्योति प्रकाश तिग्गा सहित स्कूल के अन्य शिक्षिक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वितरण निगम ने मांगा था 11,444.90 करोड़, आयोग ने 8,980.52 करोड़ रुपए की दी मंजूरी

मुख्य संवाददाता

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने वित्तीय 2023-24 के लिए 10,847.70 करोड़ के राजस्व की मांग की थी, जिसके बाद आयोग ने विवेकपूर्ण जाँच के बाद वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 7,854.64 करोड़ रुपए की मंजूरी दी । वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 10,405.84 करोड़ रू. और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 11,444.90 करोड़ रूपए की मांग की गयी थी लेकिन आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 7,981.30 करोड़ रूपए और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8,980.52 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

लाइन लॉस लाना होगा 13 फीसदी

आयोग ने वित्तीय वर्ष 2023-24, वित्तीय वर्ष 2024-25 और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वितरण निगम द्वारा 31.26%, 19% और 19% के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2023-24, वित्तीय वर्ष 2024-25 और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 13% की डिस्ट्रीब्यूशन लॉस की मंजूरी दी है।

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने नियामक आयोग को 40.02% टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव दिया था। आयोग ने विवेकपूर्ण जाँच के बाद 6.34% टैरिफ वृद्धि की मंजूरी दी है। आयोग द्वारा कृषि उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ में कोई भी बढ़ोतरी नहीं की गई है।

आयोग ने इन बिंदुओं पर दी स्वीकृति

- वितरण निगम ने पब्लिक इलेक्ट्रिकल व्हेकिल चार्जिंग स्टेशन के सोलर ऑवर (सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक) के लिए 8.53 रुपए प्रति यूनिट और नॉन सोलर ऑवर के लिए 12.79 रुपए प्रति यूनिट का प्रस्ताव दिया था। आयोग ने विवेकपूर्ण जाँच के बाद सोलर ऑवर (सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक) के लिए 7.31 रुपए प्रति यूनिट और नॉन सोलर ऑवर के लिए के लिए, 8.77 रुपए प्रति यूनिट की मंजूरी दिया है।
- वितरण निगम ने ग्रीन एनर्जी टैरिफ के लिए 8.375 रुपए प्रति यूनिट का प्रस्ताव दिया था । आयोग ने विवेकपूर्ण जाँच के बाद ग्रीन एनर्जी टैरिफ एप्रुव्ड टैरिफ प्लस 0.60 रुपए प्रति यूनिट की मंजूरी दी है।
- यदि उपभोक्ता 5 दिनों के भीतर बिल का भुगतान करता है तो उसे कुल बिल के भुगतान पर 2 फीसदी रिबेट फप्रदान की जाएगी।
- लोड फैक्टर में छूट उन सभी उपभोक्ताओं को दी जाएगी, जिनका लोड फैक्टर 65% से अधिक है, अधिकतम सीमा 15% को छूट दी जाएगी ।
- रूफटॉप सोलर को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए, आयोग ने रूफटॉप सोलर पीवी प्रोजेक्ट के लिए ग्रोस मीटरिंग के लिए 4.16 रुपए किलोवाट प्रति घंटा और नेट मीटरिंग के लिए रू 3.80 रुपए किलोवाट प्रति घंटा के दर की मंजूरी दी है।
- किसी भी प्रकार के उपभोक्ता के लिए मीटर रेंट की अनुमति नहीं है ।
- फिक्सड चार्ज घंटों की संख्या से जुड़ी हुई है। एचटी उपभोक्ता को 23 घंटा एलटी को 21 घंटा बिजली देने के बाद ही फिक्सड चार्ज की वसूली होगी।
- आयोग ने वितरण निगम को निर्देश दिया है कि वह अपनी बिलिंग सॉफ्टवेयर में उपयुक्त परिवर्तन/संशोधन करे ताकि उपभोक्ताओं को बिजली न मिलने की अवधि के लिए फिक्सड की राशि का स्वतः समायोजन किया जा सके ।
- प्रीपेड स्मार्टमीटरिंग पर स्वीच करने पर संबंधित उपभोक्ता के एनर्जी चार्ज पर 3% की छूट लागू होगी जो लगभग 20 पैसा प्रति यूनिट होगा और प्रीपेड मीटर के इंस्टॉलेशन के एक महीने के भीतर पूरी स्क्यूरिटी डिपोजिट वापस कराना होगा या बिल से एडजस्ट होगा ।

संक्षिप्त समाचार

पिपरवार क्षेत्र के ऑफिसर सिविल बने कुंदन कुमार

पिपरवार : सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के नए स्टाफ ऑफिसर सिविल के रूप में कुंदन कुमार ने मंगलवार की देर शाम योगदान दिया। योगदान देने के साथ ही उन्होंने अपना कार्य प्रभार संभाल लिया इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कंपनी के नियमो का पालन करते हुए कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। पिपरवार क्षेत्र में योगदान देने के साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ परिचय मीटिंग किया। इस मीटिंग के दौरान सभी को टीम भावना के साथ काम करने की बात कही। इस अवसर पर आभाष त्रिपाठी सुमंतो कुमार समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

किसान समृद्धि योजना लायेगी किसानों के लिए समृद्धि : प्रमुख

मांडर : मांडर प्रखण्ड में बुधवार को प्रमुख श्री फिलीप सहाय एक्का के द्वारा 23 किसानों के बीच 90 प्रतिशत के अनुदान पर चलन्त सोलर सिंचाई पंप का वितरण किया गया। चलंत सोलर सिंचाई पंप सेट प्रखंड के मांगरा उरांव बाँसजाड़ी, दीपक सिंह कानि जाड़ी, साधनी देवी चिंगरी, दानवा उरांव मुरजुली के अलावे अन्य 19 किसानों को भी दिया गया। मौके पर प्रखंड उप प्रमुख अमानत असारी विधायक प्रतिनिधि बेलास तिर्की, अर्जुन महतो, बीटीएम मांडर गोपाल महतो, के साथ ही सूचीबद्ध कंपनी रॉयल इंस्ट्रूमेंट इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने श्राद्ध कर्म के लिए परिजनों को किया आर्थिक सहयोग

बुढ़मू : ठाकुरगांव निवासी भुनेश्वर कुशवाहा का आकस्मिक निधन पिछले दिनों इलाज के क्रम में हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही बुधवार को समाजसेवी स्वामी देवेंद्र प्रकाश मृतक के घर पहुंचे। मौके पर श्राद्धकर्म के लिए उन्होंने परिजनों को नगद सहयोग किया। उन्होंने मृतक की पत्नी को प्रधानमंत्री आवास योजना व विधवा पेंशन का लाभ जल्द देने को लेकर बीडीओ धीरज कुमार से बात भी किया। साथ ही मृतक के बच्चियों को पढ़ाई में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर उदय कुमार, कमल मोदी, चिंटू शाहदेव, विनोद महतो समेत अन्य मौजूद थे।

अफीम के साथ अड़की पुलिस ने एक युवक को किया गिरफ्तार

अड़की : अड़की थाना क्षेत्र के राजा बाजार के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार युवक को 1.024 किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी युवक रायतोड़ांग गांव के भुसुटोला का रहने वाला है। एसडीपीओ वरूण रजक ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक अफीम लेकर रायतोड़ांग से मारंगबुरू की ओर आ रहा है। इस सूचना के आधार पर तत्काल वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। अभियान के दौरान मारंगबुरू रोड पर एक स्कूटी सवार युवक को रोका गया। उसकी डिक्की में छुपाकर 1.024 किलोग्राम अफीम रखा हुआ था, जिसे पुलिस ने बरामद किया। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया और अफीम तथा उसकी स्कूटी को जब्त कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि अफीम की अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये है। गिरफ्तार युवक के खिलाफ अड़की थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। इस अभियान में एसडीपीओ वरूण रजक, अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, सब इंस्पेक्टर रोशन खाखा और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

परियोजना निदेशक ने कल्याणकारी संस्थानों का किया औचक निरीक्षण

देशप्राण संवाददाता

अड़की, 30 अप्रैल : परियोजना निदेशक, आई०टी०डी०ए०, खूंटी आलोक शिकारी कच्छप द्वारा अड़की प्रखंड अंतर्गत विभिन्न कल्याणकारी संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, हुंठ, अड़की तथा सिटीजन फाउंडेशन ग्रामीण कल्याण अस्पताल, अड़की का स्थल भ्रमण किया। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय की व्यवस्था का जायजा लेते हुए श्री कच्छप ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि सभी छात्रों को निर्धारित मेन्यु के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी शिक्षक समय पर विद्यालय में उपस्थित होकर अध्यापन कार्य करें एवं शिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखें। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सिटीजन फाउंडेशन ग्रामीण कल्याण अस्पताल के संचालक को रोस्टर के अनुसार डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मरीजों को बेहतर इलाज प्रदान करने के निर्देश दिए। अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उन्होंने अस्पताल संचालक को आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार कर प्रस्ताव आई०टी०डी०ए० कार्यालय खूंटी को भेजने का निर्देश दिए।

विधि-विधान के साथ महावीर मंदिर में मूर्तियों की हुई स्थापना

देशप्राण संवाददाता

बुंडू, 30 अप्रैल : बुंडू स्थित ऐतिहासिक श्री श्री महावीर मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के बीच मंदिर में मुख्य देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर मंदिर को पूजा-अर्चना हेतु भक्तों के लिए विधिवत समर्पित किया गया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नगरवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने पहुंचे। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था। आधुनिक विद्युत सज्जा, साउंड सिस्टम, सीसीटीवी कैमरा और अन्य सुविधाओं से मंदिर को सुसज्जित किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को अब पूजा-पाठ एवं धार्मिक आयोजनों में और भी अधिक सुविधा मिलेगी। थाना रोड को भागवत ध्वजों से आच्छादित कर संपूर्ण वातावरण को धार्मिक रंग में रंग दिया गया। सड़क के किनारे भी आकर्षक विद्युत झालरों से सजावट की गई थी, जो पूरे क्षेत्र को एक आस्था के उत्सव में तब्दील कर रहा था। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को पूरी, बुंदिया और सब्जी का भोग प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। भक्तों ने श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में अयोध्या धाम से पधारे पंडित मृत्युंजय महाराज द्वारा श्रीराम कथा और धर्म की महिमा का श्रवण कराते हुए श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान का रसपान कराया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं।

कांटाडीह गांव में शिव मंडा पूजा का हुआ आयोजन

देशप्राण संवाददाता

सिल्ली, 30 अप्रैल : बुधवार के दिन कांटाडीह गांव में शिव मंडा पूजा का भव्य आयोजन किया गया।भक्तों ने भगवान शिव की पूजा की तथा पूजा के दौरान दहकते अंगारों पर नंगे पैर चलकर अपनी भक्ति और आस्था का परिचय दिया। यह पूजा विशेष रूप से आदिवासी समुदायों के लिए महत्वपूर्ण है परंतु इस पूजा में विभिन्न समुदायों के लोगों ने हिस्सा लेकर पूजा को और भी आकर्षक बनाया। पूजा के दरमियान भक्तों ने बताया कि यह पर्व झारखंड की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह पूजा अच्छी वर्षा और भरपूर फसल के लिए देवी देवताओं को प्रसन्न करने के लिए मनाया जाता है।

मंडा पूजा शिव भक्तों की धार्मिक आस्था और भक्ति के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है साथ ही झारखंड के छोटा नागपुर का प्रमुख पर्व भी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेंद्र महतो, अनिल चंद्र महतो, अशोक महतो एवं देवेंद्र महतो समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल में पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

खलारी/डकरा, 30 अप्रैल : उर्सुलाइन कॉन्वेंट स्कूल खलारी में बुधवार को कक्षा सात और आठ के विद्यार्थियों के माता - पिता एवं अभिभावकों के लिए पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा आठ की वर्ग -शिक्षिका अलिका राही ने किया। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ सिस्टर निर्मला सैमुअल , उप-प्राचार्या सिस्टर नेली तथा अभिभावकों द्वारा दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। शिक्षक शशि कुमार ने एनईपी 2020 तथा शिक्षिका सुब्रो कुमारी सिंह ने अकेडमी संबंधी जानकारी दी। इसके बाद शिक्षिका नॉरबर्टा टोप्पो एवं शिक्षक प्रभाकर शर्मा ने अनुशासन तथा विद्यालय के नियमों से सभी का परिचय कराया । वहीं अभिभावकों ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा एवं शंकाओं का समाधान लिया तथा विद्यालय की ओर से दिए गए जवाबों से पूर्णतः संतुष्ट हुए। अभिभावकों ने एकमत होकर विद्यालय द्वारा आयोजित पैरेंट्स टीचर्स मीट की प्रशंसा की तथा कहा कि बच्चों के विकास में हम सभी एक साथ हैं। अंत में प्राचार्य डॉ सिस्टर निर्मला सैमुअल ने अपने संबोधन में सभी का धन्यवाद दिया तथा कहा की आज के समय में बच्चों को समय देना अति आवश्यक है क्योंकि आज के अति आधुनिक परिवेश में बच्चों को भटकते देर नहीं लगती है। अतः हम सभी का कर्तव्य है कि अपने बच्चों के लिए समुचित समय निकालें तथा उनमें नैतिक गुण और अच्छे संस्कार सिखाएं। इस अवसर पर कक्षा सात और आठ के सभी शिक्षक -शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

खबर कोना

आईसीएसई 10वीं बोर्ड में उर्सूलाइन इंग्लिश स्कूल मुरी के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

सिल्ली : आईसीएसई ने 10 वीं बोर्ड के परिणामों की घोषणा की। उर्सूलाइन इंग्लिश स्कूल मुरी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल के टॉपर्स में शौर्या मानसिंका ने 95% अंक प्राप्त किए हैं, जबकि तन्नू गुप्ता ने 93% और स्पर्शिता लाहा ने 92.4% अंक हासिल कर स्कूल में टॉप किया है। शौर्या ने कहा यह मेरी मेहनत और मेरे परिवार तथा शिक्षकों का समर्थन है। तन्नू ने भी अपने माता-पिता और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया जबकि स्पर्शिता ने कहा यह सब मेरे शिक्षकों और दोस्तों की वजह से संभव हुआ साथ ही साथ तथ्य केजरीवाल 92.2%, अंजू कुमारी 89.4%, सूरज कुमार महतो 89%, अमीय महतो 88%, संचिता दत्ता 87.6%, कुमारी स्मिता 85.6%, सना दे ने 85.2% प्रतिशत लाकर स्कूल का नाम रोशन किया स्कूल के सिस्टर प्रिंसिपल मीनाक्षी ओसु ने छात्रों की मेहनत की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उर्सूलाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल के इन प्रतिभाशाली छात्रों को हमारी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

आईसीएसई बोर्ड मे डब्ल्यू जोन मल्टीपरपस बोर्डिंग स्कूल का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा

पिस्का नगड़ी : प्रखंड के डब्ल्यू जोन मल्टिपरपस बोर्डिंग स्कूल का आईसीएसई बोर्ड 2024- 25 के वर्ग 10 का परीक्षा फल शत प्रतिशत रहा। इस वर्ष इस स्कूल से 66 परिक्षार्थी शामिल हुए थे जिसमें सभी सफल हुए। स्कूल के रागिनी उरांव 94 प्रतिशित अंक लाकर स्कूल टापर रही, एंथन कुजूर 91.6 प्रतिशित अंक प्राप्त कर द्वितीय स्कूल टापर तथा खिरोप कुजूर 87.4 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्कूल टापर रहे। अमन एक्का ने 85.4 प्रतिशत, और प्रकाश टुटी 85.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया। स्कूल के प्राचार्य डॉ सुफल एक्का के साथ स्कूल प्रबंधन इस अच्छे परिणाम से संतुष्ट है उन्होंने सफल हुए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

केंद्रीय कार्यालय सह कुड़मि भवन का भूमि पूजन पुरखेंनि कुड़मालि नेगाचारि से हुआ संपन्न

पिपरवार : आदिवासि कुड़मि समाज के केंद्रीय कार्यालय सह कुड़मि भवन का भूमि पूजन पुरखेंनि कुड़मालि नेगाचारि से किया गया। सर्वप्रथम जिला के नेगाचारि विशेषज्ञ की टीम जिसमें कौलेश्वर महतो सुशांत भारती राजकुमार महतो ने भूमि की चौबंदी कर भूमिदाता सेवालाल महतो बसंत महतो संतोष महतो टेकलाल महतो वीरेंद्र महतो आदि भूमि पूजन में बैठकर भूमि पूजा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गरिमामय उपस्थिति केंद्रीय सचिव बैजनाथ महतो, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष निरंजन महतो, प्रदेश अध्यक्ष पन्नालाल राम, प्रदेश कोषाध्यक्ष लाल बहादुर चौधरी, प्रदेश सह सचिव दिवाकर प्रसाद केंद्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष सीनो देवी जिला अध्यक्ष शंकर लाल प्रसाद जिला सचिव भुवनेश्वर महतो बोकारो जिला अध्यक्ष आनंद सागर रामगढ़ नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो हजारीबाग सचिव प्रो महेश महतो जिला अध्यक्ष दुलारी देवी गिरिडिह प्रभारी नीलकंठ महतो कानूनी सलाहकार प्रेम प्रकाश पूर्व सर्किल इंस्पेक्टर गणेश महतो हजारीबाग कार्यकारिणी सदस्य मनसु महतो समाजसेवी अधिवक्ता ओमप्रकाश महतो अधिवक्ता महेश महतो प्रदेश सह सचिव दुलारचंद महतो भूमिदाता बसंत महतो संतोष महतो सेवा लाल महतो वीरेंद्र कुमार महतो टेकलाल महतो सुरेश महतो सुनील महतो सुरेश महतो पोखलाल महतो भीम महतो श्याम सुन्दर महतो भुवनेश्वर महतो सुशांत भारती मनगोविंद महतो कौलेशवर महतो निरंजन महतो राजन सुरेन महतो राजेन्द्र महतो संतोष महतो संतोषी देवी दिगंबर चौधरी सत्यनारायण महतो मुरलीधर कोठारी विशेश्वर मुंडा बुद्धदेव महतो रोहित महतो सरजू महतो धर्मनाथ महतो बिरजू महतो अनुपा देवी रीना देवी रासो देवी आलो देवी हेमंती देवी भागीरथ महतो बैजनाथ महतो सहित सैकड़ो लोगों ने अहम भूमिका निभाई ।

साईं मंदिर की 10वां वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

देशप्राण संवाददाता

बुढ़मू, 30 अप्रैल : ठाकुरगांव बैंक मोड़ स्थित श्री साईं मंदिर की 10वीं वर्षिक उत्सव बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत साईं बाबा की विशेष पूजा अर्चना, रुद्राभिषेक व हवन के साथ की गयी तदोपरांत दोपहर के 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में बतौर अतिथि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व सांसद सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचु, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील सहाय, समाजसेवी सह शिक्षाविद स्वामी देवेन्द्र प्रकाश, मंडा समिति के केंद्रीय अध्यक्ष उदय पासवान, एनएमडीसी के निदेशक अरुण कुमार शुक्ला शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, मांडू विधायक निर्मल महतो, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेखर शुक्ला, कई वरिष्ठ पत्रकार, अंचलाधिकारी सच्चिदानंद कुमार वर्मा, बीडीओ धीरज कुमार, थाना प्रभारी विनीत कुमार, प्रमुख सत्यनारायण मुंडा, उपप्रमुख हरदेव साहू, जीप सदस्य रामजीत गंझू समेत अन्य गण्यमान अतिथि शामिल हुए। वहीं दूसरी और राज्यपाल संतोष गंगवार ने पत्र देकर ट्रस्ट के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। सभी धार्मिक अनुष्ठान बनारस से आये आचार्य पंडित जीवन पांडेय व मुख्य पुजारी अजय मिश्रा के सानिध्य में संपन्न कराया गया। महाआरती के उपरांत महाभण्डारा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों साईं भक्त शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में साईं सेवा ट्रस्ट के सचिव डॉ शिवकुमार तिवारी, मधुकर आनंद, जयंत आशुतोष तिवारी, नील लोहित, माधव जी, लड्डू जी समेत अन्य का योगदान सराहनीय रहा।

परशुराम जयंती पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

सिल्ली : बुधवार के दिन संध्या सात बजे परशुराम जयंती को लेकर मारवाड़ी धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान धर्मशाला में महिलाओं के द्वारा विधि पूर्वक पूजन एवं भजन का भी आयोजन किया गया। मौके पर मारवाड़ी सभा के गोपाल केडिया एवं दुर्गा अग्रवाल के द्वारा ब्राह्मणों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया तथा बताया गया कि भगवान परशुराम के बताए गए पदचिन्हों में चलकर ही कल्याण संभव हो सकता है। इस मौके पर राजेश उपाध्याय, गुड्डू मिश्रा, भारत कुमार ठाकुर, कमलेश दुबे, प्रवीण पांडे, दिनेश बनर्जी समेत दर्जन लोग शामिल हुए।

दयानन्द आर्य विद्या पब्लिक स्कूल मांडर में एक राष्ट्र- एक चुनाव को लेकर सभा का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

मांडर, 30 अप्रैल : दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल मांडर के प्रांगण मेंबुधवार को ₹एक राष्ट्र एक चुनाव₹ के विचार से संबंधित एक सभा का आयोजन किया गया निदेशक डॉ राजेश दत्त सहित अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का आरंभ ज्योति प्रज्वलन की पारंपरिक प्रथा से किया गया। पूर्व विधायिका गंगोत्री कुजूर ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा एक राष्ट्र एक चुनाव से संबंधित अपने विचारों से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीजेपी झारखंड प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती आरती कुजूर , भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नेहा सिंह, भाजपा रांची जिला ग्रामीण महामंत्री शशिकांत सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की जिला की कर्मठ कार्यकर्ता प्रज्ञा भारती, अर्चना दत्ता तथा श्री राम बालक ठाकुर ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा अपने विचारों को सभी के समक्ष प्रस्तुत कर सभी का मार्गदर्शन किया तथा एक राष्ट्र एक चुनाव से होने वाले लाभों से सभी को अवगत कराया। मुख्य वक्ता के रूप में दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉक्टर राजेश दत्त ने इस संबंध में अपना दृष्टिकोण रखते हुए सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन संगीता सिंह एवं रेहाना ने किया। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक गण तथा अन्य अतिथियों ने एक राष्ट्र एक चुनाव के पक्ष में अपनी सहमति दर्ज कराई और श्रीमती प्रज्ञा भारती जी तथा डॉक्टर राजेश दत्त जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

यूकेएस कॉलेज में सात दिवसीय विशेष शिविर का किया उदघाटन

देशप्राण संवाददाता

खलारी/डकरा, 30 अप्रैल : यू.के.एस. कालेज डकरा में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संचालित कार्यक्रम सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय कोलफील्ड्स मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष विनय सिंह मानकी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। बतौर मुख्य अतिथि विनय सिंह मानकी एवं विशिष्ट अतिथि राजद खलारी प्रखंड अध्यक्ष इस्माईल असारी को कॉलेज के प्रो एके मुखर्जी एवं प्रो उमा कुमारी सिंह ने शॉल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने युवा प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के कथन मुझको नहीं तुमको युवा विकास तो राष्ट्रीय विकास पर अपने ओजस्वी भाषण से स्वयंसेवकों में जोश भरने का काम किया। वहीं संजना यादव, मनिषा, उमा कुमारी सिंह, प्रो.मुखर्जी सर, राजद जिला महासचिव सुदेश्वर ठाकुर, विशिष्ट अतिथि इस्माईल अंसारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता डॉ पी.एन.सिंह, संचालन भाष्कर कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम पदाधिकारी गजेंद्र यादव ने किया। 30 अप्रैल से 06 मई तक आयोजित शिविर में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर गोद लिए गांव के लिए रवाना किया। इस कार्यक्रम में एस ठाकुर, के.के.सिंह, सारू उरांव, सुहाना, खुशी, तबस्सुम, सहित काफी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

संक्षिप्त समाचार

तीन सेविकाओं तथा एक सहायिका की सेवानिवृत्त पर विदाई समारोह आयोजित

पाकुड़: घाघरजानी स्थित हिरणपुर प्रखंड सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं की बैठक हुई जिसमें तीन सेविका तथा एक सहायिका का सेवानिवृत्त विदाई प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सीडीपीओ टुडू दीलिप के द्वारा बुके तथा शॉल भेंट कर की गई। सेवानिवृत्त सेविका में सालोमी हेम्ब्रम, पोखरिया, बलमदिना हेम्ब्रम, बड़ा बलरामपुर, सरला मराण्डी, गम्हरिया एवं एक सहायिका कौशल्या देवी, सीतपहाड़ी ने अपने कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए बतायी की 1992 में योगदान के समय 225 रूपए प्रतिमाह मानदेय मिलता था। 1987 से ये कार्य प्रारंभ किए जिसमें 5 वर्ष अवैतनिक कार्य किया। महिला पर्यवेक्षिका टुसु मुनी मुर्मू एवं बबली शर्मा ने बारी-बारी से इनके सेवानिवृत्त पर इनसे जुड़े बातों को सभी के समक्ष रखे।

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से किसान सहित बाइक चालक घायल, किसान रेफर

बरहरवा (साहिबगंज) : बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिराशिन-राधानगर मुख्य पथ पर चार नंबर पुल के समीप बुधवार को तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से पेड़ के नीचे बैठे किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें आनन फानन में स्थानी लोगों के द्वारा गंभीर रूप से घायल किसान एवं चोटील बाईक चालक को निजी क्लीनिक पहुंचाया जहां बाइक चालक शमीम शेख उम्र 25 वर्ष ग्राम नाशि घाट थाना राधा नगर का इलाज किया गया । वहीं किसान लालटू मंडल उम्र 38 वर्ष पिता हरि मंडल ग्राम राधा नगर की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु परिजन पश्चिम बंगाल लेकर चले गए।

बाल विवाह को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पाकुड़ : अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर बाल विवाह के संभावनाओं को देखते हुए एक्सेस टू जस्टिस कार्यक्रम के तहत संस्था जन लोक कल्याण परिषद द्वारा पूरे जिले के विभिन्न मंदिरों, स्कूलों, विवाह स्थलों में एवं गांव में बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के सपनों को सच करने के लिए पहल कर रही है। संस्था जन लोक कल्याण परिषद द्वारा संचालित एक्सेस टू जस्टिस कार्यक्रम के तहत पाकुड़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में बाल विवाह के ऊपर जागरूकता कार्यक्रम मंदिरों पर एवं स्कूलों में बच्चों के साथ किया गया। संस्था जन लोक कल्याण परिषद जिला बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से जिले के विभिन्न स्कूलों तक पहुंचकर बच्चों के बीच बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम तरह-तरह की गतिविधि के साथ किया जैसे रैली, नुक्कड़ नाटक ,वन टू वन कम्युनिकेशन, स्लोगन एवं शपथ करवा कर किया ।

वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्रों की परिस्थितिकी संवेदी जोन के अनुश्रवण के लिए बैठक

देशप्राण संवाददाता

हजारीबाग, 30 अप्रैल : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत हजारीबाग वन्यप्राणी आश्रयणी एवं कोडरमा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्रों की परिस्थितिकी संवेदी जोन के अनुश्रवण हेतु गठित निगरानी समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय के सभा कक्षा में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के द्वारा की गई। बैठक का उद्देश्य अधिसूचना में वर्णित पर्यावरणीय प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संरक्षण गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित करना था। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार किया गया। जिसमें जोनल मास्टर प्लान बाह्य स्रोत के जरिए तैयार करने का निर्णय लिया गया। कोडरमा एवं हजारीबाग दोनों वन्यप्राणी आश्रयणियों के लिए ईको-सेंसिटिव जोन का व्यापक और संतुलित जोनल मास्टर प्लान तैयार करने पर चर्चा की गई। जिसमें

सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि दलमा वन्यजीव अभ्यारण के तर्ज पर इस क्षेत्र में भी जोनल मास्टर प्लान आउटसोर्स के द्वारा विशेषज्ञ एजेंसी से बनाया जाए ताकि विकास एवं संरक्षण में संतुलन सुनिश्चित किया जा सके। जिले के इचाक अंचल परित्यक्त पत्थर खदानों में फ्लाई ऐस/पौन्ड ऐस भराई किए जाने के प्रस्ताव पर समिति ने पर्यावरणीय प्रभावों के आकलन के साथ-साथ कानूनी वैधता के समीक्षोपरांत निर्णय लिया गया कि लीचिंग टेस्ट एवं अन्य के संबंध में विशेषज्ञ संस्था आईआईटी धनबाद व अन्य से परामर्श के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के उपरांत नियमानुसार ऐस फीलिंग का कार्य किया जा सकता है।

कोडरमा वन्यप्राणी आश्रयणी की ईको सेंसिटिव जोन अधिसूचना में शामिल ग्रामों की सूची में डोमचांच मौजा एवं इको सेंसिटिव जोन में दर्शायी गई सीमाओं के बीच अंतर के विषय पर चर्चा हुई। इस विसंगति को स्पष्ट करने हेतु इको सेंसेटिव जोन के बाहर किए जाने वाले प्लॉटवार विवरणी के साथ राज्य सरकार को इसकी जानकारी देते हुए इस पर अनुमोदन प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। वहीं कोडरमा वन्यप्राणी आश्रयणी के ईको सेंसिटिव जोन अंतर्गत मौजा मेघातरी, प्लॉट संख्या 471, खाता संख्या 16, कोडरमा थाना संख्या 344 में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित पेट्रोल पंप निर्माण पर विचार करते हुए इको सेंसेटिव जोन की मार्गदर्शिका या अधिसूचना के अनुसार आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। आयुक्त पवन कुमार ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे पर्यावरणीय संरक्षण के साथ सभी विकासात्मक प्रस्तावों का संतुलित मूल्यांकन करें एवं अधिसूचना की भावना के अनुरूप कार्य करें। बैठक में डीएफओ हजारीबाग वन्यप्राणी आश्रयणी, डीएफओ हजारीबाग पूर्वी, डीएफओ हजारीबाग पश्चिमी, डीएफओ कोडरमा, डीएमओ हजारीबाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर कोना

डीएवी रजरप्पा के जीव विज्ञान के वरीय शिक्षक हुए सेवानिवृत्त, दी गयी भावभीनी विदाई

रजरप्पा : सीसीएल रजरप्पा स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में बुधवार को एक भावुक पल देखने को मिला। जब विद्यालय के जीव विज्ञान के वरीय शिक्षक गजेंद्र कुमार को उनके लगभग 28 वर्षों की सेवा के बाद ससम्मान सेवानिवृत्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने मिलकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर विदाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा एवं वरीय शिक्षकों द्वारा गजेंद्र कुमार के स्वागत से हुई। इसके बाद जीव विज्ञान विभाग के शिक्षकों सहित अन्य सहयोगियों ने भी अपनी ओर से उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में विद्यालय के धर्म शिक्षक सत्यकाम आर्य, संगीत शिक्षक रजनीश पाठक एवं नवनियुक्त शिक्षिकाओं ने एकल और समूह में भजन, गीत एवं शास्त्रीय गायन प्रस्तुत कर अपनी भावना व्यक्त की। अपने अनुभव साझा करते हुए गजेंद्र कुमार ने कहा कि डीएवी संस्था में आने से पहले मैं किसी अन्य शिक्षण संस्थान में कार्यरत था। उसे छोड़कर डीएवी विद्यालय को चुना, जिससे समाज के हर वर्ग के बच्चों का उद्धार हो सके। उन्होंने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी विद्यालय के हित में कार्य करें। अंत में उन्होंने कहा कि हर रात को चांद का श्रृंगार नहीं मिलता, हर फूल को मधुबन का दुलार नहीं मिलता, हम सभी किस्मत वाले हैं दोस्तो, वरना हर किसी को डीएवी जैसा हार नहीं मिलता। वहीं प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा ने कहा कि यह कटु सत्य है कि जो सेवा से जुड़ता है, वह एक दिन सेवानिवृत्त भी होता है। हमें इस यथार्थ को स्वीकार करना चाहिए। गजेंद्र कुमार जैसे समर्पित शिक्षक का विद्यालय में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने गजेंद्र कुमार के आगामी जीवन के लिए सुखद एवं सफल पारिवारिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

बाल विवाह के खिलाफ चलाया जन जागरूकता अभियान

साहिबगंज : जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के निर्देशानुसार मंथन संस्था एवं चाइल्ड लाइन के सहयोग से अक्षय तृतीया के उपलक्ष में बुधवार को जिले के सभी प्रखंड में धर्म गुरुओं के साथ बाल विवाह मुक्त जिला बनाने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया इस दौरान जिले के विभिन्न मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर में धर्मगुरुओं के साथ मिल कर बाल अधिकार की सुरक्षा और बाल विवाह के दुष्परिणाम एवं रोकथाम को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। वहीं सभी स्थान में माइकिंग कर बताया गया कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता की कमी है,अधिकांश लोगों को यह पता नहीं है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवा देने पर दो वर्ष की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा केटर्स, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरिज हाल के मालिक और विवाह संपन्न कराने वाले पंडित(पुरोहित), मौलवी और पादरी को भी अपराध में संलिप्त माना जायेगा। उन्हें सजा के तौर पर 1 लाख रुपए जुमार्ना और 2 साल तक की सजा हो सकती है। बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के बचपन, शिक्षा, खेलकूद के अधिकारों को छीन लेता है।

दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए मुस्कुराहटें संस्था कर रही है बेहतर कार्य : सिविल सर्जन

देशप्राण संवाददाता

रजरप्पा, 30 अप्रैल : मुस्कुराहटें संस्था द्वारा बुधवार को रामगढ़ सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद शामिल हुईं। वहीं विशिष्ट रूप से मुस्कुराहटें संस्था के अध्यक्ष विवेकानंद वर्मा, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. स्वराज, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. तुलिका रानी, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. सत्यप्रकाश उपस्थित थे। इस दौरान थैलेसीमिया व सिकल सेल रोग से पीड़ित 40 बच्चों के बीच दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरित किया गया। अतिथियों का स्वागत संस्था के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी शशिकांत रवि एवं कार्यकारी सदस्य शेखर कुमार

दांगी ने पौधा देकर किया। सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि दिव्यांगता के साथ जीना एक साहसिक यात्रा है।

भारत में दिव्यांगता के कुल 21 प्रकार है। थैलेसीमिया एवं सिकल सेल रोग रक्त संबंधी आनुवांशिक बीमारी है, जो दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत दिव्यांगता की श्रेणी में सम्मिलित है। इसके निवारण हेतु सरकार की ओर से योजनागत रूप से कार्य किए जा रहे हैं। मुस्कुराहटें संस्था इस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। वहीं डॉ. स्वराज ने बच्चों के अभिभावकों को विशेष परामर्श दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि मुस्कुराहटें संस्था गांव-गांव तक पहुंचकर ऐसे बच्चों को विशेष सुविधाएं दिलाने का जो कार्य कर रही है, जो अत्यंत ही सराहनीय है। मुस्कुराहटें संस्था के अध्यक्ष विवेकानंद वर्मा ने बताया कि हमारी संस्था अपनी इकाई रामगढ़ थैलेसीमिया व सिकल सेल पैरेंट सपोर्ट ग्रुप के तहत ऐसे बच्चों एवं उनके अभिभावकों के सहायतार्थ निरंतर प्रयासरत है। इन्हें अधिकतम सरकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हमारी संस्था वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। भविष्य में भी हमारा प्रयास जारी रहेगा। गौरतलब है कि मुस्कुराहटें संस्था के अनुरोध पर सिविल सर्जन के निदेशानुसार विगत 12 अप्रैल को सिविल सर्जन कार्यालय परिसर में थैलेसीमिया एवं सिकल सेल रोग से पीड़ित दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। कुल 42 दिव्यांगजनों का भौतिक एवं दस्तावेज जांच किया गया था। योग्य 40 दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत कर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में उनके बीच वितरित किया गया।

अन्नदा महाविद्यालय की एनसीसी कंपनी ने कैंडल मार्च से दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की स्मृति में अन्नदा महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर एनसीसी व एनएसएस इकाई ने बुधवार को एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत एक शांतिपूर्ण रोड मार्च से हुई, जिसमें कैडेट्स ने हाथों में तख्तियां लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और आमजन को शांति और एकता का संदेश दिया। इसके पश्चात झंडा चौक पर कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कॉलेज के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पंकज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देशसेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए।

एसी-एसटी सभी वर्ग की महिलाओं को मिलता है नि:शुल्क न्याय : मुरली

देशप्राण संवाददाता

चौपारण, 30 अप्रैल : चौपारण प्रखंड सभागार में मंगलवार को अंतिम व्यक्ति तक कानूनी जानकारी कानूनी अधिकार में रहकर अपना अधिकार का उपयोग करें शिविर में बीडीओ नितेश भास्कर के नेतृत्व में आयोजन किया गया. झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशन एवं प्रधान जिला जज रंजीत कुमार के देखरेख में विधिक जागरूकता रथ हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड पहुंची। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रखंड, अंचल स्टाफ ग्रामीणों को कई कानूनी जानकारी से अवगत कराया गया। बीडीओ भास्कर ने कहा उपस्थित लोगों को कहा कि आप लोग जनता के सेवा में रहते

हैं, तो आपसबों को भी जानकारी होना चाहिए कि जिला विधिक से किन किन व्यक्तियों को क्या क्या लाभ मिल सकता हैं। उन्होंने कहा कि न्यायलय में बहुत से केश लंबित पड़ा हुआ हैं। सुलभ न्याय दिलाने के लिए नालसा, झालसा एवं डीएलएसए का स्थापना किया गया। वहीं विधिक सेवा प्राधिकार के चीफ एल ए डी सी मुरली राणा ने डालसा में मिलने वाला नि:शुल्क लाभ को विस्तार पूर्वक बताया। साथ आये अधिकार मित्र विकास पांडेय ने डालसा के द्वारा चौपारण में नियुक्त अधिकार मित्र पीएलवी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का न्याय संबंधी जानकारी लेने के लिए 15100 पर कॉल कर ले सकते हैं। इसके अलावा प्रखंड में हरेंद्र राणा, थाना में नवीन कुमार, पाण्डेयबारा पंचायत में नंदा देवी, रामपुर पंचायत में रेखा देवी और झापा पंचायत में रेहाना खातुन को नियुक्त किया गया हैं।

जनजातीय अध्ययन केंद्र प्रारंभ करना विभावि की प्राथमिकता : कुलपति

देशप्राण संवाददाता

हजारीबाग, 30 अप्रैल : विनोबा भावे विश्वविद्यालय मुख्यालय में अवस्थित जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन में पठन-पाठन एवं अन्य गतिविधियों को प्रारंभ करना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इस संबंध में बहुत जल्द स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल एवं पद्म पुरस्कार विजेता तथा जनजातीय मामलों के विशेषज्ञ अल्फ्रेड बुलू ईमान से मार्गदर्शन हेतु संपर्क किया जाएगा। उक्त जानकारी विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ सुकल्याण मोइत्रा को दी। उन्होंने बताया कि जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विनोद रंजन को 28 अप्रैल 2025 को इस संबंध में प्रस्ताव बनाने का दायित्व दिया है। प्रस्ताव का प्रारूप 2 मई को समर्पित करने को कहा गया है। ज्ञात हो कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय का मानव विज्ञान विभाग जनजातीय अध्ययन एवं शोध मे कीर्तिमान स्थापित करने के लिए जाना जाता है। जल्द विश्वविद्यालय का जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा (टिआरएल) विभाग को इस कार्य से जोड़ा जाएगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय मुख्यालय में कार्यरत जनजाति शिक्षक एवं जनजाति मामलों के जानकार शिक्षकों को भी इसमें शामिल करते हुए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन शीघ्र किया जाएगा। प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड में और विशेष कर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के क्षेत्र में जनजातियों की एक बहुत बड़ी और खूबसूरत आबादी है। इसी को देखते हुए विश्वविद्यालय ने जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को समर्पित किया था। अब इसमें जनजातीय अध्ययन एवं शोध हेतु पुस्तकालय की स्थापना तथा जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषाओं का अलग-अलग स्तर पर अध्ययन की व्यवस्था किया जाना है। इसके अलावे इस परिसर के समक्ष एक जनजातीय अखड़ा का निर्माण किया जाएगा। साथ ही इस भवन में उच्च स्तरीय तथा आधुनिक जनजातीय संग्रहालय की स्थापना होना है। इसमें डिजिटल संग्रहालय की तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दिल्ली के कुछ विशेषज्ञ से वह बात कर रहे हैं।

कुलपति ने बताया कि पहले चरण में प्रस्ताव का निर्माण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य करने के लिए संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण करना पड़ता है।

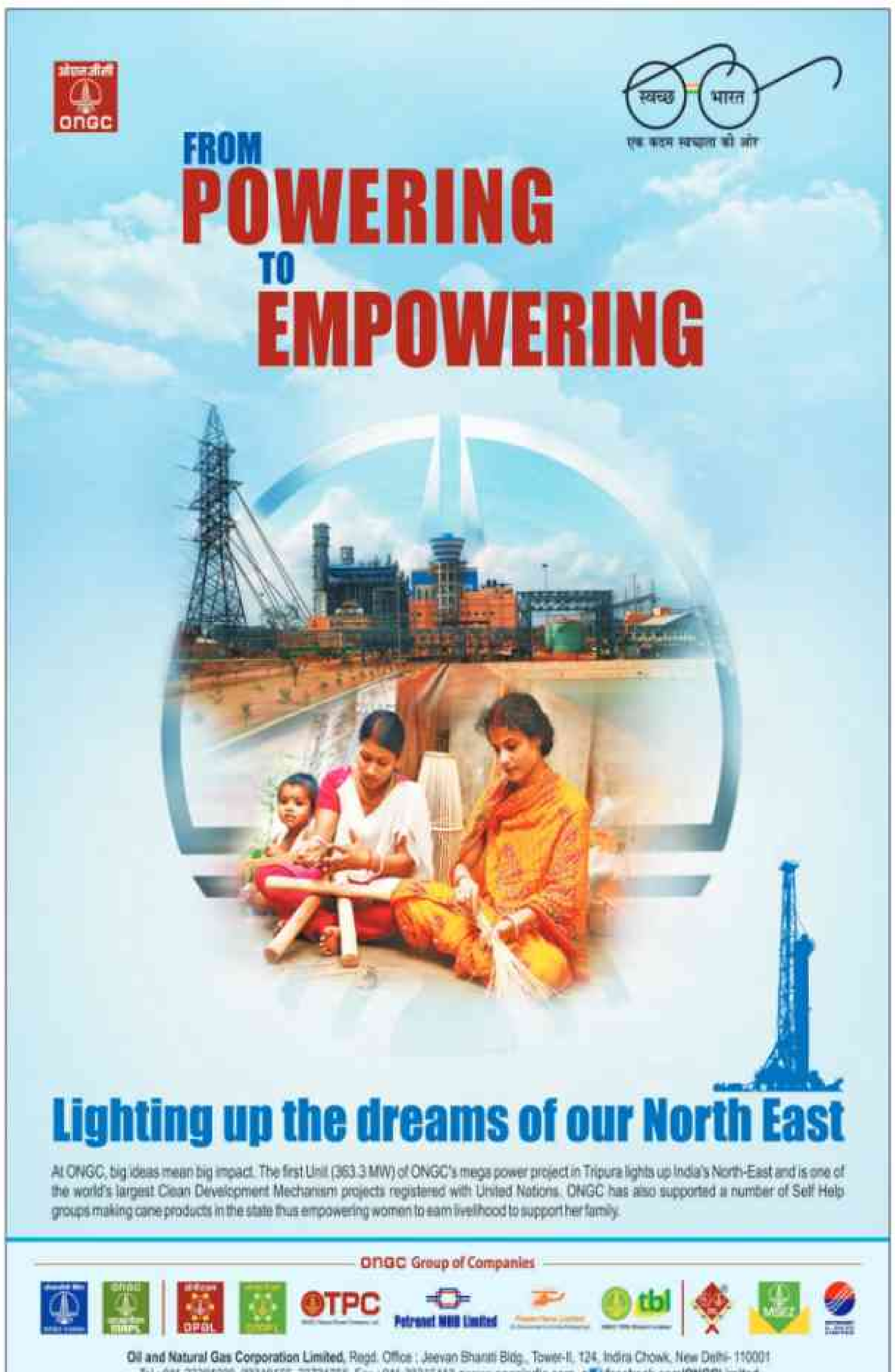

श्रम का महत्व

मानव सभ्यता के विकास में श्रम का योगदान अनमोल रहा है। प्राचीन काल से ही मानव ने अपनी मेहनत और बुद्धि के बल पर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित किया। चाहे वह पाषाण युग में औजारों का निर्माण हो, कृषि क्रांति के दौरान खेती की शुरुआत हो, या औद्योगिक क्रांति के समय मशीनों का विकास, श्रम ने हर युग में सभ्यता को नयी दिशा दी। भारतीय संस्कृति में श्रम को उच्च स्थान प्राप्त है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग की महत्ता बताते हैं, जहां कर्म (श्रम) को जीवन का आधार माना गया है। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का यह संदेश स्पष्ट करता है कि श्रम करना हमारा कर्तव्य है, और इसका महत्व फल की अपेक्षा से कहीं अधिक है। इसी तरह, भारतीय परंपराओं में कारीगरों, शिल्पियों, और मेहनतकश लोगों को हमेशा सम्मान दिया गया है।

श्रम मानव जीवन का आधार है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास और आत्मनिर्भरता का स्रोत है, बल्कि समाज के समग्र प्रगति और समृद्धि का भी मूलमंत्र है। श्रम के बिना न तो सभ्यता का विकास संभव है और न ही मानव समाज की उन्नति। फिर भी, आधुनिक समाज में श्रम के महत्व को पूरी तरह से स्वीकार करने में कमी देखी जाती है। कुछ लोग श्रम को केवल शारीरिक मेहनत तक सीमित मानते हैं, जबकि इसका दायरा इससे कहीं अधिक व्यापक है।

श्रम का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम तक सीमित नहीं है। यह मानसिक, बौद्धिक, रचनात्मक और भावनात्मक प्रयासों को भी समेटता है। एक किसान जो खेतों में दिन-रात मेहनत करता है, एक वैज्ञानिक जो प्रयोगशाला में नए आविष्कारों के लिए कार्यरत है, एक शिक्षक जो विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों के पालन-पोषण में समय और ऊर्जा लगाते हैं,ये सभी श्रम के विभिन्न रूप हैं। प्रत्येक कार्य, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, समाज के लिए मूल्यवान है।

श्रम का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि यह मानव को आत्मसम्मान और उद्देश्य प्रदान करता है। जब कोई व्यक्ति अपने प्रयासों से कुछ हासिल करता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह समाज में सकारात्मक योगदान दे पाता है। इसके विपरीत, श्रम के प्रति उदासीनता या अवहेलना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर हानिकारक है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी अवनति का कारण बन सकती है।

आधुनिक समाज में तकनीकी प्रगति और स्वचालन ने श्रम के स्वरूप को बदल दिया है। एक ओर जहां मशीनें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव श्रम को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों में यह भ्रांति उत्पन्न हुई है कि श्रम की आवश्यकता कम हो गई है। यह धारणा खतरनाक है, क्योंकि श्रम के बिना कोई भी समाज टिकाऊ ढंग से प्रगति नहीं कर सकता।

साथ ही, आधुनिक समाज में श्रम को सामाजिक स्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कुछ कार्यों को उच्च और कुछ को निम्न माना जाता है। उदाहरण के लिए, एक कॉर्पोरेट कार्यालय में काम करने वाले व्यक्ति को समाज में अधिक सम्मान मिलता है, जबकि एक सफाई कर्मचारी या निर्माण मजदूर के श्रम को कम महत्व दिया जाता है। यह भेदभाव न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ाता है, बल्कि श्रम के प्रति लोगों की मानसिकता को भी प्रभावित करता है।

श्रम को समाज में पूर्ण स्वीकृति मिलना बहुत आवश्यक है। जब समाज सभी प्रकार के श्रम को समान रूप से महत्व देता है, तो सामाजिक भेदभाव कम होता है। प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे में हो, अपने कार्य के लिए सम्मान प्राप्त करता है। यह सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है और समाज में सकारात्मकता का संचार करता है। श्रम ही आर्थिक विकास का आधार है। जब समाज श्रम के महत्व को स्वीकार करता है, तो लोग अधिक मेहनत और लगन से काम करते हैं।

भाषण पेट नहीं भरते, नीति में न्याय मिले

उमेश कुमार साहू

1 मई सिर्फ एक तारीख नहीं, एक सवाल है - क्या हम अपने असली राष्ट्र निर्माताओं को वह स्थान दे पा रहे हैं, जिसके वो हकदार हैं? मजदूर दिवस भाषणों का दिन नहीं, नीति और नजरिए में बदलाव का दिन होना चाहिए। जब तक मजदूरों को उनकी मेहनत के साथ-साथ उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक भारत की प्रगति अधूरी रहेगी।

1 मई : मजदूर दिवस

देश की तरक्की जिन हाथों से आकार लेती है, उन्हीं हाथों की हालत सबसे बदतर क्यों है? ये सवाल हर उस ज़िम्मेदार नागरिक को मथता है जो 1 मई को 'मजदूर दिवस' सिर्फ एक औपचारिकता की तरह नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी के तौर पर देखता है। भारत की नींव रखने वाले करोड़ों मजदूर आज भी ठेकेदारी व्यवस्था, न्यूनतम वेतन और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह कोई नई बात नहीं है। हर साल वही आंकड़े, वही तकलीफें, और वही वादे। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मजदूरों की चुप्पी ज्यादा भारी हो चली है।

महिला मजदूर आज भी पुरुषों की तुलना में औसतन 30-40% कम वेतन पर काम करती हैं। खेतों में काम करो या ईंट-भट्ठों पर, उन्हें न मातृत्व अवकाश मिलता है, न चाइल्ड केयर सुविधा। घरेलू कामगार तो पूरी तरह असुरक्षित हैं। शोषण, यौन उत्पीड़न और मानसिक दबाव आम बात है।

देश चलता है उनके दम पर, लेकिन हक से कोसों दूर

भारत में कुल श्रमिकों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा है, जिनमें से लगभग 92 फीसदी असंगठित क्षेत्र से आते हैं। ये वे लोग हैं जो निर्माण स्थलों से लेकर खेतों, फैक्ट्रियों, घरों और सड़कों तक काम करते हैं। मगर न उनके पास कोई ठोस पहचान है, न सामाजिक सुरक्षा, और न ही नौकरी की गारंटी।

योजनाएं बनती हैं- ई-श्रम कार्ड, सामाजिक सुरक्षा कोड, पीएम श्रम योगी योजना। लेकिन ज़मीनी हालात वहीं के वहीं हैं। रजिस्ट्रेशन हो गया, पर राशन नहीं आया। कार्ड बना, पर इलाज नहीं मिला।

महिला मजदूरों की दोहरी मार

महिला मजदूर आज भी पुरुषों की तुलना में औसतन 30-40% कम वेतन पर काम करती हैं। खेतों में काम करो या ईंट-भट्ठों पर, उन्हें न मातृत्व अवकाश मिलता है, न चाइल्ड केयर सुविधा। घरेलू कामगार तो पूरी तरह असुरक्षित हैं। शोषण, यौन उत्पीड़न और मानसिक दबाव आम बात है।

उन्हें न अपनी जमीन पर अधिकार है, न नीति में आवाज। जिस हाथ से अन्न उपजता है, उसी हाथ की थाली खाली क्यों है?

प्रवासी मजदूर : शहर की रौनक, लेकिन बेगाने

कोविड के वक्त जिन प्रवासी मजदूरों की बेबसी ने देश को झकझोर दिया था, आज भी उनकी स्थिति नहीं बदली है। हर छोटे-बड़े शहर में रहने वाले ये मजदूर अब भी झुग्गियों में रहते हैं, बिना पक्के घर, बिना चिकित्सा सुविधा, बिना शिक्षा।

'वन नेशन, वन राशन कार्ड' जैसी योजनाएं आईं, लेकिन सवाल वही है - क्या मजदूर के पास फोन, डाटा और समझ है कि वह इसे इस्तेमाल कर सके?

क्या सुधारों की आड़ में मजदूरों के अधिकार छीने जा रहे हैं?

सरकार ने श्रम सुधारों के तहत 4 कोड लाये - वेतन, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर। पर इनका फायदा मजदूरों से ज्यादा कंपनियों को दिख रहा है।

अब 300 तक कर्मचारियों वाली फैक्ट्री में छंटनी के लिए सरकार की अनुमति नहीं चाहिए। हड़ताल के नियम कड़े कर दिए गए हैं, यूनियन बनाना मुश्किल कर दिया गया है। सवाल उठता है, क्या ये सुधार Ease of Doing Business से ज्यादा Ease of Exploiting Labour साबित हो रहे हैं?

बात न्यूनतम वेतन की नहीं, गरिमा की है

दिहाड़ी मजदूर को औसतन 250-350 रुपये मिलते हैं। इतने में वह क्या-क्या संभाले। किराया, राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवा...? यह मजदूरी नहीं, महज जीवित रहने का संघर्ष है।

अब बात 'न्यूनतम वेतन' की नहीं, 'जीवन योग्य वेतन' (Living Wage) की होनी चाहिए। मजदूर सिर्फ जीना नहीं चाहता, वह सम्मान से जीना चाहता है और यही लोकतंत्र की असली कसौटी है।

टेक्नोलॉजी आयी, पर मजदूर पीछे छूट गया

एआई, ऑटोमेशन और डिजिटलाइजेशन ने श्रमिकों की नौकरियों पर सबसे ज्यादा असर डाला है। मशीनें तेज हैं, सटीक हैं, लेकिन मजदूर क्या करेगा? Skill India और Digital India जैसी योजनाएं हैं, पर जमीनी स्तर पर ज्यादातर मजदूर अब भी 'डिजिटल अनपढ़' हैं।

जब तक स्किल्स अपग्रेड नहीं होंगी, मजदूर नई व्यवस्था में जगह नहीं बना पाएगा। और यही असली चुनौती है।

क्या किया जा सकता है?

- हर श्रमिक का डिजिटल पंजीकरण अनिवार्य हो और इसके आधार पर उन्हें राशन, इलाज और सामाजिक सुरक्षा दी जाए।
- न्यूनतम नहीं, लीविंग वेज की कानूनी गारंटी दी जाये।
- महिला श्रमिकों को समान वेतन, मातृत्व सुविधा और सुरक्षित कार्यस्थल मिले।
- प्रवासी मजदूरों के लिए चलन योग्य पहचान पत्र, राशन और आवास की व्यवस्था हो।
- बाल श्रम के लिए सिर्फ कानून नहीं, स्कूल-केंद्रित पुनर्वास योजना बनाई जाये।
- नीति बनाने की मेज पर मजदूरों और यूनियनों को जगह मिले, सिर्फ अफसरों और उद्योगपतियों को नहीं।

मजदूर सिर्फ श्रमिक नहीं, नागरिक भी है

1 मई सिर्फ एक तारीख नहीं, एक सवाल है - क्या हम अपने असली राष्ट्र निर्माताओं को वह स्थान दे पा रहे हैं, जिसके वो हकदार हैं?

मजदूर दिवस भाषणों का दिन नहीं, नीति और नजरिए में बदलाव का दिन होना चाहिए। जब तक मजदूरों को उनकी मेहनत के साथ-साथ उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक भारत की प्रगति अधूरी रहेगी।

क्योंकि राष्ट्र तब ही बनता है जब उसका हर हाथ सिर ऊंचा उठा सके।

क्या कनाडा में भारतीय समुदाय ने खालिस्तानियों से मुंह फेर लिया है!

रामस्वरूप रावतसरे

मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और कनाडा के बीच सीईपीए पर फिर से बातचीत शुरू होने की संभावना बढ़ी है। ये एक ट्रेड डील है, जिसे ट्रूडो ने भारत से विवाद के बाद रोक दिया था। जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर कनाडा के नागरिक और खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध बिगड़ने लगे थे।

कनाडा के संघीय चुनाव में एक बार फिर से जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। मार्क कार्नी, जिन्होंने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा के शासन को संभाला था, वह लिबरल्स की जीत के बाद फिर से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में लिबरल पार्टी ने जनता का विश्वास खो दिया था, लेकिन ट्रूडो के इस्तीफे और विपक्षी नेता पियरे पोइलिवर के बेहद खराब कैंपेन की वजह से मार्क कार्नी ने एक हारे हुए मैच को जीत में तब्दील कर दिया। लिबरल पार्टी ने डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा विरोधी बयानबाजी को देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रवाद से जोड़ दिया था, जिसका उन्हें जबरदस्त फायदा मिला। लिहाजा सवाल उठने लगे हैं कि जबकि कनाडा में एक बार फिर से लिबरल पार्टी की सरकार बनी है, क्या भारत के साथ संबंध सुधर पाएंगे?

मार्क कार्नी ने पिछले दिनों भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों पर कहा था कि 'मैं संकट के समय सबसे उपयोगी होता हूं।' उनके इस बयान को इस तरह से देखा गया है कि उनकी जीत नयी दिल्ली और ओटावा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में संभावित सुधार ला सकती है जो पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में काफी हद तक खराब हो गये थे। अपने चुनावी कैम्पेन के दौरान मार्क कार्नी ने कई मंदिरों का दौरा किया था और भारतीय समुदाय से जुड़ने की इच्छा जतायी थी।

मार्क कार्नी ने इलेक्शन कैम्पेन के दौरान कहा था कि 'कनाडा जो करने की कोशिश कर रहा है, वह समान विचारधारा वाले देशों के साथ हमारे व्यापारिक संबंधों में विविधता लाना है और भारत के साथ संबंधों को फिर से बनाने के अवसर हैं। उस वाणिज्यिक संबंध के इर्द-गिर्द मूल्यों की साझा भावना होनी चाहिए और अगर मैं प्रधानमंत्री होता तो मैं इसे बनाने के अवसर की तरह देखता।' मार्क कार्नी ने चुनाव अभियान के दौरान भारत को एक महत्वपूर्ण देश बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकेत दिया था कि उनकी मंशा भारत के साथ संबंधों को सुधारने की है, खासकर कारोबारी संबंध को, क्योंकि कनाडा डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध का नुकसान उठा रहा है। इसके अलावा मार्क कार्नी ने चुनावी कैम्पेन में अमेरिका के ऊपर से अपनी निर्भरता कम करने की बात कही थी, ऐसे में कनाडा के पास एक बड़े बाजार के तौर पर भारत ही बचता है, क्योंकि चीन के साथ उसके पहले से ही खराब संबंध हैं।

मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और कनाडा के बीच सीईपीए पर फिर से बातचीत शुरू होने की संभावना बढ़ी है। ये एक ट्रेड डील है, जिसे ट्रूडो ने भारत से विवाद के बाद रोक दिया था। जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर कनाडा के नागरिक और खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध बिगड़ने लगे थे। जस्टिन ट्रूडो ने हत्या का आरोप भारतीय एजेंट्स पर लगाये थे जिसके बाद भारत-कनाडा संबंध 2023 में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। नयी दिल्ली ने लंबे समय से ओटावा पर कनाडा के सिख प्रवासियों में चरमपंथ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। जस्टिन ट्रूडो की सरकार में खालिस्तानी चरमपंथियों का वर्चस्व था।

जगमीत सिंह का चुनाव हारना और उसकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को काफी कम वोट मिलने का मतलब है कि भारतीय समुदाय अपने मकसद में कामयाब रहा है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 2025 के संघीय चुनाव में सिर्फ 7 सीटें मिली हैं जबकि 2021 में उसे 24 सीटें मिली थीं।

इसके अलावा जगमीत सिंह, जो खालिस्तान समर्थक हैं, उनकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन से जस्टिन ट्रूडो सरकार चला रहे थे, लिहाजा जगमीत सिंह को भारत कनाडा संबंधों के खराब होने की सबसे बड़ी वजह माना गया लेकिन इस बार जगमीत सिंह बुरी तरह से चुनाव हार गया है। वह तीसरे स्थान पर रहा है, जो खालिस्तानियों के लिए बहुत बड़ा झटका है। चुनाव कैम्पेन के दौरान भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक आदित्य झा, जो एक कारोबारी हैं और जिन्हें कनाडा का सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ कनाडा मिल चुका है, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 'कनाडा के भारतीय समुदाय ने इस बार ऐसे तत्वों (खालिस्तानी) को हराने के लिए मतदान करने की योजना बनाई है और 30 से 35 सीटों को टारगेट किया गया है।' उन्होंने कहा था कि, 'हिंदू समुदाय लिबरल पार्टी को नहीं बल्कि खालिस्तानियों को हराकर पार्टी के ऊपर से खालिस्तानियों के प्रभाव को खत्म करना चाहती है।'

जगमीत सिंह का चुनाव हारना और उसकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को काफी कम वोट मिलने का मतलब है कि भारतीय समुदाय अपने मकसद में कामियाब रहा है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 2025 के संघीय चुनाव में सिर्फ 7 सीटें मिली है जबकि पिछले इलेक्शन (2021) में उसे 24 सीटें मिली थीं। कनाडा में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि भारत विरोधी स्टैंड की वजह से भारतीय समुदाय, खासकर पंजाब के भारत समर्थक सिखों ने न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट नहीं दिया है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का पूरा वोट बैंक तहस नहस हो गया है यानि संसद में उसका प्रभाव अब काफी कम हो गया है, लिहाजा नई सरकार के ऊपर खालिस्तानियों का प्रेशर नहीं रहेगा। जानकारों की माने तो कनाडा और भारत में मध्य फिर से सौहार्दपूर्ण संबंध बनेंगे जिसका लाभ दोनों देशों को होगा।

आत्मबोध

शंख का जल

19. शंख के प्रकार

शंख मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं- दक्षिणावर्ती, मध्यावर्ती और वामावर्ती। इनमें दक्षिणावर्ती शंख दाईं तरफ से खुलता है, मध्यावर्ती बीच से और वामावर्ती बाईं तरफ से खुलता है। मध्यावर्ती शंख बहुत ही कम मिलते हैं।

20. शंख के जल से शालीग्राम

शंख के जल से शालीग्राम को स्नान कराएं और फिर उस जल को यदि गर्भवती स्त्री को पिलाया जाये तो पैदा होने वाला शिशु पूरी तरह स्वस्थ होता है। साथ ही बच्चा कभी मूक या हकला नहीं होता। यदि शंखों में भी विशेष शंख जिसे दक्षिणावर्ती शंख कहते हैं इस शंख में दूध भरकर शालीग्राम का अभिषेक करें। फिर इस दूध को निःसंतान महिला को पिलाएं। इससे उसे शीघ्र ही संतान का सुख मिलता है।

21. शंख और लाभ

लाभ अनेक रोज सुबह दक्षिणावर्ती शंख में थोड़ा-सा गंगा-जल डालकर सारे घर में छिड़कें भूत-प्रेत व दुरात्माओं से मुक्ति मिलती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। एक कांच के कटोरे में लघु मोती शंख रखकर उसे अपने बिस्तर के नजदीक रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर प्रगाढ़ दाम्पत्य-सुख की अनुभूति होगी। पति-पत्नी इससे जल आचमन करके अपने माथे पर अभिषेक करें तो परस्पर वैमनस्य दूर होता है।

22. घर में दक्षिणावर्ती शंख

घर में दक्षिणावर्ती शंख का वास होने से लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। दक्षिणावर्ती शंख का विधिपूर्वक पूजन करें तथा अपने व्यवसाय-स्थल पर रखें तो आप सदैव ऋण मुक्त रहेंगे। आप अपनी माता से चावल से भरा एक मोती शंख प्राप्त करें तथा उसे विदेश यात्रा संबंधी कागजात के स्थान पर रखें तो आपके समस्त विघ्न दूर हो जायेंगे। (जारी)

लो सुनो ...

कुछ नेता टेलीविजन पर पाकिस्तान के प्रति प्रेम का इजहार कर रहे हैं। आप भारत में रहकर पाकिस्तान से प्रेम नहीं कर सकते। अगर आपको पाकिस्तान से इतना प्रेम है, तो भारत छोड़ दीजिए। जब भारत पर हमला हो रहा हो, तो आप पाकिस्तान के समर्थन में खड़े नहीं हो सकते। पाकिस्तान के प्रति इतना प्रेम क्यों है? अगर आप सच में उनका समर्थन करते हैं तो वहीं जाकर रहिए।

पवन कल्याण (उपमुख्यमंत्री आंध्रप्रदेश)

कुछ खास ...

मंगल-चांद पर खनिज

मंगल ग्रह और चंद्रमा को लेकर नासा, इसरो जैसी एजेंसियां कई मिशन लॉन्च कर चुकी हैं। वहीं, निजी अंतरिक्ष कंपनियां भी इन ग्रहों पर जीवन की संभावनाओं को लेकर अध्ययन कर रही हैं। अब तक के मिशनों से हमें इन दोनों स्थानों की मिट्टी, चट्टानों और वहां पाए जाने वाले खनिजों की कई अहम जानकारियां मिली हैं। मंगल ग्रह पर सबसे पहले 'मार्स ग्लोबल सर्वेयर' (1996) और बाद में 'मार्स रोवर क्यूरियोसिटी' (2012) ने आयरन ऑक्साइड यानी हेमाटाइट खोजा, जिससे इसका रंग लाल दिखता है। इसके अलावा, क्ले मिनरल्स (मिट्टी), सल्फेट और सिलिका जैसे खनिज भी वहां मिले हैं। इसरो के 'मार्स ऑर्बिटर मिशन' (2013) ने भी वायुमंडलीय और सतही रासायनिक तत्वों की पुष्टि की। चंद्रमा की सतह पर 'अपोलो मिशन' (1969-1972) से वैज्ञानिकों ने इल्मेनाइट नाम का खनिज खोजा, जिसमें टाइटेनियम, आयरन और ऑक्सीजन होते हैं। सिलिकॉन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, एलुमिनियम जैसे खनिज भी पाये गये हैं।

डिजिटल दुनिया

परप्लेक्सिटी एआई का व्हाट्सऐप पर इस्तेमाल

आजकल जब हर कोई तेज और सही जानकारी चाहता है, तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स बहुत काम आते हैं। परप्लेक्सिटी एआई ने अब इस सुविधा को और भी आसान बना दिया है। यह पॉपुलर एआई अब व्हाट्सऐप पर उपलब्ध है, यानी अब अलग से ऐप या वेबसाइट खोलने की जरूरत नहीं है। आप सीधे व्हाट्सऐप पर इसे मैसेज भेज सकते हैं और सवाल पूछ सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे किसी दोस्त से बात करते हैं।

परप्लेक्सिटी एआई का व्हाट्सऐप पर इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले +1 (833)-436-3285 नंबर को सेव करें और फिर व्हाट्सऐप पर इस नंबर पर एक मैसेज भेजें।

इसके बाद आप किसी भी विषय पर सवाल पूछ सकते हैं, जानकारी ले सकते हैं या फिर तस्वीर बनवाने जैसे काम भी कर सकते हैं।

यह एआई आपको तेज और सटीक जवाब देता है और साथ में उन स्रोतों के लिंक भी देता है जहां से जानकारी ली गई है।

परप्लेक्सिटी अकसे आप सामान्य ज्ञान, रेसिपी, रिसर्च या कोई भी जानकारी मांग सकते हैं।

सबसे खास बात यह है कि यह 24 घंटे उपलब्ध रहता है और तुरंत जवाब देता है। कंपनी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कहा है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, आने वाले समय में और भी फीचर जुड़ेंगे। अब जब हम पहले से व्हाट्सऐप का रोजमर्रा में इस्तेमाल करते हैं, तो उसी में अकस्मी सुविधा मिलना और भी फायदेमंद हो गया है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजियन संख्या : 52413/1991 (टाइटल कोड : JHAHIN00860), पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या : RN/260/2020-22. अध्यक्ष व प्रधान संपादकः बलबीर दत्त. देश प्राण (समाचारपत्र, शीर्षक व ट्रेडमार्क) संस्थापक व स्वत्वाधिकारी बलबीर दत्त के लिए प्रकाशक रोहित दत्त* द्वारा 4/A, तारा टावर, होटल महाराजा के सामने, रेडियम रोड, कचहरी चौक, रांची - 834001 से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस (डीबी कॉर्प लिमिटेड), 535/1272, लालगुटवा, रांची से मुद्रित. फोन नंबरः 0651 2361181, 0651 2361182. ईमेलः contact@deshpran.in (*पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार).

विचारणीय

अश्वत्थामा शापित नहीं, सप्तर्षि हैं!

मनीष कुलकर्णी

बीते वर्ष 'कल्कि-2898 ए.डी.' नामक फिल्म प्रदर्शित हुई। इस काल्पनिक कथा में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का पात्र निभाया है। साथ ही शाहिद कपूर की 'अश्वत्थामा' फिल्म भी निर्माणाधीन है। इन फिल्मों के माध्यम से महाभारत में खलनायक के रूप में चित्रित अश्वत्थामा एक बार फिर चर्चा में आ गये हैं। भारत में जब से न्यूज चैनल शुरू हुए हैं, लगभग हर हिंदी चैनल ने मध्यप्रदेश की नर्मदा नदी के किनारे या असीरगढ़ किले के मंदिर में पूजा करने वाले अश्वत्थामा पर स्टोरी दिखायी है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि महाभारत के 5000 वर्ष बाद भी यदि श्रीकृष्ण, कौरव और पांडवों के अलावा कोई सबसे चर्चित पात्र है तो वह अश्वत्थामा है। मौजूदा समय में अधिकतर लोगों को अश्वत्थामा की पहली पहचान अपने घर के बड़ों द्वारा बोले जाने वाले सप्त चिरंजीवियों के श्लोक से हुई होगी। घर के धार्मिक वातावरण वाले दादा-दादी या नाना-नानी अपने नाती-पोतों से यह श्लोक जरूर बुलवाते थे-

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो हनुमांश्च विभीषणः।
कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरंजीविनः॥
सप्तैतान् संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम्।
जीवेद्वर्षशतं सोऽपि सर्वव्याधिविवर्जितः॥

इस श्लोक के भावानुसार, जो व्यक्ति प्रतिदिन इन सात चिरंजीवियों और आठवें ऋषि मार्कण्डेय का स्मरण करता है, वह दीर्घायु और रोगमुक्त रहता है। अब प्रश्न उठता है- जो स्वयं घायल है, वह दूसरों को निरोग कैसे बना सकता है? यह विचार अपने आप यह सिद्ध करता है कि अश्वत्थामा के माथे पर नासूर बनी चोट केवल एक कल्पना है। क्योंकि यदि वह सचमुच घायल होता, तो श्लोक लिखने वाला उसे चिरंजीवियों की सूची में न रखता। यह पहला तार्किक विचार है। वहीं गोवर्धन के क्रियायोग गुरु शैलेन्द्र शर्मा अपने गहन अध्ययन के आधार पर अश्वत्थामा की एक अलग ही कहानी बताते हैं। शास्त्रों और धर्मग्रंथों का अध्ययन करने के बाद गुरुजी ने निष्कर्ष निकाला कि अश्वत्थामा केवल सप्त चिरंजीवी नहीं, बल्कि शापमुक्त भी हैं। इतना ही नहीं, उनका नाम आधुनिक सप्तर्षियों में भी लिया गया है और वे भविष्य के व्यास भी हैं।

महाभारत में अश्वत्थामा का चरित्र प्रतिशोध और प्रायश्चित की गाथा है। महाभारत के शल्य पर्व के अनुसार, द्रोणाचार्य और कृपी ने पुत्र प्राप्ति के लिए हिमालय की तलहटी (आज के उत्तराखंड) में भगवान शिव की तपस्या की थी। द्रोणाचार्य ने शिव जैसे तेजस्वी और बलशाली पुत्र की इच्छा की थी। परिणामस्वरूप दिव्य मणि के साथ अश्वत्थामा का जन्म हुआ। जन्म लेते ही घोड़े जैसी आवाज में रोने के कारण उसका नाम 'अश्वत्थामा' रखा गया। शिव पुराण में अश्वत्थामा को भगवान शिव का अवतार माना गया है।

अश्वत्थामा का चरित्र करुण, रौद्र और वीभत्स रस से भरपूर है। बचपन में जब उनकी मां कृपी ने उसे दूध की मांग पर आटे में पानी डालकर पिलाया, तब पहली बार उसकी करुण छवि दिखायी दी। महाभारत युद्ध में वह एक अपराजित योद्धा बनकर सामने आया, यह उसका रौद्र रूप था। युद्ध के अंतिम चरण में जब उसने द्रौपदी के 5 पुत्रों की हत्या की और उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चलाया, तब वह वीभत्स व अमानवीय प्रतीत हुआ, लेकिन यदि हम इसकी गहराई से पड़ताल करें तो यह सब उसके पिता द्रोणाचार्य की कपट से हुई हत्या का प्रतिशोध था।

महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों ने झूठी अफवाह फैलायी कि अश्वत्थामा मारा गया। यह सुनकर गुरु द्रोणाचार्य ने शस्त्र त्याग दिये और धृष्टद्युम्न ने उनकी हत्या कर दी। यहीं भीम द्वारा दुर्योधन को घायल करने के बाद अश्वत्थामा कौरव पक्ष का सेनापति बना। महाभारत के सौप्तिक पर्व के अनुसार, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा रात को एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे। वहीं एक उल्लू को उन्होंने देखा जो कौवों के बच्चों को मारकर खा गया। इससे उन्हें रात्रि में सोये हुए पांडवों के शिविर पर हमला करने का विचार आया। जब अश्वत्थामा पांडव शिविर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि स्वयं भगवान शंकर शिविर के रक्षक हैं। शिव के रूप का वर्णन महाकाल रूप में किया गया है। यहां वर्णित शिव जी व्याघ्रचर्मधारी, अनेक नेत्र और भुजाओं वाले, जिनके तेज से अनेक विष्णु प्रकट हो रहे हैं। यह दृश्य देखकर भी अश्वत्थामा रुका नहीं और शिव से युद्ध का निश्चय किया, लेकिन उसके सभी अस्त्र-शस्त्र शिव के शरीर में समा गये। इस पराजय से व्यथित होकर उसने आत्मदाह करने का निर्णय लिया। जैसे ही उसने अग्नि उत्पन्न कर उसमें कूदने की कोशिश की, स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने उसमें प्रवेश किया और बोले, 'अब समय आ गया है, पांडवों की रक्षा का कार्य पूरा हुआ।' शिव का किसी शरीर में प्रवेश करने का यह इकलौता उल्लेखित उदाहरण है। इसके बाद अश्वत्थामा ने शिव से प्राप्त खड्ग लेकर तथा भगवान शिव के आवेश से आवेशित होकर पांडव शिविर में प्रवेश किया और जिसको देखा उसे मार डाला।

धृष्टद्युम्न की हत्या उसने मुक्के मारकर की और द्रौपदी के पांच पुत्रों को पांडव समझकर मार डाला। इस भीषण नरसंहार का वर्णन सौप्तिक पर्व में भयावह और सारगर्भित रूप से किया गया है। पांडव और श्रीकृष्ण उस रात शिविर में नहीं थे, वे पहले ही गंगा तट पर विश्राम के लिए चले गये थे। अगली सुबह जब वे लौटे, तो ब्रह्मास्त्र चलाने और उत्तरा के गर्भ पर हमला करने की घटना हुई। उसके बाद श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा से मणि निकाल ली और उसे 3 हजार वर्षों तक अकेले भटकने का शाप दिया।

यदि तर्क के आधार पर विचार करें तो आज महाभारत को 5000 वर्ष हो गये ऐसा मानें, तो अश्वत्थामा लगभग 2000 वर्ष पूर्व ही शापमुक्त हो गया होगा। भगवान से शाप मिलने के बाद अश्वत्थामा महर्षि वेदव्यास के पास गये और उपाय पूछा। व्यास ने उन्हें रामेश्वरम् जाकर कार्तिक स्नान और शिव उपासना करने का मार्ग बताया। अश्वत्थामा ने धनुष्कोटि में एक महीने तक शिव की तपस्या की और कार्तिक की अंतिम रात शिव तांडव स्तोत्र का पाठ किया और वहीं भगवान शिव ने उन्हें शापमुक्त किया। वहां एक शिलालेख आज भी है जिसमें लिखा है, 'यहां अश्वत्थामा शापमुक्त हुए थे।' इसके बाद वह ब्रह्मर्षि बने।

इसके बाद कि कथा हमें ब्रजभूमि में मिलती है। जहां मथुरा के पास शेरगढ़ गांव में भारद्वाज गोत्र के रिकॉर्ड कीपर रहते हैं। भारद्वाज गोत्र आज भी ब्राह्मणों का सबसे बड़ा गोत्र माना जाता है। वहां शेरगढ़ के रिकॉर्ड कीपर्स के प्रमाण सुप्रीम कोर्ट तक में माने जाते हैं। इन रिकॉर्ड के अनुसार अश्वत्थामा ने शापमुक्ति के बाद 17 विवाह किये थे। वहीं, विष्णु पुराण के अनुसार अश्वत्थामा सिर्फ चिरंजीवी ही नहीं, बल्कि सप्तर्षि भी हैं और भविष्य में व्यास बनेंगे। कल्कि अवतार के समय पुराने सप्तर्षियों के स्थान पर नये सप्तर्षि होंगे- अश्वत्थामा, कृपाचार्य, परशुराम, विश्वमित्र, गालव, मार्कण्डेय और कृष्ण द्वैपायन। इसलिए 'अश्वत्थामा शापित है और आज भी तेल मांगता है'- इस भ्रम में जीने की बजाय यदि हम महाभारत का सौप्तिक पर्व, स्कंद पुराण, शिव पुराण, विष्णु पुराण और भारद्वाज गोत्र का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि अश्वत्थामा शापमुक्त हैं और भविष्य के व्यास भी हैं। इन प्रमाणों को जानने के बाद हमारी शंकाएं दूर होती हैं और सत्य सामने आता है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

अध्यात्म

वर्तमान और भविष्य

डा. राकेश चक्र

शास्त्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर बहुत ही दुर्लभ है। इसे आलस्य, प्रमाद और भोग आदि में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। यदि इसे ऐसे ही गंवा दिया तो यह इस अवसर की सबसे बड़ी हानि होगी। भारतीय दर्शन, भारतीय चिंतन और संस्कृति के अनुसार यह चौरासी लाख योनियों में भटकने के बाद ही मिलता है। कदाचित सब कुछ पता होने के बाद भी हम इसका सदुपयोग नहीं करना चाहते और जीवनभर मायाचक्र में फंसकर इसे चौरासी लाख योनियों में भटकने के लिए पुनः छोड़ देते हैं।

यह सत्य है कि मनुष्य शरीर में विराजमान आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है। इसे कोई मार नहीं सकता, जला नहीं सकता और काट नहीं सकता, क्योंकि यह ईश्वर का अंश है। यह हमें कभी गलत काम करने का आदेश नहीं देती। मन और इन्द्रियां ही मनुष्य को भटकाने का काम करती हैं। जो सतर्क और सजग है, उन्हीं का मनुष्य जीवन सफल है।

मनुष्य जीवन की सार्थकता तभी है जब हम लोक और परलोक को अच्छा बनाने का प्रयास करते हैं। अपने हित या स्वार्थ के लिए किसी का अहित नहीं करते। श्रुति कहती है कि यदि मनुष्य स्वयं को केवल शरीर या देह ही मानता है तो शरीरमात्र को सजाने, संवारने एवं इन्द्रियजन्य सुखों की प्राप्ति के पीछे उसकी सारी जीवन यात्र सिमटकर रह जाती है।

वह शरीर के लिए जीता है, इन्द्रियसुख की प्राप्ति के लिए ही जीता और मर जाता है, क्योंकि वह स्वयं को शरीरमात्र , देहमात्र ही मानता है अर्थात वह शरीरसुख, इन्द्रियसुख, विषयसुख को ही सच्चा सुख मानता है और इन्हीं सुखों को पाने के मायाजाल में वह घिनौने से घिनौने काम भी कर बैठता है और कानून उसे जीवनभर के लिए कारागार में डाल देता है। जीते जी उसका

जीवन नरक बन जाता है। समाज में मुंह दिखाने योग्य नहीं रहता।

यह भी सत्य है कि भौतिकता के वशीभूत होकर जीवन एकांगी बन जाता है। भौतिकता की उतनी ही आवश्यकता है जिससे हमारे आत्मकल्याण पर प्रभाव न पड़े क्योंकि वर्तमान में बहुत कुछ बदल गया है। खानपान, व्यवहार, आचार विचार और विज्ञान की उन्नति ने समयानुकूल बदलने के लिए मजबूर कर दिया है।

गर्मी के दिनों में हमारे लिए बिना पंखे, कूलर , एसी और फ्रिज आदि के बिना कमसे कम नगरों में तो रहना बहुत मुश्किल है लेकिन हम जो भी सुख सुविधाएं जीवन जीने के लिए एकत्र करें, वह सब मेहनत की कमाई से ही हों। हम आलसी, प्रमादी न बनें। अपने आत्मकल्याण के लिए भी सोचें, अर्थात योग करें, वेद वेदांग और श्रेष्ठ पुस्तकों से जुड़ें और साथ ही अच्छे मनुष्यों का सत्संग भी करें। ऐसा करने से हमारा वर्तमान भी सुंदर बनेगा और भविष्य अर्थात परलोक भी सुधरेगा जिसके लिए ईश्वर ने हमें जन्म दिया है। (उर्वशी)

पटना : इतिहास बसा जहां

विनय कुमार वर्मा

गंगा, पुनपुन और सोन नदियों से घिरा पटना विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। राजा उदायिन ने पाटलिपुत्र नगर बसाया जो कालांतर में अपने कई नामों पाटलिग्राम, कुसुमपुर,अलीपुर, पुष्पपुर, पुष्पवती, श्रीनगर, पोलिबोथ्रा, पालिमबोत्ना, कुसुमकेली, अलीमाबाद इतिहास को परिवर्तित करते हुए आज बिहार की राजधानी पटना के रूप में विख्यात है।

रोजमर्रा की जरूरतों की आपाधापी के बीच भी यह शहर एक सुनहरा इतिहास संजोये हुए है। रेलवे, वायुसेवा तथा सड़क परिवहन से यह शहर हिन्दुस्तान भर से जुड़ा है।

तृतीय बौद्ध संगति का आयोजन स्थल, जैन धर्म के प्रथम गुरु स्थूलभद्र का जन्म स्थान, सिक्ख धर्म के दसवें तथा अंतिम गुरु गोविन्द सिंह की जन्मभूमि होने का भी गौरव पटना को प्राप्त है। कूटनीतिज्ञ चाणक्य और विज्ञान के क्षेत्र में तहलका मचा देने वाले आर्यभट्ट भी यहीं के थे।

विश्व का सबसे लंबा पुल गांधी सेतु तथा एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी कंकड़बाग अपने आप में एक मिसाल है। कुम्हरार, गोलघर, तख्तश्री हरमंदिर, शहीद स्मारक, किला हाऊस, पत्थर की मस्जिद, संजय गांधी जैविक उद्यान, अगमकुंआ, गांधी सरोवर, नेपाल कोठी, छज्जूबाग कोठी, अफीम गोदाम आदि सभ्यता और संस्कृति के अवशेष और नमूने हैं।

सदाकत आश्रम आधुनिक इतिहास के कई महत्वपूर्ण प्रतीकों का संग्रहालय है। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अवकाश ग्रहण के पश्चात यहीं निवास किया था। मुगल तथा राजपूत स्थापत्य के मेल से निर्मित पटना संग्रहालय देखने योग्य है। पटना विश्वविद्यालय अपनी शिक्षा की गौरवान्वित पृष्ठभूमि को संजोये हुए है। दुर्लभ और प्राचीनतम हस्तलिखित पुस्तकें तथा पेंटिंग्स का भंडार खुदाबख्श पुस्तकालय इसकी शान है।

शहर के बीचो-बीच स्थापित आधुनिक विज्ञान तारामंडल इंदिरा गांधी विज्ञान तारामंडल अपने आप में अनोखा है। वैज्ञानिक उपकरणों और खेलों के लिए बना संग्रहालय श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र, बच्चों और विज्ञान के छात्रों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र है। 'बिहार आंदोलन' की शुरुआत यहीं से लोकनायक जयप्रकाश के नेतृत्व में की गयी थी।

सचिवालय परिषद में स्थित घड़ी की सुइयों से शहर की नब्ज पल-पल गतिशील होती रहती है। यहीं पर स्थित है न्याय का मंदिर जहां लोग न्याय पाने की लालसा में दूर-दूर से आते हैं। प्रदेश लोक सेवा आयोग का कार्यालय, मा.शि.प. का कार्यालय भी स्थित है। बिहार की राजधानी होने के कारण यह सभी सुख-सुविधाओं से युक्त एक आधुनिक शहर है। (उर्वशी)

महाभारत कथा

चन्द्र प्रभा सूद

किसका जीना सार्थक

इस संसार में उसी व्यक्ति का जीना सार्थक माना जाता है, जिसके मरने के उपरान्त लोग युगों-युगों तक उसे स्मरण करते रहें। उसके जीवन से लोग प्रेरणा लेते रहें। ऐसा व्यक्ति वही हो सकता है, जो दिन-रात समाज की भलाई के लिए बिना माथे पर शिकन लाए, हंसते हुए, निःस्वार्थ भाव से परोपकार के कार्य करता रहे। वह अपने घर-परिवार के सभी दायित्वों का निर्वहण सुचारू रूप से करता रहे। उनमें वह कभी किसी तरह की कोई कोताही न बरते।

पंचतंत्र पुस्तक में पण्डित विष्णु शर्मा ने इस विषय में कहा है-

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवरू स तु जीवति।
काकोऽपि किं न कुरूते चञ्च्वा स्वोदरपूरणम्॥

अर्थात् जिसके जीने से कई लोग जीवित रहते हैं, वही वास्तव में जीवित कहलाता है। क्या कौआ भी चोंच से अपना पेट नहीं भरता?

कहने का तात्पर्य यह है कि किसी व्यक्ति का जीवन तभी सार्थक माना जाता है जब उसके जीवन से अन्य लोगों को अपने जीवन का आधार मिलता है। सबसे तिरस्कृत होने वाले कौए जैसा जीव भी अपने उदर का पोषण करके अपना जीवन पूर्ण कर ही लेता है।

यहां कवि ने किसी अन्य का उदाहरण न देकर कौवे का उदाहरण दिया है। इसका अर्थ यह है कि कौवा स्वार्थी व मूर्ख जीव होता है। वह किसी अन्य पक्षी का भला नहीं करता। उसकी मूर्खता का लाभ कोयल उठा लेती है। वह भी काली होती है और अपने अण्डे सेने के लिए कौवे के घोंसले में रख देती है। कौवा उन्हें अपने बच्चे समझता है, पर जब बसन्त ऋतु आती है तो ज्ञात होता है कि वे कोयल के बच्चे हैं।

मनुष्य को कवि ने कौवे की तरह न बनने का परामर्श दिया है। इसी प्रकार मनुष्य को भी सदा ही सावधान रहना चाहिए ताकि कोई उसकी सरलता, सज्जनता और सहृदयता का दुरुपयोग न कर सके। किसी भी कारण से उसे ब्लैकमेल न करने पाए। उसे सदा यह भी ध्यान रखना चाहिए और सतर्क रहना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति उसे आसानी से मूर्ख बनाकर ठगने के प्रयास में सफल न हो सके।

कौवा सन्देशवाहक का कार्य भी करता है। जब कभी वह प्रिय सन्देश लाता है, तो उसे सम्मान मिलता है। इसके विपरीत जब वह अप्रिय सन्देश लाता है, तब लोग उसे कंकर मारकर भगा देते हैं। पितरपक्ष में जब उसकी आवश्यकता पड़ती है, तब आदर से उसे बुलाते हैं और खिलाकर सम्मानित करते हैं।

इसी प्रकार समाज का हित साधने वाले लोगों को वह अपनी सिर-आंखों पर बिठाता है। उनका मान-सम्मान करता है। परन्तु समाज विरोधी गतिविधियां में लिप्त रहने वाले का वह सदा ही तिरस्कृत करते हैं। इस विवेचना के अनुसार यही निष्कर्ष निकलता है कि मनुष्य को अपना हर कदम फूंक-फूंककर रखना चाहिए। उसे स्वयं ही अपनी सीमाओं के विषय में विचार करके उनका निर्धारण करना चाहिए।

मनुष्य को स्वार्थी न बनकर परोपकार के कार्यों को करते रहना चाहिए। अपना पेट तो बेजुबान जानवर भी भर लेते हैं, पर वे दूसरों के दुःख-दर्द को न समझने के कारण उनकी सहायता नहीं कर सकते। वे परोपकार के कार्य भी नहीं कर सकते हैं और न ही दान-पुण्य जैसे कार्य करके समाज का हित कर सकते हैं।

सही मायने में मानव को ही ईश्वर ने यह सामर्थ्य देकर इस धरती पर भेजा है कि वह संसार के सभी चराचर जीवों पर दया करे। उनका हर प्रकार से ध्यान रखे। वास्तव में मनुष्य कहलाने का वही अधिकारी है, जो दूसरों की परेशानियों को समझने वाला हो। उनके कठिन पलों में उनका सहारा बनने वाला हो, उन्हें सांत्वना देने वाला हो। ऐसे ही व्यक्ति को समाज युगों तक याद रखता है और उसी मनुष्य का ही जीवन सफल कहा जा सकता है। (उर्वशी)

जन-जन की आस्था का प्रतीक है अमरनाथ यात्रा

दुनिया का स्वर्ग कहलाने वाला कश्मीर यूं तो तीर्थों का घर है लेकिन कश्मीर क्षेत्र में बाबा अमरनाथ परम पावन एक ऐसा धार्मिक स्थल है जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु उसकी यात्रा कर अपने को धन्य समझते है। आदिशक्ति मां जगदंबा ने इस क्षेत्र में जहां अपना स्थायी निवास बनाया, वहीं ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने भी इसी पावन भूमि को अपना आश्रय स्थल बनाया लेकिन इनमें सर्वाधिक चर्चित तीर्थ अमरनाथ जी का है। बर्फानी बाबा अमरनाथ की गुफा हिम आच्छादित पर्वतों के मध्य 12729 फुट की ऊंचाई पर स्थित है, जहां विश्व प्रसिद्ध बर्फ का शिवलिंग है।

पर्यटन/तीर्थस्थल

चेतन चौहान

अमरनाथ में भगवान शिव का स्वयं प्रकृति द्वारा रचित हिम शिवलिंग का प्रकट होना अपने आप में कौतूहल का विषय है। यह शिवलिंग अमावस्या से पूर्णिमा तक बढ़कर पूर्ण होता है व पुनः धीरे-धीरे घट जाता है। बर्फ से ढकी पहाड़ियों में यह गुफा हजारों वर्षों तक गुप्त ही रही, लेकिन वर्षों पूर्व स्थानीय मुस्लिम गड़रिये बुट्टा मल्लिक ने श्रावण मास में इस गुफा में जब प्राकृतिक हिमलिंग को देखा तो उसने वहां के हिंदू पंडितों को इससे अवगत कराया। हिंदू पंडितों ने शिवलिंग के दर्शन कर पुराणों के आधार देकर श्रावण मास में इसकी पूजा-अर्चना कर यहां की यात्रा प्रारम्भ की थी।

धीरे-धीरे इस पावन तीर्थ का प्रचार बढ़ने से पूरे भारत से श्रद्धालु श्रावण मास में यहां की यात्रा करने लगे जो आज भी अनवरत जारी है। बाबा अमरनाथ की गुफा में पूजा-अर्चना से आने वाली धनराशि का एक भाग आज भी श्रद्धावश बुट्टा मल्लिक के वंशजों को दानस्वरूप दिया जाता है जिसने इस तीर्थ की जानकारी दी थी। बाबा अमरनाथ की यात्रा का मार्ग पहलगाम से शुरू होता है जो जम्मू से बस द्वारा 308 किमी की दूरी तय कर पहुंचा जाता है यह समुद्रतल से 7500 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। श्रद्धालु पहलगाम से 9 मील का मार्ग तय कर चन्दन बाड़ी पहुंचते हैं व बाद में इससे आगे शेषनाग जाते समय पिस्सूघाटी की 3 किमी की दुर्गम चढ़ाई तय कर 13 किमी दूर शेषनाग पहुंचते हैं। श्रद्धालु यहां बर्फीली झील के पानी से स्नान कर आगे बढ़ते हैं। इस झील के बारे ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव ने अपने गले का नाग इसी झील में त्यागा था। इस झील में सर्प की पूर्णाकृति भी नजर आती है। यह अमरनाथ यात्रा का तीसरा पड़ाव है।

यहीं से असली अमरनाथ गुफा की ओर श्रद्धालु आगे बढ़ते हैं। पहलगाम से शिव की प्रतीक 'मुबारक छड़ी' लेकर ये पूरे रास्ते बम-बम भोले के जैकारे के साथ पूरे जोश में नाचते- गाते आगे जाते हैं। इसी रास्ते में पंचतरणी है जिसकी चढ़ाई अत्यंत कठिन है चूंकि यहां महागुनस नामक पर्वत हैं जो 14800 फुट ऊंचा है। यह मार्ग बर्फ से ढंका रहता है। पर्वत पार करने पर भैरव पर्वत के दामन में पांच नदियां मिलती हैं। यहां श्रद्धालु विश्राम कर पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं। यहां की गहरी खाइयों मे बहती हिमनदी को देखकर सिहरन पैदा होती हैं। यहां बर्फानी बाबा भोलेनाथ की गुफा दिखाई देने लगती हैं व भक्तगण बर्फ के पुल को पार कर अमरगंगा तट पर स्नान कर 100 फुट चौड़ी व 150 फुट लंबी पवित्र गुफा में प्राकृतिक पीठ पर हिम निर्मित शिवलिंग के दर्शन करते हैं। गुफा के बाहर दूर-दूर तक सर्वत्र कच्ची बर्फ देखने को मिलती है। गुफा में हर तरफ पानी टपकता रहता है, लेकिन चंद्रमा की कलाओं की भांति शिवलिंग एक विशेष स्थान पर ही बनता है। इस गुफा के ऊपर पर्वत पर श्रीराम कुंड है और इसी कुंड का पानी गुफा मे शिवलिंग पर टपकता है।

इस गुफा में जगह-जगह कबूतर भी रहते हैं जो 'जय' शब्द का उच्चारण करते हैं। इन कबूतरों के बारे में कहा जाता है कि एक बार जब महादेव नृत्यमग्न थे तो उन्हें देखकर कबूतर ईर्ष्यावश गुटरगू-गुटरगू कर उन्हें बाधा पहुंचाने लगे तो शिव ने कुपित हो उन्हें श्राप दिया कि अब तुम हमेशा यहां रहकर पवित्र गुफा के दर्शनार्थियों के विघ्न दूर करोगे। तब से ये कबूतर यहां विघ्नहरणी कहलाता हैं। यात्री भी इनके दर्शन व आवाज को सुने बिना गुफा से बाहर नहीं आता। विचित्र गुफा के बाहर एक स्थान पर सफेद भस्म जैसी मिट्टी मिलती है जिसे वे अपनी देह पर मलते हैं व लौटते समय आस्थावश साथ भी लाते हैं। गुफा के दर्शनों के बाद श्रद्धालु लौटते समय मां पार्वती व गणेश का पूजन-दर्शन कर शाम को पुनः पंचतरणी लौट जाते हैं। इस तरह भगवान शिव के आराध्य भक्तजन अमरनाथ गुफा के पावन दर्शन व अलौकिक आनंद का अनुभव का अपना जीवन धन्यवान समझते हैं। (उर्वशी)

परसबनिया में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए सीमांकन कार्य पूर्ण

परसबनिया में जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य : प्रवीण कुमार सिंह

देशप्राण संवाददाता

बलियापुर : पूर्व निर्धारित तिथि एवं समय के अनुसार आज परसबनिया में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार को हस्तांतरित भूमि का सीमांकन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ज्ञात हो कि यह प्लांट हाल सर्वे खाता संख्या 58 पर बनाई जा रही है जो अनाबाद झारखंड सरकार की जमीन है। जिसे नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार को हस्तांतरित की गई है।

इसमें कुछ रैयतों के द्वारा जमीन में रैयती दावा किया जा रहा था, जिसे अंचल अधिकारी के द्वारा सत्यापित किया गया और स्पष्ट किया गया कि यह जमीन पूरी तरह अनाबाद, झारखंड सरकार की जमीन है, जिसे संबंधित विभाग को स्थानांतरित किया गया है। पूर्व में भी जमीन पर सीमांकन कार्य करने का प्रयास किया गया था लेकिन कुछ असामाजिक व्यक्तियों के द्वारा कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया था, जिसके आलोक में अंचल अधिकारी बलियापुर के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी धनबाद को पत्र लिखकर पर्याप्त संख्या में पुरुष एवं महिला बल की मांग की गई थी। आज पुरुष एवं महिला बल की उपस्थिति में सीमांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जल्द ही इस जमीन पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। मापी कार्य के समय कुछ व्यक्तियों द्वारा अनावश्यक विरोध किया जा रहा था। इसके बाद अंचल अधिकारी ने कहा कि यदि आपको अंचल अधिकारी या किसी अन्य प्राधिकार के आदेश से कोई परेशानी है तो आप सक्षम न्यायालय के शरण में जा सकते हैं। लेकिन स्थल पर आप कानून को तोड़ने का प्रयास नहीं करें।

ऐसा करने पर आपके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। मौके पर कुछ ऐसे व्यक्ति भी थे जो रैयतों को भड़काने का प्रयास कर रहे थे। अंचल अधिकारी ने उन्हें चिन्हित कर चेतावनी दी कि यदि आपके द्वारा ऐसा किया जाएगा तो आप पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली 6 मई को, मल्लिकार्जुन खडगे होंगे शामिल

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिला कांग्रेस कार्यालय के सभागार में झारखंड प्रदेश के प्रवक्ता सोनल शांति, शांतनु मिश्रा, ऋषिकेश सिंह, पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता किया।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस के राज्य स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन अब 6 मई को पुराना विधानसभा मैदान रांची में किया जाएगा। रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल होंगे।

उन्होंने आगे बताया की रैली के बाद प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित समिति की बैठक भी होगी जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे और के सी वेणुगोपाल भी उपस्थित रहेंगे। यह झारखंड कांग्रेस के लिए हर्ष का विषय है कि झारखंड निर्माण के बाद पहली बार प्रदेश कार्य समिति के बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी होगी। झारखंड में संविधान बचाओ रैली ऐतिहासिक होगा। नेताओं कार्यकर्ताओं सहित आम जनता में उत्साह है अपने अधिकारों के प्रति जनता जागरूक है और संविधान रक्षा की इस लड़ाई में पूरी तरह से हमारे साथ खड़ी है। कांग्रेस आम लोगों के अधिकारों का दमन नहीं होने देगी। संविधान रक्षा की लड़ाई हर स्तर पर लड़ी जाएगी। पलामू जिला से हजारों की संख्या में लोग इस रैली में भाग लेंगे। संविधान बचाओ रैली को सफलता के लिए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक के नेतृत्व में लगातार पलामू जिला के सभी प्रखंडों में बैठक की जा रही है।

पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से 20 सूत्री की उपाध्यक्ष विमला कुमारी शमीम अहमद रायन, शैलेश चंद्रवंशी, शंकर पांडे, ललित सिंह, अजय साहू, तुलसी पासवान, सज्जाद अली, जितेंद्र पांडे इत्यादि लोग उपस्थित थे।

खबर कोना

सतगावां में मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

कोडरमा : 17 अप्रैल को सतगावां थानांतर्गत स्थित सिपाही होटल से एक मोटरसाइकिल चोरी की घटना घटित हुई। इस संबंध में सतगावां थाना कांड सं0-36/25 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। चोरी की घटना का उद्भेदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कोडरमा के द्वारा सतगावां थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों के गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापामारी के दौरान पनफेड़वा कटैया जंगल से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोहित कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता-श्याम सुन्दर राजवंशी, ग्राम- धनधारी, थाना- नेमदारगंज,जिला- नवादा (बिहार) निवासी के रूप में हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से ब्लू रंग की एक ' कम्पनी का मोटरसाईकिल,रेड कम्पनी का एक मोबाईल बरामद किया गया है।छापामारी दल में सतगावां थाना से रौशन कुमार पासवान,अरविंद कुमार, समेत सशस्त्र बल शामिल थे।

डीनोबिली सिंदरी की छात्रा पल्लवी 10 वीं में बनी टॉपर

सिंदरी : डीनोबिली स्कूल सिंदरी की छात्रा पल्लवी पाठक ने आईसीएसई दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल की टॉपर बनी। पल्लवी ने हिस्ट्री सिविक्स में 100 प्रतिशत, गणित में 98 विज्ञान में 95 अंग्रेजी में 90 हिंदी में 98 कंप्यूटर में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। पल्लवी अपने नाना शंकर पाण्डेय और नानी मीनाक्षी पाण्डेय, मामा सिद्धार्थ, राहुल, अभिषेक पाण्डेय के पास रहकर पढ़ाई कर रही है। शहीद आर्मी जवान राजा पाठक की पुत्री है। इस सफलता पर माता पूजा पाठक, दादा रवींद्र पाठक, दादी पुष्पा देवी सहित ननिहाल के मामा - मामी ने बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की कामना की है। पल्लवी ने कहा मेरा लक्ष्य आईएएस बनने का है। मेरी सफलता में स्कूल के साथ परिजनों, मोबाइल से एवम कोचिंग का मार्गदर्शन का सहयोग रहा है। पल्लवी ने कहा मोबाइल का उपयोग ज्ञान अर्जित करने के लिए करना चाहिए, ना कि मनोरंजन के लिए।

दुबे अखाड़ा में धूमधाम से मनायी गयी परशुराम जयंती

सिंदरी : दुबे अखाड़ा में भगवान परशुराम की जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धाभाव से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन वेद प्रकाश ओझा की देखरेख में किया गया, जिसमें सिंदरी के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परशुराम जयंती के इस अवसर पर दुबे अखाड़ा में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। भगवान परशुराम की प्रतिमा को विशेष रूप से सजाया गया था और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात, भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल का आनंद लिया। कार्यक्रम के आयोजक वेद प्रकाश ओझा ने भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम शक्ति और न्याय के प्रतीक हैं और उनके जीवन से हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने और धर्म की रक्षा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से भगवान परशुराम के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर सिंदरी के कई प्रतिष्ठित नागरिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और भगवान परशुराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। सभी ने मिलकर भगवान परशुराम की आरती गाई और प्रसाद वितरण में भाग लिया। दुबे अखाड़ा में आयोजित यह परशुराम जयंती समारोह शांति और सद्भाव का प्रतीक बना, जिसमें सभी वर्ग के लोगों ने मिलकर भगवान परशुराम का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक दूसरे को बधाई दी और इस सफल आयोजन के लिए वेद प्रकाश ओझा और उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज में द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर की कदाचार मुक्त परीक्षा जारी

विश्रामपुर (पलामू) : रेहला संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज में बी ए और बी कॉम के सेमेस्टर दो व तीन का परीक्षा कदाचारमुक्त चल रहा है। केंद्राधीक्षक के के चौबे व दंडाधिकारी ओम प्रकाश चंद्रवंशी ने बुधवार को परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्राधीक्षक श्री चौबे ने बताया कि बुधवार को कुल 475 छात्र - छात्रा परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के सफल संचालन में परीक्षा नियंत्रक शशि रंजन सिंह,डॉ श्याम मिश्रा, टी पी तिवारी,ज्योति कुमारी, डॉ कुमारी संगीता,चंद्र प्रकाश चौबे,डॉ सुनील कुमार यादव,राकेश शुक्ला,संतोष शुक्ला सहित सभी व्याख्याता व कॉलेज कर्मी अपनी अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं।

प्रयास इंडिया ने वार्षिक उत्सव 'रेनबो 2025' स्वर-संगीत की अद्भुत प्रस्तुति का किया भव्य आयोजन

देशप्राण संवाददाता

सिंदरी : बीआईटी सिंदरी के छात्रों द्वारा संचालित सामाजिक संस्था प्रयास इंडिया ने अपने वार्षिक उत्सव 'रेनबो 2025' के अंतर्गत आज स्वर-संगीत की अद्भुत प्रस्तुति 'सुर संग्राम' का भव्य आयोजन किया। इस गायन प्रतियोगिता में संस्थान के विभिन्न विभागों के प्रतिभाशाली छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुर, ताल और भाव की त्रिवेणी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, सूफी, बॉलीवुड और लोकगीतों की विविध प्रस्तुतियों से अपनी गायन प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। हर एक प्रस्तुति पर दर्शकों की तालियों की गूंज और वातावरण में गूंजते सुरों ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया।

इस कार्यक्रम के निर्णायक मण्डल में शास्त्रीय संगीत के प्रख्यात गायक शादाब शमीम सर ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रत्येक प्रस्तुति का सूक्ष्म मूल्यांकन करते हुए प्रतिभागियों को गायन की बारीकियों और आत्म-अभिव्यक्ति के महत्व पर प्रेरणादायक सुझाव भी दिए।

'सुर संग्राम' का उद्देश्य सिर्फ प्रतियोगिता कराना नहीं था, बल्कि छात्रों के भीतर छिपी संगीत प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और कला के प्रति संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना भी था।

इस संगीतमय आयोजन को सफल बनाने में प्रयास इंडिया के समर्पित स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

वन नेशन- वन इलेक्शन पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल

देशप्राण संवाददाता

धनबाद : वन नेशन वन इलेक्शन के बारे में जनसमूह को जागरूक तथा इसकी उपलब्धि को लेकर बुधवार को बाघमारा विधानसभा अंतर्गत कतरास कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य वक्ता कतरास कॉलेज के प्राचार्य (डॉ.) वीरेंद्र कुमार ने संबोधित कर युवाओं को एक राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता, उसके दूरगामी लाभ एवं राजनीति भूमिका पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। उपस्थित धनबाद सांसद दुल्लू महतो ने अपने संबोधन में कहा एक देश एक चुनाव होने से आमजनों को मतदान में करने में सहूलियत होगी, साथ ही राजस्व खर्च कम होगा, जो देशवासियों के काम आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में विगत वर्षों में देश की संसद में अनेक ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं, जिसमें प्रगतिशील परिवर्तन देखने को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी की यह सोच राष्ट्रहित में है और इसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होंगे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने अपने संबोधन में कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम लगातार विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। एक देश एक चुनाव का निर्णय भी निश्चित ही राष्ट्रीयहित में साबित होगा। इससे न केवल देश को आर्थिक लाभ होगी बल्कि सरकारों और जनप्रतिनिधियों को भी जनता की सेवा करने का अधिक समय मिलेगा जो बार - बार चुनाव होने से बाधित होता है। भाजपा जिला महामंत्री मानस प्रसून ने कहा बार - बार चुनाव करवाने से न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी होती है बल्कि प्रशासनिक कार्यों और विकास योजनाओं पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। व्यवसायियों और आम जनता को काफी कठिनाईयों का सामना झेलना पड़ता है। भारतीय जनता युवा के प्रदेश महामंत्री रुपेश सिन्हा ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन देश के चुनाव प्रणाली सरल बनाएगी बल्कि बार-बार आचार संहिता से रुकने वाली विकास कार्यों को गति मिलेगी।

कुंदरी लाह बागान होगा पुनर्जीवित, उपायुक्त ने किया निरीक्षण

मेदिनीनगर : एशिया फेम कुंदरी लाह बागान का रौनक बढ़ेगी। इसे पुनर्जीवित किया जाएगा। यहां लाह के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इसको प्रशासनिक कवायद शुरू कर दी गई है। लाह बागान को पुनर्जीवित करने को लेकर उपायुक्त शशि रंजन जिले के पदाधिकारियों एवं वन विभाग के पदाधिकारियों के साथ नीलाम्बरपुर-पीताम्बरपुर स्थित कुंदरी लाह बागान का निरीक्षण कर वहां उत्पादन हो रहे लाह के संबंध में जानकारी ली। साथ ही खुशनुमा शाम में मनोहारी दृश्यों का अवलोकन किया। उन्होंने लाह बागान में बने तालाब का भी निरीक्षण किया। तालाब की गहराई,उसमें जमा पानी आदि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कुंदरी लाह बागान पलामू के लिए बड़ी चीज है। उन्होंने पदाधिकारियों को इसे पुनर्जीवित करने एवं तालाब का जीर्णोद्धार करने की पहल तेज करने का निदेश दिया। उन्होंने सखी मंडल की महिला सदस्यों से बातचीत की और उनसे लाह उत्पादन की अद्यतन स्थिति का जाना।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर कार्यशाला का आयोजन

पलामू को बाल विवाह मुक्त करने में सभी करें सहयोग: डीडीसी

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर बाल विवाह की रोकथाम को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। समाहरणालय के ब्लॉक-सी स्थित सभागार में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने बाल विवाह की शिकायत मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की बातें कही। उन्होंने सभी से 2025 तक पलामू जिले को बाल विवाह मुक्त करने के लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करने की अपील की।

कार्यशाला के दौरान बाल विवाह रोकने हेतु उपाय पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें पदाधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्य एवं प्रयासों के अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से शादी के लिए मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य दस्तावेज के रूप में रखने, सभी बच्चियों एवं उनके अभिभावक की शपथ पत्र लेने, पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव विवाह पंजी संधारित करने, पंचायत में होने वाली शादियों की जानकारी देने, कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं अन्य सभी स्कूलों में किशोर/किशोरियों के बीच जागरूकता अभियान चलाने, होटल, धर्मशाला, धार्मिक स्थलों के प्रधानों के साथ संयुक्त बैठक कर बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जागरूक करने, सभी विभागों के आपसी समन्वय से बाल विवाह की रोकथाम का प्रयास करने, बाल विवाह की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई करने आदि का निर्णय लिया गया।

पलामू को दुर्घटना मुक्त करने में प्रयासरत है वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल का सामाजिक संस्था है वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट जो लगातार जनहित में कार्य कर रही है कि पलामू में सड़क दुर्घटनाएं ना के बराबर हो इसके मद्देनजर यह टीम हमेशा विभिन्न स्कूल, कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करती है साथ ही यह टीम तमाम बच्चों से यह अपील करती है कि आप अपने अभिभावकों को इसके लिए अवश्य जागरूक करें।आज का सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान स्टेशन रोड स्थित रोटरी स्कूल में आयोजित था। इस अवसर पर बोलते हुए संस्था की सचिव शर्मिला वर्मा ने कहा कि हमारी टीम वरदान लगातार प्रयासरत है कि लोग सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हों। तमाम सुरक्षा नियमों का ईमानदारी से पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए मोटिवेट करें। अगर एक भी व्यक्ति हमारी बातों पर अमल करके दुर्घटना से बच जाता है तो यही हमारे इस अभियान की सफलता है। ट्रैफिक इंचार्ज शमाल अहमद ने बच्चों को सड़क पर सुरक्षा नियमों को तोड़ने पर दंड के प्रावधान की बातें बताई और कहा कि हमारा उद्देश्य आपको फाइन करना नहीं है लेकिन सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने पर हमें इसके लिए बाध्य हो जाते हैं। मयूरेश द्विवेदी ने सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए इससे होने वाले नुकसान की बात कही। पंकज लोचन ने कहा कि स्कूल आते जाते समय भी तमाम सुरक्षा नियमों का पालन आपके लिए बेहद जरूरी है। विवेक वर्मा ने बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी न चलाने की बात कही। लक्ष्य श्रेष्ठ ने राईडिंग गियर को स्कूल यूनिफॉर्म की तरह जरूरी बताया और कहा कि अपने सिर को चोट लगने से हमेशा बचाएं। बस में भी इस बात का ध्यान रखें। तमाम वक्ताओं के स्पीच के बाद स्नेहा ओझा ने बच्चों से सड़क सुरक्षा से जुड़े इंटरेस्टिंग सवाल पूछे और सही जवाब देने वालों को टीम की ओर से कॉपी ,पेन इनाम स्वरूप दिए।

ग्रिजली विद्यालय में विद्यार्थी संस्कार शिविर व योग कार्यशाला का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली विद्यालय, कोडरमा में पतंजलि हरिद्वार के तत्वावधान में विद्यार्थी संस्कार शिविर एवं योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पतंजलि हरिद्वार से पधारे योग गुरु स्वामी रामदेव जी के शिष्य केंद्रीय युवा प्रभारी विश्वदेव जी एवं योग प्रशिक्षक कौशल देव जी ने सभा में उपस्थित सभी को भारतीय संस्कृति एवं योग के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसे विश्वदेव जी, कौशल देव जी, विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी एवं वहां उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा संपन्न किया गया। तत्पश्चात प्राचार्या अंजना कुमारी ने स्वागत भाषण देकर अतिथियों का अभिवादन किया।

योग सत्र का संचालन पतंजलि प्रशिक्षकों विश्वदेव जी और कौशल देव जी के साथ-साथ महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी चंद्रलता बर्णवाल, राज्य कार्यकारिणी सदस्य कालावती देवी एवं पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रामपुकार भारती द्वारा किया गया। अनेकों छात्र-छात्राओं ने इस योग सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के योग शिक्षक उमेश विश्वकर्मा, नेहा कुमारी एवं उनके छात्रों – लव कुमार शर्मा, आदित्य कुमार सिंह, रोहन कुमार, ओम कुमार शर्मा, शुभम कुमार राणा, पीहू कुमारी, साक्षी एवं सिद्धि – ने अतिथियों के साथ मिलकर योग प्रदर्शन किया।

प्रशिक्षकों ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, मानसिक मजबूती एवं योग की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्फूर्ति प्राप्त होती है, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता में वृद्धि, तनाव में कमी, अनुशासन में सुधार एवं सकारात्मक सोच का विकास होता है। साथ ही पाचन तंत्र, श्वसन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बेहतर होती है। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि स्वस्थ मन एवं स्वस्थ तन ही एक आदर्श जीवन का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर अतिथियों को पौधा और भगवद गीता भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म का सुंदर परिचय मिला। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के शिक्षकगण अमित दास, नेहा कुमारी, सदन कुमार, शालिनी सिन्हा, सह-शैक्षिक समन्वयक आर.आर. सिंह, रूपेश कुमार, पिंकी कुमारी, विकास कुमार एवं कुमार हर्ष की उपस्थिति सराहनीय रही। संचालन एवं व्यवस्थापन में स्वयंसेवकों रूपेश कुमार, आयुष कुमार एवं प्रतीक परमार की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन मनीषा चंद्रा ने किया।

यह आयोजन न केवल योग के शारीरिक लाभों की जानकारी का माध्यम बना, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और संपूर्ण व्यक्तित्व विकास की भावना को भी जाग्रत करने में सफल रहा।

गिरिडीह : बोक्सा ट्रस्ट के सौजन्य से सात दिवसीय नि:शुल्क नेत्र शिविर का शुभारंभ

देशप्राण संवाददाता

गिरिडीह : जनसेवा की भावना को आगे बढ़ते हुए बोकारो ओल्ड जेवियरियंस एलुमिनी ट्रस्ट (बोक्सा ट्रस्ट) द्वारा टुंडी रोड स्थित श्री दुर्गा माता शिशु विद्या मंदिर, मोहनपुर में बुधवार को सात दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड सरकार के शहरी विकास, युवा मामले, पर्यटन एवं उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया।

अपने उद्बोधन में मंत्री ने बोक्सा ट्रस्ट और शंकर नेत्रालय की इस संयुक्त पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि, इस्वास्थ्य सेवा प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है, और जब समाज स्वयं आगे बढ़कर इसे साकार करता है, तो यह एक नई सामाजिक चेतना की शुरुआत होती है।इह उन्होंने ऐसे शिविरों को समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचने वाला वास्तविक विकास करार दिया।

मौके पर मौजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के गिरिडीह जिला अध्यक्ष संजय सिंह का विशेष सहयोग एवं सक्रिय समर्थन और जनहित में समर्पण के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक और ट्रस्ट के संस्थापक अरविन्द चोपड़ा ने ट्रस्ट की स्वास्थ्य यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ट्रस्ट न सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन है – जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में लगातार सक्रिय है। उन्होंने बताया कि यह शिविर शंकर नेत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया है, ताकि दूरदराज के ग्रामीण अंचलों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की नेत्र चिकित्सा सुलभ हो सके। बताया गया कि शंकर नेत्रालय के ट्रस्टी मेहर चंद लंका इस सहयोग को सुनिश्चित करने में मुख्य सेतु रहे।ट्रस्ट ने उनकी इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया। बताया गया कि इस शिविर को सफल बनाने में स्वर्णिम कांत और कार्तिक रामकृष्णन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनके उदार सहयोग ने इस सेवा-यज्ञ को संभव बनाया।

डीसी ने लगाया जनता दरबार, विभिन्न प्रखंडों से आये फरीयादी, समस्याओं से कराया अवगत

आमजनों की समस्याएं हो रही हैं दूर : उपायुक्त

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमलोगों को देने की दिशा में प्रशासन की टीम तत्परता के साथ कार्य कर रही है। योजनाओं का सीधा लाभ लेने में जरूरतमंद व योग्य व्यक्तियों को समस्या उत्पन्न नहीं हो, इसके लिए जनता दरबार के माध्यम से उनकी शिकायतें सुनी जा रही है। उपायुक्त के स्तर पर प्रत्येक बुधवार को समाहरणालय में जनता दरबार एवं प्रत्येक माह के द्वितीय गुरुवार को छतरपुर तथा प्रत्येक माह के चतुर्थ गुरुवार को हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय परिसर में कैंप कार्यालय का अधिष्ठापन कर आमजनों की समस्याएं सुनी जा रही है। साथ ही निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निदान किया जा रहा है।

समाहरणालय में प्रत्येक बुधवार को आयोजित हो रहे जनता दरबार के तहत आज विभिन्न प्रखंडों से 32 लोग पहुंचे। उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए उससे संबंधित आवेदन दिया और समस्या हल करने की गुहार लगाई। उपायुक्त शशि रंजन ने भी विभिन्न फरीयादियों से बारी-बारी से मिले, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना, उनके आवेदनों को पढ़ा और कई लोगों को तत्काल समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। वहीं कुछ आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए प्राथमिकता के तहत समस्या दूर करते हुए आवेदनों का निष्पादन कर संबंधित व्यक्तियों को लाभान्वित करने एवं निष्पादन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निदेश दिया।

उपायुक्त के जनता दरबार में आज नेउरा गांव निवासियों ने रैयती भूमि पर जबरन कब्जा जमाने की शिकायत करते हुए कब्जाधारियों से उसे मुक्त करने की गुहार लगाई। वहीं सदर प्रखंड के सिंगरा कला निवासी मनमोहन प्रसाद सिंह, उमाशंकर सिंह सहित अन्य ने फोर लेन सड़क निर्माण हेतु अर्जित की गई गैरमजरूआ भूमि के रैयती मान्यता हेतु प्रस्ताव के अनुमोदन के संबंध में जानकारी देते हुए उससे संबंधित आवेदन दिया। वहीं वार्ड संख्या 9 के ग्राम सुदना निवासी ने निजी निबंधित भूमि को दलाल एवं भू-माफियाओं द्वारा जबरदस्ती अवैध तरीके से एकरारनामा कर अवैध तरीके से बिक्री करने को लेकर संबंधित व्यक्तियों पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। वहीं सुल्तानी के एक व्यक्ति ने क्रशर संचालक द्वारा निर्धारित नियम के विरूद्ध प्लांट को संचालित कर प्रदूषण फैलाने को लेकर शिकायत दर्ज कराया है। वहीं ग्रीन राशन कार्ड में के.वाई.सी नहीं होने को लेकर हुसैनाबाद के महुअरी गांव निवासी मनीषा सिंह ने शिकायत दर्ज कराते हुए उचित कार्रवाई करते हुए के.वाई.सी के लिए निर्धारित समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। इसके अलावा अन्य लोगों ने भूमि विवाद, चारदीवारी के कार्य को रोकने, अवैध कब्जाधारियों से भूमि को मुक्त कराने, सुरक्षा प्रदान करने, बच्चों का नामांकन कराने, दाखिल खारिज कराने, भूमि का दखल कब्जा कराने सहित अन्य समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराते हुए समस्या दूर करने का अनुरोध किया।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

मेदिनीनगर : मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय (केन्द्रीय पुस्तकालय) साहित्य समाज को और सुदृढ किया जायेगा। वहीं यहां सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। इसे लेकर उपायुक्त-सह- पुस्तकालय के अध्यक्ष शशि रंजन के निदेश पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में पुस्तकालय में जिला पुस्तकालय के प्रबंध समिति की बैठक हुई। इसमें पुस्तकालय के सुदृढीकरण एवं पुस्तकालय में सुविधाओं में विस्तार को लेकर चर्चा हुई। साथ ही पुस्तकालय के सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विभिन्न प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले सुधि पाठकों, विद्यार्थियों की नवीनतम जानकारी के लिए नई और अद्यतन पुस्तकों की खरीद का निर्णय लिया गया। इसके लिए पुस्तकों की सूची भी तैयार की जा रही है। वहीं 25 के.वी को सोलर पैनल प्रणाली स्थापित किया जायेगा, ताकि बिजली कट की स्थिति में सोलर पैनल प्रणाली के माध्यम से पावर बैकअप दिया जा सके। विशेष पुस्तकालय अनुभाग तथा एक आईटी अनुभाग का निर्माण हेतु विचार-विमर्श हुआ। पुस्तकालय में इसके नाम डिस्पले बोर्ड लगाने, रंग-रोगन, सीसीटीवी कैमरा का अधिष्ठापन, अतिरिक्त वाटर कूलर सह प्यूरीफायर लगाने का निर्णय लिया गया। वहीं पुस्तकालय के सभी सामग्री को आसानी पूर्वक ट्रैकिंग के लिए रेडियो-फ्रीक्वेंसी पहचान उपकरण की व्यवस्था, अग्निशामक यंत्र लगाने, कुर्सी की मरम्मति करने, अतिरिक्त महिला सफाई कर्मी, अतिरिक्त सुरक्षा प्रहरी, पुराने समाचार पत्रों के निपटान, जिला पुस्तकालय की भूमि पर बने दुकानों की मरम्मति करने सहित पुस्तकालय के सुदृढ़ीकरण एवं सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई अन्य बिंदुओं पर निर्णय लिए गए।

शोभायमान बन कर रह गया है जल जीवन मिशन के तहत बनाया गया जलमीनार

देशप्राण संवाददाता

विश्रामपुर पलामू : जल जीवन मिशन के तहत हर घर पाइप-लाइन से पहुंचाई जाने वाली जल नल योजना गांव में केवल कहानी सुनाने को बन कर रह गया है। जनवरी 2023 में निविदा आमंत्रित कर संवेदक को स-समय कार्य पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन संवेदक के द्वारा कार्य में तेजी नहीं लाई गई। निविदा होने के लगभग 28 माह बाद भी कार्य नहीं कराया जा सका। संवेदक की लापरवाही के कारण गांव में जैसे तैसे बिछाई गई जल नल योजना केवल दिखावा मात्र बनकर रह गई है। इस पर ना तो विभाग गंभीर है और न ही संवेदक के द्वारा कार्य में रुचि दिखाई जा रही है। नतीजतन सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना स्वयं को मुंह चिढ़ा रही है। लोग पेयजल के लिए भटक रहे हैं।

विश्रामपुर बीडीओ राजीव सिंह बुधवार को भंडार पंचायत के टोना गांव स्थित बलुआहा टोला पहुंचे। जहां शोभायमान बनी जलमिनार की स्थिति देख काफी भड़क उठे। उन्होंने तत्काल संवेदक को दूरभाष पर खरी खोटी सुनाई। साथ ही कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। संवेदक के द्वारा जलमिनार से पाइप लाइन का कनेक्शन नहीं किया गया है। जिसके कारण गांव व टोले के लोगों को पानी मयस्सर नहीं हो पा रहा। प्रचंड गर्मी में लोगों को प्यास बुझाने के लिए पानी को ले भटकना पड़ रहा है। बीडीओ राजीव सिंह ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पाइपलाइन बिछाई जानी है।

नक्सली संगठन टीएसपीएस ने विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय पर चिपकाया पोस्टर

देशप्राण संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) : प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीएस के द्वारा विश्रामपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय के प्रवेश द्वार पर पोस्टर चिपकाया गया है। पोस्टर चिपकाने की घटना मंगलवार की रात की है। जिसे बुधवार की दोपहर देखा गया। दोपहर बारह बजे तक पोस्टर पर किसी की निगाह नहीं पड़ा। कार्यालय के एक आदेशपाल की नजर उस पर गई। जिसने प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण पर निकले बीडीओ राजीव कुमार सिंह को दूरभाष पर इसकी जानकारी दी। बीडीओ श्री सिंह ने इसकी सूचना विश्रामपुर पुलिस को दी। जहां विश्रामपुर पहुंच पोस्टर को अपने कब्जे में लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दिया है। बताया कि इसे ले अज्ञात नक्सली संगठन के उपर प्राथमिकी दर्ज कराई की जाएगी।

घासीदाग पंचायत भवन पर भी नक्सलियों के द्वारा चिपकाया गया पोस्टर : नक्सली संगठन टीएसपीएस के द्वारा विश्रामपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत घासीदाग के पंचायत भवन के दीवार पर भी पोस्टर चिपकाया गया है। मुखिया द्वारा सूचना मिलने पर विश्रामपुर थाना प्रभारी सौरभ चौबे कई पुलिस पदाधिकारियों व जवानों के साथ वहां पहुंचे और पोस्टर को उखाड़ दिया।

पोस्टर में नक्सलियों के द्वारा मजदूर दिवस जिंदाबाद,शिकागो के वीर शहीदों को सत सत नमन, शोषण - जुल्म के खिलाफ मजदूरों को एक होने का आह्वान, शोषण, जुल्म, अत्याचार, भ्रष्टाचार मिटाना है तो शस्त्र आंदोलन तेज करो, बीडीओ, बिचौलिया, मुखिया हो रहे मालामाल, पुलिस दलाल होशियार, मार्क्सवाद - लेनिनवाद माओ विचारधारा जिंदाबाद सहित कुल बारह नारा लिखा हुआ है।

स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद स्थित रेहला जेबो हाई स्कूल के सभागार में बुधवार को स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम की सफलता को ले प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव सिंह व संचालन शिक्षक मनोज कुमार द्विवेदी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ राजीव सिंह, जिला परिषद विजय रविदास, सांसद प्रतिनिधि अनूज पांडेय, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईईओ) महेंद्र प्रजापति, बीपीएम सतीश तिवारी, बीआरपी मनोज पाठक, अखिलेश दुबे आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

बैठक का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना व शत-प्रतिशत बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के संकल्प को मजबूत बनाना था। बीडीओ राजीव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ₹स्कूल रुआर 2025₹ एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य 5 से 18 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा में लाना है। उन्होंने कार्यक्रम की मुख्य बिंदुओं पर विशेष जोर दिया, जिसमें 5 वर्ष से ऊपर सभी बच्चों का आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना। विद्यालय में नामांकित 5 से 18 वर्ष के बच्चों की नियमित उपस्थिति दर्ज करना। विद्यालय से बाहर रह गए बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन व उपस्थिति सुनिश्चित करना है।

अप्रवासी, अनामांकित व विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन कर नामांकन व उपस्थिति सुनिश्चित करना। पिछले वर्षों में कक्षा 1 से 11 तक नामांकित बच्चों का अगले कक्षाओं में नामांकन सुनिश्चित करना। सभी बच्चों की उपस्थिति को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर दर्ज करना व नियमित अनुश्रवण करना। नव-नामांकित बच्चों की सतत उपस्थिति सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं। बैठक में पंचायती राज प्रतिनिधियों, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों व विद्यालयों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

चेहरा प्रमाणीकरण की उपलब्धि हासिल नहीं करने पर सीडीपीओ व सुपरवाइजर का रूकेगा वेतन : डीडीसी

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समाहरणालय के ब्लॉक सी स्थित सभागार में समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने टी.एच.आर. एवं पोषाहार की समीक्षा की। वहीं विभागीय देशानिदेश के आलोक में सभी लाभुकों का चेहरा प्रमाणीकरण (चेहरा सत्यापन) करने का सख्त निदेश दिया। उन्होंने 10 मई तक 50 प्रतिशत एवं मई माह के अंत तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करते हुए चेहरा प्रमाणीकरण करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि मई माह के अंत तक उपलब्धि हासिल नहीं करने की स्थिति में संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षकों का वेतन अवरूद्ध करने की कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने पोषण ट्रेकर के सभी इंडिकेटर पर शत प्रतिशत प्रविष्टि का निदेश दिया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सीएएस लाभुक का सत्यापन दस दिनों के अंदर हर हाल में करने एवं नये लाभुकों का प्रविष्टि लक्ष्य के अनुरूप करने का निदेश दिया।

उप विकास आयुक्त ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार कर बच्चों को शिक्षा देने, अभिभावकों के साथ बैठक कर बच्चों को स्कूल भेजने हेतु प्रेरित करने का निदेश दिया।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका चयन पंजी विभागीय निदेश के आलोक में यदि किसी परियोजना द्वारा सात दिनों के अंदर कार्यवाही पंजी जमा नहीं किया जाता है तो उसे जिला में स्वीकार नहीं की जायेगी। सभी रिक्त पदों एवं 30 अप्रैल को सेवानिवृत्ति उपरांत रिक्त पदों के लिए 3 मई तक सूचना प्रकाशित करते हुए 31 मई तक चयन कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी केन्द्रों का पोषक क्षेत्र का सीमांकन दो मई तक करने का निदेश दिया, ताकि चयन के समय किसी तरह का विवाद नहीं हो। उन्होंने जाति बहुलता का भी सर्वे कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया।

उन्होंने सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक प्रतिदिन केन्द्र निरीक्षण करने एवं जीयो टैगिंग के संबंध में फोटो भेजने का निदेश दिया, ताकि उसका अनुश्रवण किया जा सके। उप विकास आयुक्त ने केन्द्रों को उपलब्ध कराए गए प्री-स्कूल किट की जांच करने एवं टीवी इंस्टॉल कराने का निदेश बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को दिया। ऐसा नहीं करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने आधारभूत संरचना का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करने, जहां भवन बना हुआ है, वहां हस्तगत करवाते हुए केन्द्र का संचालन करने एवं किराया पर संचालित केन्द्रों के लिए भूमि चिन्हित करने का निदेश दिया, ताकि आंगनबाड़ी केन्द्र भवन का निर्माण कराया जा सके।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में औषधीय पौधारोपण एवं एक भारत -श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का आयोजन

देशप्राण संवाददाता

हुसैनाबाद : पीएम श्री स्कूल +2 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में मंगलवार को औषधीय पौधा रोपण कार्यक्रम तथा ाएक भारत श्रेष्ठ भारतह विषयक विशेष आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत परिसर में तुलसी, गिलोय, नीम आदि औषधीय पौधों के रोपण से हुई। छात्राओं, शिक्षिकाओं, अभिभावक सदस्यों और अतिथियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

वार्डन किरण कुमारी सिंह ने औषधीय पौधों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ये पौधे सिर्फ हमारे पर्यावरण को स्वच्छ नहीं रखते, बल्कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि तुलसी, गिलोय, नीम जैसे पौधे न केवल सामान्य रोगों से बचाते हैं, बल्कि मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति भी प्रदान करते हैं। बच्चों को ऐसे पौधों से जुड़ने की प्रेरणा मिलनी चाहिए, ताकि वे अपने आसपास की प्रकृति को समझें और उसका संरक्षण करें।

पंचायत की मुखिया सरिता कुमारी ने भी अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को प्रकृति से जोड़ने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों का महत्व हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले समझ लिया था। आज इन्हें पुनः अपनाने की आवश्यकता है, ताकि अगली पीढ़ी स्वस्थ और जागरूक बन सके।

पौधारोपण के पश्चात विद्यालय में ाएक भारत श्रेष्ठ भारतह विषय पर आधारित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वार्डन किरण कुमारी सिंह के वक्तव्य से हुई। उन्होंने कहा कि ाएक भारत श्रेष्ठ भारतह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत बच्चों को देश के विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली की जानकारी दी जाती है। इससे विद्यार्थियों में एक-दूसरे के प्रति सम्मान और समझ की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता में निहित एकता है, और यह कार्यक्रम उसी भावना को सशक्त करता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे देश की विविध संस्कृतियों को जानें, समझें और उसका सम्मान करें, तभी हम सच्चे अर्थों में एक भारत, श्रेष्ठ भारत बना पाएंगे।

हुसैनाबाद निवासी अशोक कुमार सिंह को दिया जायेगा प्रतिष्ठित एलुमनाई अवार्ड

देशप्राण संवाददाता

हुसैनाबाद : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) का 64वां दीक्षांत समारोह 03 मई को शाम 4:30 बजे संस्थान परिसर में आयोजित होगा। इसमें बैच 2023-2025 के 312 विद्यार्थियों को डिप्लोमा वितरित किए जाएंगे। झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय विकास सलाहकार विल्हेम वाज होंगे। इस वर्ष का फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल प्रतिष्ठित एलुमनाई अवार्ड रूरल डेवलपमेंट के 1979-81 बैच के अशोक कुमार सिंह को दिया जाएगा। वे सहभागी शिक्षण केंद्र (एसएसके), लखनऊ, उत्तर प्रदेश के संस्थापक निदेशक हैं और हुसैनाबाद के महुअरी गांव के निवासी हैं। उन्हें मिलने वाले इस अवार्ड पर पलामू जिला परिषद उपाध्यक्ष सह युवा झामुमो नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह ने उन्हें अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि अशोक जी को इस उपलब्धि पर हुसैनाबाद का महुअरी गांव समेत पूरा जिलावासी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

विदित हो कि दीक्षांत समारोह में 24 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए जाएंगे। साथ ही, 04 विद्यार्थियों को 1.62 लाख रुपये का नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, चयनित 24 छात्र-छात्राओं को 7.6 लाख रुपये की संस्थागत छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। इनमें फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (एससी/एसटी वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए), फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (मेधावी छात्रों के लिए) और फादर लुइस फ्रेंकेन एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (सभी श्रेणियों के विद्यार्थियों के समग्र प्रदर्शन के लिए) शामिल हैं।

खबरकोना

घर में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका, पुलिस कर रही छानबीन

विश्रामपुर (पलामू) : रेहला थाना क्षेत्र के बाँमीड़ स्थित एक घर से एक महिला का शव बरामद किया गया है। मृतिका की पहचान स्व.रामनाथ विश्वकर्मा की 44 वर्षीय पुत्री आरती देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आरती देवी की शादी लगभग 25 वर्ष पूर्व गढ़वा जिला के वंशीधर नगर में हुई थी। दस वर्ष पहले उसके पति की मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह अपने माता-पिता के साथ रहती थी। माता-पिता के निधन के बाद वह अकेले ही रह रही थी। पिछले तीन-चार दिनों से उसे किसी के द्वारा नहीं देखा गया था। जब उसके घर से दुर्गंध आने लगा तो स्थानीय लोगों ने बुधवार की सुबह रेहला पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस उसके घर पहुंची तो घर का दरवाजा खुला हुआ पाया गया। महिला का शव घर के बरामदे में फर्श पर पड़ा हुआ था। जिससे दुर्गंध आ रहा था। शरीर पूरी तरह फूल चुका था। संशय व्यक्त किया जा रहा है कि महिला की मौत चार-पांच दिन पूर्व ही हो चुकी हो। उसके चेहरे पर चोट का निशान है।? जिससे हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर स्थित मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला कुछ स्पष्ट होगा। पुलिस तत्काल सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

दो अलग-अलग घटनाओं में किशोरी सहित दो की मौत

छत्तरपुर : छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र के दो अलग-अलग घटनाओं में किशोरी सहित एक अन्य को मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के रामगढ़ स्थित योगेंद्र भुइयां की सोलह वर्षीय बेटी चांदनी कुमारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस बाबत परिजनों ने बताया कि अपने ही एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में जाने से हम लोगों ने मना किया जिससे चांदनी मानसिक तनाव में आकर फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात्रि हम लोग घर के बाहर बैठे हुए थे इसके बाद जब खाना खाने के लिए चांदनी को ढूंढने लगा तो वह कहीं नहीं मिली। इसके बाद देखा कि घर का दरवाजा लगा हुआ है। अंदर जाकर देखा था चांदनी फांसी के फंदे से झूल रही थी। परिजनों ने बताया कि घटना की जानकारी तुरंत छतरपुर थाना को दी गई इसके बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई। वहीं दूसरी घटना में अनुमंडल क्षेत्र के नौडीहा बाजार थाना अंतर्गत रेवाडीह में बुधवार की अहले सुबह बाइक सवार ने रोड किनारे खड़ी टेलर से जा टकराया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान अनुमंडल क्षेत्र के जोलहखाप ग्राम निवासी कृष्णा के भुइयां के लगभग 27 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में किया गया। मिली जानकारी के अनुसार बिट्टू अपने किसी रिश्तेदार के यहां से शादी समारोह से लौट रहा था। तभी यह घटना घटी। घटना की जानकारी मिलते ही नौडीहा बाजार थाना ने शव को अपने कब्जे में लेकर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई।

मुखिया सरिता देवी की पहल से कुंवरठीका टोला में खराब चापाकल की हुई मरम्मत, ग्रामीणों को मिली राहत

भवनाथपुर (गढ़वा) : भवनाथपुर प्रखण्ड के मकरी पंचायत अन्तर्गत कुंवरठीका टोला में लंबे समय से खराब पड़े चापाकल की मरम्मती कराकर पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत पहुंचाया गया। मकरी पंचायत की मुखिया सरिता देवी की पहल पर चापाकल बन जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने बताया कि डीहवार बाबा के नजदीक स्थित यह चापाकल कई दिनों से खराब था। जिससे पानी की किल्लत हो गई थी और ग्रामीणों को दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा था। समस्या की जानकारी मिलने पर मुखिया सरिता देवी ने तत्परता दिखाते हुए मरम्मत कार्य शुरू कराया। मरम्मत कार्य पूरा होते ही चापाकल से स्वच्छ जल की उपलब्धता शुरू हो गई। जिससे स्थानीय लोग काफी खुश हैं। ग्रामीणों ने मुखिया सरिता देवी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनसमस्याओं के प्रति हमेशा संवेदनशील रहती हैं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन

मेदिनीनगर : राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के द्वारा झारखण्ड के एक मात्र परशुराम मंदिर के प्रांगण में चिरंजीवी भगवान परशुराम जी जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। चुकी अक्षय तृतीया दिन मंगलवार को ही चढ़ गया जिसके कारण मंगलवार को भव्य रूप से मंदिर के प्रांगण में पूजा अर्चना की गई, पूजा की शुरुवात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुरोहित नवीन पांडेय एवं रमेश पांडे एवं यजमान अमित तिवारी के द्वारा किया गया। जिसके बाद अगले दिन बुधवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे की शुरुवात दोपहर एक बजे से सांय पांच बजे तक चली, इस भंडारे में हजारों की संख्या में शहरवासियों की हुजूम उमड़ पड़ी, एवं सैकड़ों भक्तों ने मंदिर पर ही प्रसाद ग्रहण किया।साथ ही भार्गव सेना के समितियों के द्वारा पलामू जिले के भिन्न भिन्न जगहों पर अपने स्तर से पूजा अर्चना की गई। इस आयोजन में मुख्य रूप से भार्गव सेना के कमलेश शुक्ला, विजय तिवारी अधिवक्ता, बसंत तिवारी अजय तिवारी अकेला, मधुकर शुक्ला,अभिषेक तिवारी, अमित तिवारी, मुकेश तिवारी, आशुतोष तिवारी, रितिक चौबे, अरविंद पांडे, अंकित पांडे, अनीमेश शुक्ला, मणि तिवारी, शशिकांत तिवारी, अमित शुक्ला, राजा शुक्ला सहित सैकड़ों भार्गव सेना के सदस्य रहे उपस्थित।

भवनाथपुर के वरिष्ठ पत्रकार सीताराम पाठक हुए घायल

भवनाथपुर (गढ़वा) : गढ़वा जिले के वरिष्ठ पत्रकार सीताराम पाठक बुधवार को अहले सुबह भवनाथपुर के चुका स्थित अपने आवास की सीढ़ी से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब सुबह सुबह वे अपने घर के सीढ़ी से छत पर जा रहे थे। उसी वक्त उनका संतुलन बिगड़ जाने के कारण वे सीढ़ियों से फिसलकर नीचे गिर पड़े और उन्हें सिर में गंभीर चोटें आईं। घर में अकेली मौजूद उनकी बड़ी बहू ने पड़ोसियों की सहायता से तुरंत उन्हें स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवनाथपुर ले गयी। अस्पताल में मौजूद आयुष चिकित्सक डॉ अभिनीत विश्वास की देखरेख में उनका इलाज करने के बाद उन्हें घर भेजा दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में स्थानीय पत्रकारों सहित अन्य लोगों का हुजूम उमड़ गया। अस्पताल में पहुंचे पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने उनकी कुशलता की कामना की है। सीताराम पाठक का पत्रकारिता के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम हैं और ये लगभग 50 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक लेखनी के लिए जाने जाते हैं। उनके अचानक घायल हो जाने की खबर से स्थानीय पत्रकार समाज सहित क्षेत्र के लोगों में चिंता की लहर दौड़ गई है। भवनाथपुर प्रखण्ड के पत्रकार दयाशंकर पाठक, प्रदीप चौबे, सुनील कुमार, विमलेश कुमार, रवि रंजन यादव, अरविन्द कुमार पाठक, रमाशंकर मेहता, सुरेश राउत आदि ने ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के सैम करेन ने 88 रनों की खेली धुआंधार पारी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आजमायेगी नये संयोजन

भारत 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेलेगा तीन मुकाबले

पर्थ, 30 अप्रैल (हि.स.) : ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मुकाबलों में हार के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उतरने जा रही है। यह मुकाबले 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शुरुआती दो हार के बाद अब नयी रणनीति की तैयारी

पहले मैच में भारत ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंत में 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल दाग दिए। भारत की ओर से कप्तान महिमा टेटे (27'),

नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टीवर्ट (21') और केंद्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल किए।

दूसरे मैच में भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी। इस मैच में भारत ने ज्योति सिंह (13') के जरिए शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एबी स्टैवबी (17'), डेल डोल्केन्स (48') और जैमी-ली सुरहा (52') ने गोल दागे। भारत की ओर से दूसरा गोल सुनलीता टोप्पो (59') ने किया लेकिन बराबरी नहीं हो पायी।

सीनियर ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ होगी असली परीक्षा

अब भारतीय टीम सीनियर ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी, जिससे मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण होगा। पिछली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023ख24 में 1-0 से जीत दर्ज की थी। कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में 26 सदस्यीय भारतीय टीम इस बार भी उसी जज्बे के साथ उतरने को तैयार है।

कोच हरेंद्र सिंह ने युवाओं पर जताया भरोसा

टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए चीफ कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, ङ्घहमने कुछ सॉफ्ट गोल जरूर खाए हैं जो निराशाजनक रहे, लेकिन प्रदर्शन काफी प्रतिस्पर्धी रहा है। यह टेस्ट सीरीज है, यहां जीत-हार से ज्यादा अनुभव अहम है। कई खिलाड़ी पहली बार देश से बाहर खेलने आए हैं। मैं उन्हें मौका दे रहा हूं ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें। अब तक लगभग सभी को खेलने का मौका मिला है, लेकिन अब हम सर्वश्रेष्ठ संयोजनों को आजमाएंगे।

सिंह ने बताया कि वर्ल्ड कप से पहले हर युवा खिलाड़ी को कम से कम 35 इंटरनेशनल मैच खेलने का लक्ष्य है। महिमा टेटे ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। वह तेज, फुर्तीली और बहुत संभावनाशाली खिलाड़ी है। साथ ही पूजा, सुजाता, अजमीना जैसी खिलाड़ी भी अच्छा कर रही हैं। उन्होंने अंत में कहा, टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है और सभी खिलाड़ी सीखने की कोशिश कर रहे हैं। हमें कठिन टीमों के खिलाफ सरल हॉकी खेलते हुए अनुभव बटोरना है।

गलत शॉट चयन से मैच फिसल गया : विप्रज निगम

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.) : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के एक अहम मुकाबले में मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों 14 रन से हार का सामना करना पड़ा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 190 रन ही बना सकी।

फाफ डु प्लेसिस (62 रन, 45 गेंद), कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद) और युवा बल्लेबाज विप्रज निगम (38 रन, 19 गेंद) ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में विप्रज निगम ने कहा, हमारी योजना शुरू से यही थी कि हम

उनके दो मुख्य स्पिनर्स को टारगेट करें और हमने वैसा ही किया। लेकिन कुछ मौकों पर शॉट सिलेक्शन सही नहीं रहा और वहीं से मैच हमारे हाथ से फिसला।

जब विप्रज से पूछा गया कि टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला क्यों लिया गया, तो उन्होंने बताया, हमें उम्मीद थी कि बाद में ओस गिरेगी जिससे बल्लेबाजी आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा था।

नितिन कोहली, मनोज भोरे और लालरिनफेला को कार्यकारी बोर्ड के सदस्य नियुक्त होने पर हॉकी इंडिया ने दी बधाई

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.) : हॉकी इंडिया ने नितिन कोहली और मनोज भोरे को एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट तथा लालरिनफेला को एसोसिएट जॉइंट सेक्रेटरी नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। ये निर्णय 29 अप्रैल को केरल में आयोजित हॉकी इंडिया की 112वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक में लिया गया।

बैठक के दौरान हॉकी इंडिया के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत करने के उद्देश्य से कई अहम बदलाव किए गए। इसमें कमांडर आर.के. श्रीवास्तव को कार्यकारी निदेशक से पदोन्नत कर डायरेक्टर जनरल बनाया गया।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि हम नितिन कोहली, मनोज भोरे और

लालरिनफेला का उनके नए पदों पर स्वागत करते हैं। भारतीय हॉकी के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अनुभव संगठन को हर स्तर पर मजबूती प्रदान करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय हमारे दीर्घकालिक विजन और प्रशासनिक उत्कृष्टता की दिशा में प्रतिबिंबित होते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि कोहली, भोरे और लालरिनफेला भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। साथ ही हम कमांडर आरके श्रीवास्तव को उनकी पदोन्नति पर शुभकामनाएं देते हैं।

धर्मशाला आज पहुंचेंगी पंजाब और लखनऊ की टीमें

धर्मशाला, 30 अप्रैल (हि.स.) : एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में चार मई को होने वाले पंजाब किंग्स व लखनऊ सुपर जॉयंटस के मुकाबले के लिए दोनों ही टीमें वीरवार को धर्मशाला पहुंच जाएंगी। मेजबान पंजाब की टीम कोच रिकी पोंटिंग सहित कैप्टन श्रेयस अय्यर की अगुवाई में धर्मशाला पहुंचेगी। वहीं

लखनऊ की टीम मुख्य कोच जहीर खान की अगुवाई में धर्मशाला पहुंचेगी। इसमें अहम है कि लखनऊ टीम के कैप्टन ऋषभ पंत 29 अप्रैल व उनकी आधी टीम विदेशी मूल के खिलाड़ी 28 अप्रैल को धर्मशाला पहुंच चुके हैं, जोकि धौलाधार की वादियों में घूमने फिरने का आनंद ले रहे हैं। वहीं, धर्मशाला के गगल एयरपोर्ट पर पंजाब व लखनऊ की टीम दोपहर दो बजकर 40 मिनट पर लैंड करेगी। दोनों ही टीमें एचपीसीए के कंडी स्थित होटल रेडिसन ब्लू में ठहरेंगी। इसके बाद दो व तीन मई को शाम छह से लेकर देर रात नौ बजे तक दोनों ही टीमों के प्रैक्टिस सेशन होंगे। आईपीएल के 18वें सीजन में अब तक दोनों ही टीमों का प्रदर्शन बेहतरीन चल रहा है। दोनों ही टीमों को दो व तीन मई को शाम छह से नौ बजे तक अभ्यास सत्र आयोजित किया जाएगा। गौर हो कि धर्मशाला में दोनों ही टीमें चार मई को खेले जाने वाले मैच के लिए शाम साढ़े सात बजे से आमने-सामने होंगी। उधर, एचपीसीए के महासचिव अवनीश परमार ने बताया कि दोनों ही टीमें गुरुवार को धर्मशाला पहुंच जाएंगी। उन्होंने बताया कि लखनऊ टीम के कैप्टन ऋषभ पंत व कुछ खिलाड़ी पहले ही धर्मशाला में पहुंच चुके हैं। परमार ने बताया कि अभ्यास सत्र को लेकर भी शैड्यूल बनाया गया है, जिसके तहत टीमें अभ्यास करेंगी।

शिखर धवन ने इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप की टीम जर्सी का किया अनावरण

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.) : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने बुधवार को इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) की आधिकारिक टीम जर्सियों का अनावरण किया। यह टूर्नामेंट 27 मई से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा।

मयूर विहार स्थित क्राउन प्लाजा में आयोजित इस कार्यक्रम में शिखर के अलावा पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना, प्रवीण कुमार और आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान उपस्थित रहे। शिखर धवन ने इस अवसर पर कहा कि यह एक शानदार पहल है, जो दुनिया भर के क्रिकेट लीजेंड्स को एक मंच पर लाती है। आईएलसी न केवल लीजेंड्स के जुनून को पुनर्जीवित करती है, बल्कि प्रशंसकों को पुरानी यादों और मनोरंजन का अनूठा मिश्रण भी प्रदान करती है। मैं इस लॉन्च का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और आगामी रोमांचक एक्शन का इंतजार कर रहा हूं।

कार्यक्रम में खानपुर के विधायक उमेश कुमार भी शामिल हुए और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं आज उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद करता हूं। विशेष रूप से मैं आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान को बधाई देना चाहता हूं। शुरू में मुझे लगा था कि इस स्तर का आयोजन करना कठिन होगा, लेकिन उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत को देखकर यह स्पष्ट हो गया कि हम इस जर्सी लॉन्च के सफल चरण तक पहुंच गए हैं।

आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा कि इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है। यह क्रिकेट की दुनिया को एकजुट करने की क्षमता का उत्सव है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में छह महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह प्रतिष्ठित टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटन्स, यूरोप ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन टाइगर्स, एशियन एवेंजर्स और इंडियन वॉरियर्स शामिल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के दौरान अजिंक्य रहाणे हुए चोटिल, चोट गंभीर नहीं है

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.) : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली 14 रन की जीत के दौरान हाथ में चोट लग गई। अब उनकी चोट की गंभीरता का मूल्यांकन आज टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा किया जाएगा।

फील्डिंग के दौरान लगी चोट, मैच से बाहर रहे रहाणे

रहाणे को ये चोट उस वक्त लगी जब वे शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। आंद्रे रसेल की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस ने जोरदार शॉट मारा, जो सीधा रहाणे के दाहिने हाथ पर लगा। गेंद मिड ऑफ की ओर गई और इस दौरान रहाणे तुरंत मैदान छोड़कर मेडिकल सहायता लेने चले गए। इसके बाद वे पूरे मैच में मैदान पर नहीं लौटे और उनका हाथ पट्टी से बंधा नजर आया।

सुनील नारायण ने की कप्तानी, आखिरी 9 ओवरों में दिलाई जीत

रहाणे के बाहर होने और

उपकप्तान वेंकटेश अय्यर की जगह इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोड़ा के आने के बाद, सुनील नारायण को टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने आखिरी नौ ओवरों में कप्तानी करते हुए शानदार गेंदबाजी की और अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और फाफ डु प्लेसिस को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।

ठीक हूं, ज्यादा गंभीर नहीं है चोट : रहाणे

पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में रहाणे ने अपनी चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं ठीक हूं, सब ठीक रहेगा।

2021 की तरह फिर से कर सकते हैं वापसी

केकेआर फिलहाल 10 मैचों में 9 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। रहाणे ने कहा कि टीम को 2021 की तरह प्लेऑफ में पहुंचने का आत्मविश्वास है।

उन्होंने कहा, हमेशा से बात होती है कि जब हम अच्छा नहीं कर रहे होते हैं तो वापसी की उम्मीद होती है। लेकिन यह सब बीते समय की बात है। हमारे लिए जरूरी है कि हम इस जीत से आत्मविश्वास लें और आगे बढ़ें।

ग्रैंड चेस टूर, पोलैंड ब्लिट्ज 2025: प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर, फेडोसेव शीर्ष पर कायम

वारसॉ (पोलैंड), 30 अप्रैल (हि.स.) : ग्रैंड चेस टूर 2025 के सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में ब्लिट्ज सैगमेंट के पहले दिन रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप पोजिशन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वहीं भारत के आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथांबरम के

लिए यह दिन मिले-जुले नतीजों वाला रहा। रैपिड सेक्शन में भी दमदार खेल दिखा चुके फेडोसेव ने ब्लिट्ज के नौ राउंड में एक भी मुकाबला नहीं हारा। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन (रैपिड और चेस960 दोनों फॉर्मेट में) फेडोसेव अब 19 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ब्लिट्ज में चार मुकाबले जीते जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कुल स्कोर में बढ़त बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब निगाहें 30 अप्रैल को होने वाले अंतिम नौ राउंड पर टिकी हैं कि क्या युवा खिलाड़ी फेडोसेव की बढ़त को पाट पाएंगे। अरविंद चिथांबरम ब्लिट्ज राउंड में फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैपिड सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी मैक्सिम वचिएर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में पहले सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड सेक्शन खेला गया, जिसके बाद डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज सेगमेंट जारी है। ब्लिट्ज में 5+2 टाइम कंट्रोल रखा गया है और हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक तथा हार पर 0 अंक मिलते हैं। टूर्नामेंट वारसॉ स्थित म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ पोलिश ज्यूज में खेला जा रहा है।

एएफसी चैम्पियंस लीग : अल-अहली ने अल-हिलाल को हराकर फाइनल में बनायी जगह

जेद्दाह, 30 अप्रैल (हि.स.) : एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट सेमीफाइनल में अल-अहली ने मंगलवार को जेद्दाह में खेले गए मुकाबले में अल-हिलाल को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ अल-अहली अब अपने पहले एशियाई खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है।

मैच की शुरुआत से ही अल-अहली ने आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में रॉजर इबानेज के पास पर ब्राजीलियन विंगर गैलेनो ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे रॉबर्टो फिरमिनो ने छह गज के बॉक्स में पहुंचते हुए गोल में तब्दील कर दिया। 27वें मिनट में रियाद महरेज के पास पर इवान टोनी ने दूसरा गोल दागा।

हालांकि इसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीएआर जांच के बाद गोल मान्य हुआ।

पहले हाफ के आखिरी पलों में सलेम अल-दोसारी ने एक मौका भुनाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन दूसरे हाफ में अल-हिलाल को बड़ा झटका तब लगा जब 60वें मिनट में कालिदू कुलीबाली को दूसरा येलो कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गयी।

अल-अहली ने लगातार तीसरे गोल की कोशिश की और 85वें मिनट में उसे पेनल्टी भी मिली, लेकिन फ्रैंक केसी की किक को यासीन बोनू ने बचा लिया। हालांकि इंजुरी टाइम में फेरास अल-ब्रीकान ने तीसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी और घरेलू दर्शकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

मैच के बाद अल-अहली के कोच माथियास जैस्ले ने कहा, ये एक शानदार शाम थी। मैं अपने हर खिलाड़ी और हमारे फैंस पर गर्व करता हूं। ये जीत पूरी तरह से हमारी मेहनत का नतीजा है।

अब अल-अहली का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में या तो साथी सऊदी क्लब अल-नास्र से होगा या जापान के कावासाकी फ्रंटाले से, जो बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल खेलेंगे।

चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल : डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने आर्सेनल को पहले चरण में 1-0 से हराया

लंदन, 30 अप्रैल (हि.स.) : फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में आर्सेनल को उसके घरेलू मैदान पर हराकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है।

एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत ही धमाकेदार रही। फ्रांस के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के चौथे मिनट में गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। डेम्बेले ने बीच के घेरे से गेंद आगे बढ़ाई, ख्विचा क्वारात्स्खेलिया को पास दिया और आगे दौड़ लगाते हुए वापस मिली पास पर गोल कर दिया।

गोल करने के बाद पीएसजी ने पूरे मैच में संतुलित और अनुशासित खेल दिखाया।

आर्सेनल को बराबरी का कोई ठोस अवसर नहीं मिल सका और उसे 18 यूरोपीय घरेलू मुकाबलों के बाद पहली हार झेलनी पड़ी। मिकेल आर्टेटा की टीम इससे पहले मौजूदा विजेता रियल मैड्रिड को दो चरणों में 5-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी।

पहले हाफ के अंत में गेब्रियल मार्टिनेली का शक्तिशाली शॉट इटली के गोलकीपर जानलुइजी डोनारुम्मा ने शानदार बचाव से रोक दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनो का हेडर गोल में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य कर दिया। इसके बाद भी लिएंड्रो ट्रोसार्ड और मेरिनो जैसे खिलाड़ियों ने मौके बनाए, लेकिन डोनारुम्मा दीवार बनकर खड़े रहे।

मैच के अंतिम समय में पीएसजी ने गति धीमी कर खेल को नियंत्रण में रखा। हालांकि, ब्रैडली बारकोला और गोंकालो रामोस के पास बढ़त को दोगुना करने के मौके थे। लेकिन बारकोला का शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया और रामोस की कोशिश क्रॉसबार से टकरा गई।

अब दूसरा मुकाबला 7 मई को पेरिस के पार्क दे प्रेंस मैदान पर खेला जाएगा, जिसमें पीएसजी को मामूली बढ़त हासिल होगी। टीम बार्सिलोना या इंटर मिलान के खिलाफ फाइनल में जगह बनाने के करीब है, लेकिन उसे अपने पुराने अनुभवों को ध्यान में रखकर संभलकर खेलना होगा।

स्कूल रूआर के तहत प्रखंड स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

देशप्राण संवाददाता

बरहरवा (साहिबगंज), 30 अप्रैल : बरहरवा प्लस टू उच्च विद्यालय सभागार में बुधवार को स्कूल रूआर 2025 के तहत प्रखंड स्तरीय उन्मुखी करण कार्यशाला का आयोजन शिक्षा विभाग के बीपीओ मनोहर मंडल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं अध्यक्ष गण शामिल हुए। इस दौरान बीपीओ मंडल ने मौजूद प्रधानाचार्य को संबोधित करते हुए बताया कि बच्चों का विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव बनाए रखने हेतु विभिन्न भागीदारी के साथ मिलकर स्कूल रूआर अभियान 21 अप्रैल से 10 मई तक चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं समग्र शिक्षा के तहत 5 से 18 आयु के सभी बच्चों का विद्यालय शिक्षा पूर्ण करना महत्वपूर्ण लक्ष्य है, आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक से मध्य विद्यालय, मध्य से उच्च विद्यालय एवं उच्च से उच्चतर विद्यालय में आयु अनुरूप नामांकित एवं छीजित बच्चों के नामांकन हेतु स्कूल रूआर 2025 चलाया जा रहा है।

विद्यालयों में बच्चों के ठहराव को लेकर विद्यालय पुनर्गठन, शिक्षक अभिभावक दिवस, मुखिया सम्मेलन, व्यावसायिक शिक्षा, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, निपुण भारत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा, खेलो झारखंड आदि चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया 5 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों की शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने बच्चों के विद्यालय में नामांकन को लेकर सामूहिक प्रयास करने जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षक, पंचायत प्रतिनिधि, समाज सेवी, जनप्रतिनिधि, शिक्षा से जुड़े कर्मी/ अधिकारी की भागीदारी से अभिभावकों से मिलकर पांच से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों के विद्यालय में नामांकन करवाने पर जोर देने का निर्देश भी दिया है। साथ ही मौजूद सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया है कि जहां रिजल्ट प्रकाशित होने में विलंब हो रही है, वहाँ छात्रों को बगैर टीसी के ही तत्काल नामांकन लेना प्रारंभ कर दें। अगर किसी कारणवश बच्चे अनुत्तीर्ण होते हैं तो पुनः उसी वर्ग में रहेंगे, परंतु हर हाल में बच्चों को विद्यालय से जोड़े रखना हम सबों का कर्तव्य है। मौके पर मुख्य रूप से बीआरपी इतिखाब आलम, कौसर आलम, टिंकू, सीआरपी ध्वजन घोष, प्रभाकर, विवेक कुमार, मोहम्मद रियाज के साथ-साथ प्रधानाध्यापक में सुलोचना कुमारी, पिंकू कुमार, राजीव रोशन सिंह सहित सैकड़ो प्रधानाध्यापक व अध्यक्ष गण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

वारंटी को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

बरहरवा (साहिबगंज) : बरहरवा थाना पुलिस ने गबन मामले के वारंटी अभियुक्त मोहम्मद तसलीम ग्राम अब्दुल्लाह पुर को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में राजमहल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक मोहम्मद तसलीम के द्वारा फर्जी कागजात तैयार कर उज्वला योजना का लाभ लेने और अन्य सैकड़ो लोगों को भी दिलवाने का आरोप मिर्जापुर के वसीम शेख के द्वारा लगाया गया है। जिसके आलोक में बरहरवा थाना कांड संख्या 79/24 के सुसंगत धाराओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। वही इस बाबत बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने बताया कि कांड के वारंटी मोहम्मद तसलीम को उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

राष्ट्रीय वायोश्री योजना अंतर्गत दिव्यांगजनो के लिए जांच शिविर

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़): राष्ट्रीय वयोश्री योजना अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों को एडीप के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायता एवं उपकरण कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के द्वारा बुधवार को प्रखंड के सभागार भवन में जाँच शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में बीडीओ संजय कुमार ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आयोजित शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरण, स्पाइनल ब्रेसेस, सर्वाइकल कॉलर उपकरण और दिव्यांगजनों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऊपरी और निचले अंग के लिए पुनर्वास सहायक उपकरण जैसे व्हील चेयर, बैसाखी और ट्राई व्हीलर, मोटराईज ट्राई साइकल, कान की मशीन आदि आवश्यकताओं की जाँच किया गया, शिविर में दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायता एवं उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के कृत्रिम अंग विशेषज्ञ विनय कुमार के द्वारा लगभग 46 वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों का जाँच कर उनमें में से 35 मरीजों को सहायक उपकरण के लिए चिन्हित किया गया।

हरिनाम संकीर्तन में श्रीकृष्ण लीला पूर्वराग की प्रस्तुति

हिरणपुर(पाकुड़): डांगापाड़ा गौर मन्दिर प्रांगण में मंगलवार की शाम 24 प्रहर व्यापी हरिनाम संकीर्तन आयोजित हुई। इस संकीर्तन में वीरभूम बंगाल के अरविंदम भट्टाचार्य, यमुना मण्डल कोलकाता, कालीचरण कर्मकार पाकुड़ व दुलाल चन्द्र साहा के कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। संकीर्तन में यमुना मण्डल के दल ने मनमोहक प्रस्तुति की। गायिका ने श्रीकृष्ण लीला के पूर्वराग की प्रस्तुति की। उन्होंने कहा संगीतमय रूप व्याख्या करते हुए कहा कि संसार मे मानव जन्म ही श्रेष्ठ है। पुण्य के बल पर मानव के रूप में लोग पृथ्वी पर जन्म लेते है।

डालसा सचिव ने वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

देशप्राण संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने गंगा विहार पार्क के समीप स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धाश्रम की समग्र स्थिति का जायजा लिया, जिसमें पेयजल सुविधा, स्वच्छता, नियमित चिकित्सीय जांच एवं भोजन व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने वहां निवासरत वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा वृद्धाश्रम संचालक को सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बाल सुधार गृह के निरीक्षण के क्रम में श्री भगत ने वहाँ रह रहे बच्चों से मुलाकात की और उनकी सुविधाओं की स्थिति से अवगत हुए। इस अवसर पर बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पारा विधिक स्वयंसेवक (पीएलभी) समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रकृति की गोद में हरा रंग दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन

देशप्राण संवाददाता

पाकुड़, 30 अप्रैल : दिल्ली पब्लिक स्कूल पाकुड़ की बाल वाटिका एवं प्री-प्राइमरी विभाग में आज हरा रंग दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष दिन का उद्देश्य बच्चों को रंगों के महत्व से परिचित कराना और प्रकृति से जोड़ना था। छात्रों ने इस दौरान विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, फूलों और पक्षियों को देखा। इस अनुभव ने न केवल उनकी जिज्ञासा को बढ़ाया बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील भी बनाया। छोटे बच्चों ने हरे रंग की पोशाक पहनकर विद्यालय प्रांगण को हरियाली से भर दिया। कक्षा को भी हरे रंग के गुब्बारों, पत्तियों, पौधों और अन्य सजावटों से सजाया गया। शिक्षिकाओं ने बच्चों को हरे रंग की वस्तुओं की पहचान कराई और उनसे जुड़ी जानकारी साझा की। बच्चों ने

रंगीन गतिविधियों में भाग लिया, जैसे हरे रंग की चीजें पहचानना, पत्तियों की छपाई, ड्राइंग और क्राफ्ट वर्क। बच्चों की प्रकृति का सानिध्य प्रदान करने और पेड़ पौधों का महत्व समझाने के लिए विद्यालय में मौजूद पुष्प वाटिका और बगीचे की भी सैर कराई गई।बच्चों ने छोटे पौधे लगाकर हरा है तो जीवन है का संदेश भी दिया। विद्यालय प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने जानकारी दी कि विद्यालय में संचालित इको क्लब के तत्वाधान में समय-समय पर प्रकृति से संबंधित कार्यक्रम होते रहते हैं।इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रंगों की समझ के साथ-साथ प्रकृति के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़ाते हैं। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने बताया कि यह दिन बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और आनंददायक अनुभव लेकर आया।

खबर कोना

सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक, दिया गया प्रशिक्षण

साहिबगंज : जिले में सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता ने किया गया। इस दौरान डीडीसी चंद्रा ने निर्देश दिया कि जिले के सभी ड्रॉइंग एंड डिसबर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए सैहिस पोर्टल से संबंधित उन्नत ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण नामित मास्टर ट्रेनरों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। मास्टर ट्रेनरों के रूप में संदीप कुमार (डीपीओ, यूआईडी), हिना गौरव बरनवाल (डीपीएम, एनएचएम), रोहित दुबे (सार्जेंट मेजर), कुमार हर्ष (जिला शिक्षा अधीक्षक) एवं अभिजीत शर्मा (मिट्टी रसायनज्ञ) को नामित किया गया है। इन प्रशिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे डीडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को पूरी दक्षता के साथ प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि पोर्टल संचालन में कोई तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले में स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा।बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई अन्य उपस्थित थे।

नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गयी भव्य कलश शोभायात्रा

बड़हरवा (साहिबगंज) : बरहरवा प्रखंड क्षेत्र की विजयपुर गांव में बुधवार को नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाला गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान पुरोहित आचार्य नव कुमार चटर्जी एवं देवेंद्र पांडेय के निर्देशन में यजमान तपेश चंद्र साहा व उनकी पत्नी चिंता देवी ने मयूर कोला जंगली पोखर में घाट पूजन कर विधिविधान के साथ कलश में जलभर कर विभिन्न गांव का भ्रमण करते हुए कलश यात्रा मंदिर परिसर पहुंचा। इसके उपरांत आचार्य नव कुमार चटर्जी ने विधिवत पूजा अर्चना शुरू की। प्राण-प्रतिष्ठा के साथ साथ पांच दिवसीय 24 प्रहर व्यापी हरिनाम संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जय श्री राम व बजरंगबली की जयकारे से माहौल भक्तिमय हो उठा। वही कमेटी के सदस्यों ने बताया कि पांच दिनों तक हरिनाम संकीर्तन बुधवार को अधिवास से प्रारंभ होकर रविवार को कुंजभंग एवं महाप्रसाद वितरण के साथ सम्पन्न होगा। 24 प्रहार संकीर्तन में मुख्य रूप से बालूघाट से गीता दास, रानीगंज से यमुना दास, मालदह से कल्याणी सरकार, गोड्डा से श्रवण कुमार एवं पप्पू झा कीर्तन परिवेशन करेंगे। कार्यक्रम की सफलता में मुख्य रूप से महावीर साहा, दीपक साहा, जयप्रकाश साहा, मितन साहा, सरयू साहा, रामेश्वर साहा, कुलेश साहा, टींकू साहा, शंकर साहा, जगदीश साहा, धर्मेंद्र साहा, मनोज साह, मुन्ना साह सहित अन्य का अहम योगदान देखा गया।

जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित आयुष जांच शिविर में 193 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

पाकुड़: अमड़ापाड़ा प्रखंड के गोरपाड़ा आंगनबाड़ी केंद्र, पाकुड़ प्रखंड के चंद्रपाड़ा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रोडगों, पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसाल एवं फुलझिंझरी में आयुष विभाग की ओर से बुधवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 193 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मिथलेश सिंह, डॉ०अमरेश कुमार, डॉ अबूतालिब शेख, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ० सौरभ विश्वास ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वही शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

बाल विवाह के खिलाफ सामाजिक संगठन और धर्म गुरूओं ने ली शपथ, कहा- नहीं होने देंगे बाल विवाह

गोड्डा : अक्षय तृतीया के मौके पर साथी संस्था द्वारा शिव मंदिर परिसर रघुनाथपुर में आज बाल विवाह के खिलाफ धर्मगुरु अभियान कि शुरुआत की गई। कार्यक्रम में पंडित, मौलवी, मांझी और पादरी ने भाग लिया। अभियान को सम्बोधित करते हुए कहा कि शादी विवाह में धर्मगुरु कि अहम भूमिका होती है बावजूद हमलोग आज शपथ लेते है कि शादी में यदि लड़का या लड़की कोई भी नाबालिग है तो शादी नहीं कराएंगे साथ ही इसकी सूचना जिला प्रशासन को देंगे और हर हालात में शादी को रोकेंगे कहा कि हम हर समय नारी सशक्तिकरण कि बात करते है लेकिन उन्हें अवसर नहीं देते है, पढ़ने के उम्र में पारिवारिक बोझ में बांध देते है जिससे उनका सपना अधूरा रह जाता है। इसलिए खास कर बच्चियों को विद्यालय से जोड़े रखें और अपनी सपनों का उड़ान उड़ने का अवसर दें। मौलवी मुस्ताक अंसारी ने कहा कि किसी भी कीमत मे कम उम्र कि बच्ची का निकाह नहीं कराएंगे और समाज में इसको लेकर जागरूक भी करेंगे वहीं साथी के कार्यकारी अधिकारी कालेश्वर मंडल ने कहा कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता, हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया है। अब धर्म गुरुओ ने कमान संभाल लिया है और यह अभियान निरंतर चलता रहेगा। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। कहा कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातोंरात इस अपराध का सफाया हो सकता है।

विद्यालयों में बच्चों को बाल विवाह जैसी कुरितियों पर किया गया सजग

देशप्राण संवाददाता

पाकुड़, 30 अप्रैल : बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, पाकुड़ एवं शिक्षा विभाग पाकुड़ के संयुक्त तत्वाधान में जिला अंतर्गत सभी प्रखंड स्तर पर संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सहित सभी हाई स्कूलों में अध्ययनरत किशोर/किशोरियों के बीच बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारियों के द्वारा बाल विवाह से संबंधित अधिनियम, बाल विवाह के कारण, इससे होने वाले दुष्परिणाम, सजा के प्रावधान एवं जिला स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी एवं उनके द्वारा किए जाने वाले कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सभी किशोर/किशोरियों को इस बात की जानकारी दी गई कि उनके परिवार, रिश्तेदार, समाज, मित्र के होने वाले बाल विवाह या अन्य स्थान पर यदि बाल विवाह के आयोजन होने की जानकारी प्राप्त होने पर इसकी सूचना बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी सहित स्थानीय पुलिस थाना एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के टॉल फ्री नंबर 1098 को अवश्य उपलब्ध कराएं ताकि बाल विवाह जैसे सामाजिक कुरीति को रोका जा सके और बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सफलता प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के दौरान पूरे जिले के विभिन्न स्कूलों के कुल 2510 किशोर/ किशोरियों, संबंधित स्कूलों के शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। साथ ही गैर सरकारी संगठन- एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन के द्वारा पाकुड़ सदर सहित अन्य प्रखंडों के विभिन्न मंदिरों, धार्मिक स्थलों, वैवाहिक भवन में जाकर उनके मुख्य पुजारी एवं मुख्य प्रबंधक से मिलकर होने वाले संभावित बाल विवाह के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई एवं इसके रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए विशेष रूप से आग्रह किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला शिक्षा विभाग,पिरामल फाउंडेशन,पाकुड़ के प्रतिनिधि, बचपन बचाओ आंदोलन के जिला प्रोग्राम एसोसिएट, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधि,बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठन एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन,जनलोक कल्याण परिषद, पाकुड़, झारखंड विकास परिषद, आमरापाड़ा, टैगोर सोसाइटी फॉर रूरल डेवलेपमेंट, महेशपुर के प्रतिनिधि द्वारा सक्रिय रूप से योगदान दिया गया।

बीआरसी में प्रखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित

हिरणपुर (पाकुड़): सामाजिक अंकेक्षण को लेकर बुधवार को प्रखण्ड संसाधन केंद्र हिरणपुर में प्रखण्ड स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुई। जिसमें तीन विद्यालयों की जनसुनवाई की गई। जन सुनवाई में शिक्षा विभाग के एडीपीओ पीयूष कुमार, डीआरपी अनन्त मण्डल, क्षेत्रीय समन्वयक कंचन कुमार व बीपीओ ट्विंकल चौधरी मुख्य रूप से शामिल हुए। इस जनसुनवाई में मध्य विद्यालय धोवाडांगा, दारुल उलूल मदरसा बड़तल्ला व उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बाबूपुर की जनसुनवाई की गई। जिसमें सम्बन्धित विद्यालयों के प्रधान शिक्षक, विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष, संयोजिका आदि ने भाग लिया। इस जनसुनवाई में विद्यालयों में चिकित्सा पदाधिकारी का नाम व मोबाइल नम्बर न रहने की बात पर शिक्षको ने कहा कि सभी पूर्ण कर दिया गया है। वहीं बच्चो को मध्याह्न भोजन खिलाने के दौरान दरी न रहने से जमीन में बैठना पड़ रहा है। जनसुनवाई के दौरान मध्याह्न भोजन, छात्रवृति, पोशाक वितरण, एसएमसी की नियमित बैठक, विद्यालय में पदाधिकारियो की अनुश्रवण के बाद पंजी में उल्लेख, सरसफाई, पेयजल व शौचालय की यथास्थिति को लेकर भी समीक्षा की गई। इस दौरान बीआरपी संजय जयसवाल सहित सभी संकुल साधनसेवी उपस्थित थे।

भू अर्जन विभाग की समीक्षा बैठक के बाद डीसी ने लगाया जनता दरबार

देशप्राण संवाददाता

गोड्डा, 30 अप्रैल : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में भू-अर्जन से संबंधित बैठक आहूत की गई। बैठक में उपायुक्त के द्वारा हंसडीहा से महागामा एवं महागामा से एकचारी रेलवे लाइन के एलाइनमेंट में आ रही ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण करने,भू-अर्जन से संबंधित अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, भूमि की विवरणी उपलब्ध कराने,सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करने तथा रेलवे लाइन के निर्माण में आपसी समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मौके पर जिला भू -अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल सहित भू -अर्जन कार्यालय के कर्मीगण मौजूद थे। इसी क्रम में आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त जिशान कमर के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जनता दरबार में बिजली, जमीन , सड़क आदि से संबंधित आवेदन शिकायत के रूप में आये जो जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच कर निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद उपायुक्त ने तीसरी बैठक करते हुए जिले में खेल विभाग द्वारा चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान जिले के बसंतराय प्रखंड अंतर्गत बसंतराय तालाब के जीर्णोद्धार एवं बसंतराय महोत्सव के संबंध में जिला खेल पदाधिकारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त के द्वारा जिला खेल पदधिकारी को निर्देशित किया गया कि गोड्डा जिला अंतर्गत खेल एवं पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रखंड स्तरीय स्टेडियम का निर्माण, मरम्मती व जीर्णोद्धार के लिए किए जा रहे कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण तरिके से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

संविधान बचाओ रैली के तहत कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने की पैदल यात्रा, सौंपा ज्ञापन

देशप्राण संवाददाता

बरहरवा (साहिबगंज), 30 अप्रैल : कांग्रेस के साहिबगंज जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह उर्फ बरकत खान के नेतृत्व में बुधवार को बरहरवा स्टेशन चौक से कांग्रेसी कार्यकताओं के द्वारा संविधान बचाओ रैली निकाली गई, जो बरहरवा मैन रोड होते हुए पैदल यात्रा कर बरहरवा प्रखंड कार्यालय के समक्ष समापन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह साहिबगंज जिला के प्रदेश प्रभारी मणि शंकर शामिल हुए। मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष मणि शंकर ने केन्द्र पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान में संवैधानिक संस्थाएं ईडी, सीबीआई, इनकम

टैक्स वगैरह भाजपा के शाखा के रूप में काम कर रही है, ईडी का दुरुपयोग विगत 6 वर्षों में बहुत ज्यादा हुआ है, 5 वर्षों में 7000 मामले ईडी में दर्ज हुआ है ,जिसमें मात्र 122 मामले व्यापारी या अधिकारी पर, बाकी सब राजनीतिक द्वेष भावना से राजनीतिक लोगों पर दर्ज किया गया है।इसका सबसे बड़ा उदाहरण झारखंड स्वत है। जिसे लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर साहिबगंज जिले के बरहरवा में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया है। वहीं जिला अध्यक्ष बरकत खान ने बताया कि भारत का संविधान न केवल देश की सबसे महत्वपूर्ण विधिक दस्तावेज है,बल्कि यह दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान भी है, यह संविधान न केवल भारत के शासन तंत्र की रूपरेखा तय करता है, बल्कि नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों और मूलभूत सिद्धांतों को भी स्पष्ट करता है।कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मनी शंकर, जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान सहित शिष्टमंडल ने झारखंड राज्यपाल के नाम बरहरवा बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। मौके पर कांग्रेस प्रदेश सचिव कमल कुमार आर्य, वरिष्ठ कांग्रेसी नसरुद्दीन नासिर, प्रखंड बिस सुत्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार दास, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडु, अश्विनी आनंद, पतिना प्रखंड अध्यक्ष परवेज आलम, नवीद अंजुम, तपेश्वर साह, भोलानाथ महतो, मनोज घोष, मिथुन मंडल,निताई सरकार, अनिता साह, मो. नेहाल, दिलदार आलम, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रधानमंत्री अगले दो दिन में करेंगे तीन राज्यों का दौरा, वेव्स सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 1 और 2 मई को महाराष्ट्र, केरल और आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। वे 1 मई को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में विश्व ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन भारत के मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार इस चार दिवसीय सम्मेलन का टैगलाइन ह्वनिर्माताओं को जोड़ना, देशों को जोड़नाह्व है। इसमें 90 से ज्यादा देशों के लोग हिस्सा लेंगे, जिसमें 10 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि, 1 हजार क्रिएटर, 300 से ज्यादा कंपनियां और 350 से ज्यादा स्टार्टअप शामिल होंगे।

वेव्स का लक्ष्य 2029 तक 50 बिलियन डॉलर का बाजार खोलना है, जिससे वैश्विक मनोरंजन अर्थव्यवस्था में भारत की उपस्थिति का विस्तार होगा। वेव्स 2025 में, भारत पहली बार ग्लोबल मीडिया डायलॉग की मेजबानी भी करेगा, जिसमें 25 देशों के मंत्री भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन में वेव्स बाजार भी शामिल होगा, जो 6,100 से ज्यादा खरीदारों, 5,200 विक्रेताओं और 2,100 परियोजनाओं वाला एक वैश्विक ई-मार्केटप्लेस है।

प्रधानमंत्री यहां क्रिएटोस्फियर का दौरा करेंगे और करीब एक साल पहले शुरू की गई 32 क्रिएट इन इंडिया चुनौतियों में से चुने गए क्रिएटर्स से बातचीत करेंगे। वे भारत पैवेलियन का भी दौरा करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री केरल जाएंगे और 2 मई को सुबह 10:30 बजे 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

इसके अलावा वह आंध्र प्रदेश जाएंगे और दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अमरावती में 58 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

रन फॉर वन नेशन वन इलेक्शन दौड़ को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिखायी हरी झंडी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्टेडियम में आयोजित ह्वरन फॉर वन नेशन वन इलेक्शनह्व दौड़ को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, पूर्व ओलंपिक खिलाड़ी एवं भाजपा नेता बबीता फोगाट और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौड़ में छात्रों के साथ सहभागी होना एक अद्भुत अनुभव रहा। युवा छात्रों की ऊर्जा, राष्ट्र के प्रति समर्पण, और एक बेहतर लोकतंत्र की आकांक्षा ने गहराई से मन को छू लिया। यह केवल एक दौड़ नहीं है, यह एक सपना और एक विश्वास है कि हम मिलकर देश की चुनावी व्यवस्था में बदलाव ला सकते हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन एक ऐसा समाधान है, जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है। वर्तमान में, चुनाव अक्सर होते रहते हैं, कभी एक राज्य में, कभी दूसरे राज्य में। इन चुनावों में बहुत सारा पैसा खर्च होता है, जो लोगों द्वारा दिए गए टैक्स से आता है। अगर सभी चुनाव एक ही समय पर हों, तो हम इस पैसे को बचा सकते हैं और इसका इस्तेमाल देश के विकास के लिए कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वन नेशन वन इलेक्शन विजन को एक बड़ा जन-आंदोलन बनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियां एक संगठित, सशक्त और विकसित भारत को देखें। एक राष्ट्र, एक चुनाव सशक्त लोकतंत्र की ओर संगठित कदम है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत की प्रगति और आर्थिक विकास के लिए वन नेशन वन इलेक्शन समय की मांग है। अगर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखते हैं, तो हर पांच साल में एक बार चुनाव कराने से देश विकास कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेगा और विकास को गति दे सकेगा।

खबरें नेपाल की

रेशम चौधरी जल्द हो जायेंगे रिहा : अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ

आशुतोष झा, देशप्राण

काठमांडू : नागरिक उन्मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष रंजीता श्रेष्ठ ने कहा कि रेशम चौधरी जल्द ही रिहा हो जायेंगे। प्रज्ञा प्रतिष्ठान से गिरफ्तार रेशम चौधरी को दिल्ली बाजार जेल में रखा गया है। टीकापुर कांड से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्रावली काटने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। सादा पुलिस उन्हें प्रज्ञा भवन परिसर से गिरफ्तार कर सीधे दिल्ली बाजार ले गयी। इस संबंध में अध्यक्ष श्रेष्ठ ने कहा कि रेशम को जल्द ही रिहा कर दिया जायेगा। 'उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया, "मैं आपसे हर चीज में आश्वस्त रहने का आग्रह करती हूं।"

भाजपा के विदेश मामलों के प्रमुख विजय चौथाईवाले ने गृह मंत्री रमेश लेखक के साथ की बैठक

काठमांडू : भारतीय जनता पार्टी के विदेश मामलों के प्रमुख विजय चौथाईवाले ने बुधवार को गृह मंत्री रमेश लेखक के साथ बैठक की। नेपाल दौरे पर काठमांडू आये भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख विजय चौथाईवाले सिंहदरबार स्थित गृह मंत्रालय पहुंचे और गृह मंत्री के साथ बैठक की। बैठक में गृह मंत्री लेखक ने भारत के जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा की। मंत्री ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि आतंकी हमलों के खिलाफ नेपाल सरकार अपने पड़ोसी भारत के साथ है। मंत्री ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के बारे में भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख चौथाईवाले से उनकी बातचीत हुई। बैठक के दौरान भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख विजय चौथाईवाले ने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे।उन्होंने कहा, "कोई भी बात मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रभावित नहीं करती"। उन्होंने कश्मीर घटना में एक नेपाली युवक की मौत पर दुख व्यक्त किया और मंत्री के माध्यम से अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने वंतिका अग्रवाल को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली : एलजी हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने भारत की शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। यह साझेदारी उपलब्धि हासिल करने युवाओं को सशक्त बनाने और उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले नवाचारों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने की एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रतिबद्धता को दिखाती है। इस पर टिप्पणी करते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के एमडी होंग जू जियोन ने कहा, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स में, हमें अपने उपभोक्ताओं को गहराई से समझने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार नवाचार करने पर गर्व है। वंतिका अपनी उत्कृष्टता की निरंतर खोज और अपनी दूरदर्शी मानसिकता को दर्शाती हैं। एलजी की तरह, वंतिका भी एक नए, महत्वाकांक्षी भारत की आकांक्षाओं के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, जो साहसी है और भविष्य को अपनाने के लिए तैयार है। हम उसके साथ साझेदारी करने और एक साथ इस रोमांचक और नई यात्रा पर निकलने के लिए उत्साहित हैं। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, वंतिका अग्रवाल ने कहा, हमें एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं, यह एक ऐसा ब्रांड है जिस पर मैंने हमेशा भरोसा किया है और प्रशंसा की है। युवा महिला ग्रैंडमास्टर, तीन बार शतरंज ओलंपियाड स्वर्ण पदक विजेता, 45वें शतरंज ओलंपियाड में दो स्वर्ण पदक हासिल करने वाली वंतिका को हाल ही में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार दिया गया है, जो खेल में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों का प्रमाण है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन, पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को कमान

भावना सिंघल, देशप्राण

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच अभी तक तनाव की स्थिति बरकरार है। इसी के मद्देनजर भारत में बैठकों और मंत्रणाओं का दौर जारी है। इसी क्रम में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है। इसकी कमान पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसकी कमान सौंपी है। सरकार ने नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरी बोर्ड में बदलाव किया है। पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष चुना गया है। उनके साथ इस बोर्ड में कुल 7 सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के रिटायर्ड अधिकारियों को शामिल किया गया है। पीएम मोदी एक के बाद एक बैठकें कर रहे हैं। जिसके मद्देनजर यह फैसला लिया गया है।

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में बदलाव करते हुए पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके अलावा बोर्ड में शामिल अन्य सदस्यों में पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, रियर एडमिरल मोन्टी खन्ना और पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह, सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी के अलावा इस बोर्ड के सदस्य में राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से रिटायर हो चुके हैं, साथ ही बी वेंकटेश वर्मा सात सदस्यीय बोर्ड में सेवानिवृत्त विदेश सेवा अधिकारी हैं।

पीएम मोदी बुधवार को चार बड़ी बैठकों में शामिल हुए। उन्होंने सीसीएस, सीसीईए, सीसीपीए और कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता की। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की ओर से पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब तक कई सख्त फैसले लिए जा चुके हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान तनाव में है। पाकिस्तान ने हाल ही में रूस, अमेरिका और तुर्की से बात की। उसने हमेशा की तरह यूएन को दी जानकारी में बताया कि भारत का आरोप बेबुनियाद है।

नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के संरक्षक रेशम चौधरी को किया गया गिरफ्तार

आशुतोष झा, देशप्राण

काठमांडू : नागरिक उन्मुक्ति पार्टी (नाउपा) के संरक्षक रेशम चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चौधरी को पुलिस ने बुधवार दोपहर कार्यक्रम स्थल प्रज्ञा भवन परिसर से हिरासत में ले लिया, जब सीके राउत के नेतृत्व वाली जनमत पार्टी के साथ एकता की घोषणा होने वाली थी। सादे लिबास में सुरक्षाकर्मी प्रज्ञा भवन पहुंचे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। काठमांडू पुलिस कॉम्प्लेक्स के एसपी अपिलराज बोहोरा ने कहा, चौधरी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि चौधरी को दिल्लीबाजार जेल ले जाकर सौंप दिया गया। उन्होंने कहा, 'हमने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद हम उन्हें दिल्लीबाजार ले गए और सौंप दिया। अगस्त 2072 में टीकापुर में हुई घटना के कारण चौधरी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, 15 जून 2023 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा दी गई माफी के आधार पर उन्हें दिल्लीबाजार जेल से रिहा कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट द्वारा माफी के फैसले को पलटने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। इसी तरह के एक मामले में, सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण पीठ ने मिनाहा के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल द्वारा योगप्रसाद ढकाल, जिन्हें रींगन के नाम से भी जाना जाता है, की कारावास की सजा को तत्काल रद्द करने का आदेश दिया।

राम जन्मभूमि के श्रीगणेश मन्दिर पर शिखर कलश और ध्वज दंड स्थापित

अयोध्या, 30 अप्रैल (हि.स.): श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का कार्य तेजी के साथ चल रहा है। बुधवार अक्षय तृतीया तिथि पर श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित श्रीगणेश मन्दिर पर पूजा अर्चना के साथ शिखर कलश और ध्वज दंड स्थापित किया गया। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महामंत्री चंपत राय ने पूजन किया। इस अवसर पर ट्रस्टी डा. अनिल मिश्र, व्यवस्था प्रबंधक गोपाल राव सहित निर्माण कंपनी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियान नौवें दिन भी जारी, तेलंगाना में ठंडी पड़ी कार्रवाई

तेलंगाना सरकार व विपक्ष द्वारा नक्सलियों की शांति वार्ता का समर्थन करने से अभियान हुआ सुस्त

जगदलपुर, 30 अप्रैल (हि.स.): छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तेलंगाना की सीमा पर देश का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान आज नवें दिन भी जारी रहा। नक्सलियों के लिए सुरक्षित माने जाने वाला कर्रेगुट्टा पहाड़ का पूरा इलाका बीहड़ जंगलों से घिरा है। यहां का तापमान अभी 40 से 43 डिग्री के बीच बना हुआ है। इस पहाड़ की उंचाई पर जवानों के पहुंचने के बाद आज बुधवार को सेना के हेलीकॉप्टर को उतारे जाने का एक विडियो वायरल हो रहा है, जिसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नक्सल विरोधी अभियान जैसे-जैसे आगे बढ़ने लगा, इसके साथ ही भाजपा शासित छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भाजपा के विरोधी राजनैतिक पार्टी के बीच इस सबसे बड़े नक्सल अभियान को लेकर राजनीति शुरू हो गई है।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार एवं विपक्ष द्वारा नक्सलियों के शांति वार्ता का समर्थन करने की वजह से सरकार ने इस अभियान से किनारा कर लिया है। इससे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पूरे देश में नक्सलवाद खत्म करने के संकल्प को कितना प्रभावित करेगी, यह आने वाला समय बतायेगा, लेकिन इन सबका प्रत्यक्ष प्रभाव सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान में स्पष्ट दृष्टिगोचर होने लगा है।

तेलंगाना सरकार ने अभियान से किया किनारा : शांति वार्ता समिति के दुर्गा प्रसाद, प्रो. हरगोपाल, प्रो. अनवर खान और संयोजक न्यायमूर्ति चंद्रकुमार समेत अन्य सदस्यों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से बातचीत की है। इसमें शांति वार्ता के लिए पहल करने और नक्सल अभियान को रुकवाने पर जोर दिया है। समिति के सदस्यों ने इस बैठक में मुख्यमंत्री से कर्रेगुट्टा में युद्ध विराम के लिए केंद्र पर दबाव डालने को कहा है, जिस पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी आश्वासन दिया है कि वे इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। इस आश्वासन के बाद तेलंगाना की कांग्रेस सरकार एवं विपक्ष द्वारा भी नक्सलियों के शांति वार्ता का समर्थन करने की वजह से तेलंगाना सरकार ने इस अभियान से किनारा कर लिया है। जबकि जहां सबसे बड़ा नक्सल अभियान चल रहा है, वहां का लगभग 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना में समाहित है।

श्रीबांकेबिहारी मंदिर : अक्षय तृतीया पर उमड़ा भक्ति व आस्था का जनसैलाब

दुर्लभ चरण व सर्वांग दर्शन पाकर भक्त हुए आल्हादित, जिलाधिकारी व एसएसपी करते रहे व्यवस्थाओं की निगरानी

मथुरा, 30 अप्रैल (हि.स.): वृंदावन में अक्षय तृतीया पर भक्ति और आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था डगमगाई नहीं। ठाकुर बांकेबिहारी जी के वर्ष में एक बार होने वाले दुर्लभ चरण दर्शन और सर्वांग दर्शन की झलक पाने के लिए लाखों श्रद्धालु वृंदावन पहुंचे और इस अक्षय पुण्य को पाकर हर श्रद्धालु भक्ति से आल्हादित हो गया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात नजर आए, वहीं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और पुलिस कप्तान श्लोक कुमार स्वयं व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।

प्राचीन सप्त देवालयों सहित सभी प्रमुख मंदिरों में ठाकुर जी को गर्मी से राहत देने के लिए चंदन का लेपन किया गया। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में विशेष अवसर पर ठाकुर जी को केसरयुक्त मलयगिरि के चंदन का लड्डू अर्पित किया। साथ ही सत्तू, बेसन के लड्डू और शीतल पेय पदार्थों का भोग लगाया गया। ठाकुर जी को पीत वस्त्रों से सजाया गया और रायबेल, कुंद, मोगरा तथा गुलाब की सुगंधित मालाओं के साथ स्वर्णाभूषण, सोने की बांसुरी और पाजेब पहनाई गईं। सुबह ठाकुर बांकेबिहारी ने सुनहरे श्रृंगार और केसरिया पोशाक में भक्तों को चरणदर्शन दिए तो जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। आराध्य के दिव्य दर्शन की एक झलक पाने को लालायित भक्तों के इंतजार के पल जैसे ही खत्म हुए तो मंदिर बांकेबिहारी में भक्तों की भीड़ फूट पड़ी। मंदिर में अंदर पहुंचे भक्त आराध्य के चरणों की झलक पाकर सुधबुध खो बैठे और पीछे से आ रहे भक्तों का रेला का एहसास जब दर्शन में मग्न श्रद्धालु को हुआ तो आगे बढ़ने का मन बनाया।

अक्षय तृतीया पर आराध्य बांकेबिहारी के चरण दर्शन को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी तो आराध्य ने भी तय समय से करीब एक घंटा 45 मिनट पहले ही दर्शन दिए। सुबह छह बजे मंदिर के पट जल्द खुले तो भक्तों को भी सहूलियत मिली। मंदिर खुलने के समय तक हजारों भक्त दर्शन कर-के मंदिर से निकल चुके थे। भक्तों की भीड़ से खचाखच भरे परिसर में जितनी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, उससे कई गुना अधिक श्रद्धालु मंदिर के बाहर आराध्य की दिव्य झांकी के दर्शन को उतावले हो रहे थे। प्रशासनिक व्यवस्था भी पूरी तरह मजबूत नजर आई। विद्यापीठ और जुगलघाट से कतारबद्ध होकर श्रद्धालु रेलिंग के अंदर से ही मंदिर तक पहुंच रहे थे। गर्मी के दिनों में गर्म धरती पर नंगे पैर चलने में श्रद्धालुओं की दिक्कत को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर आने वाले रास्तों पर कारपेट बिछाकर जगह जगह पंखा, कूलर लगाए हैं। ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

मेरे प्यारे झारखण्ड वासियों
जोहार !

"अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1 मई 2025 के अवसर पर झारखण्ड राज्य के सभी श्रमिक बन्धुओं को शुभकामनाएँ।"

राज्य के मजदूरों की सुरक्षा एवं कल्याण हेतु झारखण्ड सरकार सतत् प्रयासरत है।

श्रमिक हित में विभाग द्वारा किए गए मुख्य कार्य :-

- ई-श्रमपोर्टल में 96,61,245 असंगठित श्रमिकों का निबंधन कराया गया।
- वित्तीय वर्ष-2024-25 में असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत 63030 श्रमिकों को लाभान्वित करने में ₹45.75 करोड़ का व्यय किया गया।
- वित्तीय वर्ष-2024-25 में झारखण्ड राज्य के 217 अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों की दुर्घटना / प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने के उपरांत उनके आश्रितों को ₹2,26,50,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। सामान्य मृत्यु की स्थिति में कुल 239 कामगारों के आश्रितों के शव लाने हेतु ₹1,19,50,000 एवं 04 अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु के उपरांत कुल ₹20,00,000 की सहायता प्रदान की गयी।
- 31 मार्च 2025 तक 17,28,508 निर्माण श्रमिकों का निबंधन किया जा चुका है।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,67,636 निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में कुल ₹1,09,22,76,891 की राशि का लाभ दिया गया।

1 मई 2025 अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर झारखण्ड सरकार आपके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण की कामना करती है।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR : 351490 (Labour Employment and Traning) 25-26

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार